रांची, शनिवार

22.06.2024

वर्ष : 9, अंक : 201 पृष्ठ : 12

मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

1 जुलाई से बदल जाएगा स्कूलों का समय, आदेश जारी

रांची: 1 जुलाई से झारखंड के सभी स्कूलों का समय बदल जाएगा. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने आदेश जारी करते हुए सभी कोटि के विद्यालय (सरकारी व गैर सरकारी) कक्षा-1 से 12 तक 01 जुलाई से 31 मार्च तक सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित करने की बात कही गई है. वहीं 30 जून तक स्कूल सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित होंगे.

अधीर रंजन चौधरी ने बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

कोलकाता। लोकसभा चुनाव में मुर्शिदाबाद जिले की बहरामपुर सीट पर पराजय झेलने के बाद दिग्गज कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष पद से आज इस्तीफा दे दिया। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बंगाल में केवल एक सीट पर विजय हासिल हुई है। अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर लोकसभा सीट से पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल उम्मीदवार युसूफ पठान ने हरा दिया था। कांग्रेस की शर्मनाक हार के बाद से अधीर रंजन चौधरी की भूमिका पर सवाल उठने लगे थे। लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस की ओर से शुक्रवार को एक समीक्षा बैठक बुलाई गयी है। उसके पहले ही चौधरी ने इस्तीफा दे दिया है।

बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत की यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं

नई दिल्ली: बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर शुक्रवार शाम यहां पहुंचीं। श्रीमती हसीना की यह एक माह में नयी दिल्ली की दूसरी यात्रा है। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत करेंगी और दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। वह कल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात करेंगी। प्रधानमंत्री शनिवार को द्विपक्षीय वार्ता के बाद उनके सम्मान में दोपहर का भोज देंगे।

सीएसआईआर-यूजीसी-नेट की परीक्षा स्थगित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी-नेट परीक्षा जून-2024 को स्थगित कर दिया। यह परीक्षा 25 से 27 जून के बीच आयोजित होने वाली थी। एनटीए की ओर से जारी एक सार्वजनिक सूचना में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि यह दिनांक 15 जून की सार्वजनिक सूचना के क्रम में है। इसके तहत संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी-नेट परीक्षा जून-2024 के आवेदकों को आवंटित परीक्षा शहर की अग्रिम सूचना तथा परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी सभी उम्मीदवारों को दी गई थी।

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने उद्योग विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की

बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों को पुनर्जीवित करेगी राज्य सरकार : चम्पाई सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में उद्योग विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में बड़े-बड़े इंडस्ट्री के साथ-साथ लघु, कुटीर एवं छोटे-छोटे ग्रामोद्योगों को हर हाल में बढ़ावा दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे लघु, कुटीर एवं ग्रामोद्योगों से जोड़कर गरीब, किसान तथा जरूरतमंद लोगों के आय में वृद्धि लाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में सिल्क और तसर उत्पादन के क्षेत्र में रोजगार के अच्छे अवसर हैं। मुख्यमंत्री ने झारक्राफ्ट तथा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में

अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं को प्रशिक्षण देकर हुनरमंद बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

धागा उत्पादन के क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में धागा उत्पादन के क्षेत्र में रोजगार की काफी संभावनाएं दिख रही हैं। राज्य खादी बोर्ड एवं झारक्राफ्ट के प्रतिनिधि महिलाओं को धागा उत्पादन के क्षेत्र में रोजगार के लिए प्रेरित करें तथा उन्हें प्रशिक्षित भी करें। तसर, रेशम कोकून की प्रोसेसिंग तथा धागा तैयार करने की ट्रेनिंग महिलाओं को अवश्य दें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन महिलाओं को खादी बोर्ड एवं झारक्राफ्ट द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है उन्हें राज्य सरकार की नीति के तहत 35% सब्सिडी देकर उपकरण भी उपलब्ध कराएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत राजनगर में स्थापित खादी पार्क में विभिन्न प्रकार के वस्त्र निर्माण उद्योग हेतु एक बेहतर कार्य योजना बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा रोजगार सृजन हेतु जितने भी संसाधन विकसित किए गए हैं उनका बेहतर इस्तेमाल कर अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार का अवसर देना हमसभी की जिम्मेदारी है, अधिकारी कार्यशैली में बदलाव लाकर इन जिम्मेदारियों का तत्परता से निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने झारखंड इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (जियाडा) के कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि जियाडा अंतर्गत वैसे औद्योगिक यूनिट जो स्थापित होने के बाद किसी कारणवश बंद पड़े हैं, उनका सर्वेक्षण करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि बंद पड़े औद्योगिक इकाइयों का नए सिरे से एलॉटमेंट कर उन्हें पुनर्जीवित करें। बंद पड़े औद्योगिक इकाइयां पुनर्जीवित होगी तो हजारों की संख्या में लोगों को रोजगार से जोड़ा जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार द्वारा बनाई गई औद्योगिक नीति के तहत 75% नियोजन स्थानीय लोगों को मिले यह हर हाल में सुनिश्चित की जाए। जिस क्षेत्र में औद्योगिक संस्थाएं स्थापित हुई हैं उन क्षेत्रों के स्थानीय लोगों को नियोजन में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि औद्योगिक क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सड़क, बिजली, पानी सहित सुरक्षा, साफ-सफाई के बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने जिडको के कार्य प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने झारखंड प्लास्टिक पार्क, फार्मा पार्क, पीएम गतिशक्ति योजना, पीएम एकता मॉल तथा स्फूर्ति योजना के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, रांची के निर्माण कार्य एवं जिला उद्योग केंद्र की मरम्मती सहित जिडको की कई विभिन्न योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

बैठक में राज्य के मुख्य सचिव एल०खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर प्रधान सचिव अविनाश कुमार, उद्योग विभाग के सचिव प्रवीण टोप्पो, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, एमडी जियाडा शशि रंजन, निदेशक उद्योग सुशांत गौरव, सीईओ राज्य खादी बोर्ड सुमन पाठक, एमडी झारक्राफ्ट कृति जी, निदेशक हस्तकरघा आकांक्षा रंजन सहित जिडको के वरीय पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

झारखंड में प्री मानसून बारिश शुरू

कई जिलों में तेज वर्षा को लेकर येलो अलर्ट जारी

बिभा संवाददाता

रांची: राज्य में मानसून का काउंटडाउन शुरू हो गया है। बीते 24 घंटे के दौरान राजधानी रांची समेत कई हिस्सों में हल्की बारिश से मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, 20 जून यानी आज भी पूरे राज्य में बारिश की संभावना है। राजधानी में बादल छाए रहेंगे। वहीं 2-3 दिनों में मानसून भी राज्य में दस्तक दे सकता है।

राजधानी रांची में बीते बुधवार को

दिनभर काले बादल छाए रहे और तापमान 40 से गिरकर 37 पहुंच चुका है जबकि रात में यह आंकड़ा 30 के नीचे पहुंच चुका है। अब लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली है। बूंदाबांदी के बाद रात में 30 से 40 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से बह रही हवा ने काफी राहत दी है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान की बात करें तो 20 जून को राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से यानी देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, गिरिडीह, धनबाद और साहिबगंज के साथ साथ दक्षिण हिस्से यानी पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में भारी वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही इन जिलों में 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा बहने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने आमजनों को मौसम के बदलते तेवर से सतर्क रहने की सलाह दी है। वहीं कोल्हान और संताल परगना के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार हवा भी चलेगी। राज्य में हल्की बारिश तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट की संभावना है।

ईडी ने जमीन कारोबारी के ठिकाने से एक करोड़ नकदी और 100 गोली किया बरामद

बिभा संवाददाता

रांची। जमीन कारोबारी कमलेश के ठिकाने से ईडी ने एक करोड़ रुपये नकदी और सौ राउंड गोली बरामद किया है। इसके अलावा ईडी ने कमलेश के ठिकाने से कई अधिकारियों के जमीन से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किया है।

उल्लेखनीय है कि जमीन घोटाला मामले में ईडी की टीम ने कांके रोड के चांदनी चौक स्थित एस्टर ग्रीन में रहने वाले जमीन कारोबारी कमलेश कुमार के ठिकाने पर छापेमारी की है। जमीन घोटाले में गिरफ्तार हुए शेखर कुशवाहा से जुड़े मामले को लेकर ईडी के द्वारा यह छापेमारी की गयी है। बीते 12

जून को ईडी ने बड़गाईं जमीन घोटाला में गाड़ीगांव निवासी शेखर कुशवाहा को गिरफ्तार किया था। फिलहाल, ईडी शेखर कुशवाहा को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

योग विश्व को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति बन गया : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि दुनिया भर में योग दिवस के बड़े पैमाने पर मनाए जाने से यह साबित हो गया है कि यह विश्व को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है।

श्री मोदी ने 10 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी और योग प्रशिक्षकों की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, व्यक्तियों, समुदायों और संगठनों के सामूहिक प्रयासों की बदौलत 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दुनिया भर में बड़े पैमाने पर आयोजित किया गया है, जिसमें

सभी ने एक साथ आकर योग का अभ्यास किया। यह स्पष्ट है कि योग एक एकीकृत शक्ति बन गया है, जो विभिन्न संस्कृतियों और पृष्ठभूमियों के लोगों को एक साथ ला रहा है। युवाओं को इतने उत्साह और समर्पण के साथ योग सत्र में भाग लेते देखकर खुशी हो रही है।

उन्होंने कहा,मैं योग को लोकप्रिय बनाने के लिए काम करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। ये प्रयास एकता और सद्भाव को आगे बढ़ाने में काफी मदद करेंगे। मुझे योग प्रशिक्षकों की संख्या में वृद्धि देखकर भी खुशी हो रही है जिनकी विशेषज्ञता और जुनून दूसरों को योग अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है।आने वाले समय में भी योग दुनिया को एक साथ लाता रहेगा।

जेपीएससी की परीक्षा आज से, बनाए गए 15 परीक्षा केंद्र

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा 22 जून से शुरू हो रही है, जो 24 जून तक चलेगी। यह परीक्षा दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर दो बजे से लेकर शाम पांच बजे तक आयोजित की जाएगी। जेपीएससी की मुख्य परीक्षा के लिए रांची में कुल 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के बाद सफल अभ्यर्थियों को झारखंड लोक सेवा आयोग कुल 342 पदों पर नियुक्त करेगा।

जेपीएससी परीक्षा की डेटशीट

22 जून को पहली शिफ्ट में पेपर 1, दूसरी शिफ्ट में पेपर 2 की परीक्षा होगी।

23 जून को पहली शिफ्ट में पेपर 3 और दूसरी शिफ्ट में पेपर 4 की परीक्षा आयोजित होगी।

24 जून को पहली शिफ्ट में पेपर 5 और दूसरी शिफ्ट में पेपर 6 की परीक्षा ली जाएगी।

एक ही दिन हो रही जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षा

झारखंड लोक सेवा आयोग 22 जून से जेपीएससी मेंस परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस परीक्षा के साथ झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की परीक्षा का आयोजन भी होगा। कई अभ्यर्थी हैं ऐसे भी हैं, जो जेपीएससी मेंस परीक्षा में भाग लेंगे लेकिन उन्हें जेपीएससी के साथ ही जेएसएससी की परीक्षा भी देनी है। जेपीएससी की ओर से सिविल सेवा मुख्य परीक्षा ली रही हैं जबकि जेएसएससी की ओर से कक्षा छह से आठ के सहायक आचार्य नियुक्ति की परीक्षा ली जा रही है। इसकी परीक्षा 23 जून से शुरू हो रही है जबकि 23 जून को जेपीएससी पेपर तीन और चार की परीक्षा ले रही है।

इन पदों पर होगी नियुक्ति

कुल 342 पदों पर नियुक्ति होगी। इसमें डिप्टी कलेक्टर (उप समाहर्ता) के 207, पुलिस उपाधीक्षक के 35, राज्य कर पदाधिकारी के 56, कारा अधीक्षक के 2, झारखंड शिक्षा सेवा (कैटेगरी-2) के 10, जिला समादेष्टा का एक, सहायक निबंधक के 8, श्रम अधीक्षक के 14, प्रोबेशन पदाधिकारी के 6 और उत्पाद निरीक्षक के 3 पद हैं।

फिच रेटिंग्स ने 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत किया

एजेंसी

नई दिल्ली : फिच रेटिंग्स ने अनुमान लगाया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि 7.2 प्रतिशत रहेगी। यह फिच रेटिंग्स द्वारा मार्च 2024 की रिपोर्ट में भारत के लिए उल्लेख किए गए अनुमानित 7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि से 0.2 प्रतिशत अंक अधिक है। 18 जून, 2024 को जारी इसकी नवीनतम वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण (जीईओ) रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत घरेलू मांग के कारण वित्तीय वर्ष (एफवाई) 2023-24 के दौरान भारत की वास्तविक जीडीपी में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निवेश में भी 9.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई और उपभोक्ता खर्च में 4.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

रिपोर्ट में कहा गया है,₹हमें उम्मीद है कि वित्तीय वर्ष 24-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि होगी (मार्च जीईओ से 0.2 प्रतिशत अंक अधिक)। उपभोक्ता विश्वास उच्च स्तर पर बना हुआ है, जिसके कारण उपभोक्ता खर्च में सुधार की उम्मीद है। फिच रेटिंग्स की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे सामान्य मानसून की उम्मीद से विकास को बढ़ावा मिलेगा और मुद्रास्फीति में स्थिरता रहेगी, हालांकि हाल की भीषण गर्मी से जोखिम पैदा हुआ है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वर्ष की शुरूआत से ही उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर में कमी दर्ज की जा रही है। मई में सालाना आधार पर महंगाई दर 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि दिसंबर 2023 में यह 5.7 प्रतिशत थी। कोर मुद्रास्फीति लगातार कम हो रही है, जो दिसंबर के 3.8 प्रतिशत से गिरकर मई में 3.0 प्रतिशत रह गई है। हालांकि, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अब भी उच्च स्?तर पर टिकी हुई है, जो चालू वर्ष के पहले पांच महीनों में औसतन 7.8 प्रतिशत आंकी गई है। पूवार्नुमानों के अनुसार, जून से लेकर सितंबर तक बारिश औसत से अधिक रहने की उम्मीद है, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की वजह से महंगाई बढ़ने के जोखिम को कम करने में काफी मदद मिलेगी। हेडलाइन मुद्रास्फीति में गिरावट जारी रहने की उम्मीद है जो वर्ष के आखिर तक 4.5 प्रतिशत के स्तर पर आ जाएगी और वर्ष 2025 एवं वर्ष 2026 में औसतन 4.3 प्रतिशत रहेगी और जो कि इसकी लक्ष्य सीमा (4% +/- 2%) के मध्य-बिंदु से थोड़ी अधिक है।

इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैसे तो निवेश में वृद्धि जारी रहेगी, लेकिन इसकी गति धीमी रहेगी।

समग्र विश्व और मानवता को भारत की सबसे बड़ी सौगात है योगः अमित शाह

एजेंसी

अहमदाबाद। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद के बोडकदेव स्थित गोटिला गार्डन में योगाभ्यास किया। समारोह में शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्ताव पर वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाने की शुरूआत की। मोदी ने अपने प्रस्ताव से भारत के प्राचीन विज्ञान योग से पूरे विश्व का परिचय कराया।

इस समारोह में केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि देश ने वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए ऐतिहासिक जनादेश मिलने के बाद मोदी जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में गए, तब उन्होंने 21 जून का दिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रस्ताव के जरिए अपने देश के प्राचीन विज्ञान योग से पूरे विश्व का परिचय कराया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 170 से अधिक देश योग दिवस मनाने के लिए सहमत हुए थे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत ने पूरी दुनिया और मानवता को बहुत कुछ दिया है और योग इसमें सबसे बड़ा उपहार और वरदान है।

संक्षिप्त खबरें

आजसू पार्टी की स्थापना दिवस बलिदान दिवस रूप मे मनाया जायेगा

चान्हो(बिभा)। आजसू पार्टी शनिवार को आजसू पार्टी के स्थापना दिवस को बलिदान दिवस रूप मे मनाएगी। चान्हो प्रखंड में यह कार्यक्रम बिजुपाड़ा स्थित स्मार्ट बैंक्वेट हॉल में मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को झारखंड अलग राज्य आंदोलन की पीड़ा, वेदना, संघर्ष और बलिदान के बारे में अवगत कराया जाएगा। पार्टी ने बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में झारखंड अलग राज्य आंदोलन में अतुल्य योगदान देने वाले झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। यह जानकारी जिला उपाध्यक्ष कमलू साहु ने दी है।

वज्रपात के चपेट में आने से 19 वर्षीय प्रेम कुजूर की घटना स्थल पर मौत

चान्हो(बिभा)। थाना क्षेत्र के सोंचिपी गांव के निकट वज्रपात की चपेट में आने से 19 वर्षीयप्रेम कुजूर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं इस हादसे में उसके दोस्त अमन कुजूरऔर अनीस किस्कोट को भी हल्की छोटे आई है ,घटना शुक्रवार दोपहर 2:30 बजे की है मिली जानकारी के अनुसार यह तीनों दोस्त गांव के निकट एक इमली पेड़ के नीचे बारिश से बच रहा था। उसका दोस्त बिजुपडा गया थाअपने दोस्तों के लौटने का इंतजार कर रहे थे ,इसी दौरान तेज बारिश होने लगी तो वह बारिश से बचने के लिए इमली पेड़ से सटकर खड़े हो गए इसी दौरान वज्रपात हुई, और वज्रपात की चपेट में आने से प्रेम कुजूर बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा घटना की जानकारी मिलते ही तीनों को ग्रामीण तत्काल इलाज के लिए मिशन स्थित एक निजी अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद प्रेम को मृत घोषित कर दिया वह चान्हो थाना क्षेत्र के रानी चचो का रहने वाला था वही अनीश और अमन को कुछ घंटे के प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

ब्राम्बे लैम्पस में पचास प्रतिशत अनुदान में खाद एवं बीज का वितरण

मांडर(बिभा)। प्रखंड सहकारिता विभाग द्वारा ब्राम्बे लैम्पस में शुक्रवार को पचास प्रतिशत अनुदान पर खाद एवं बीज का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर ने कहा कि इससे किसानों को काफी सहूलत मिलेगी। किसान ज्यादा खेती कर अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगे। आज से किसानों को लैंप्स में आधे दामों पर खाद और बीज मिलेंगे। इसके लिए किसानों को अपना आधार कार्ड लेकर केंद्र में जाना होगा। मौके पर लैम्पस अध्यक्ष जयवंत तिग्गा, प्रखंड सहकारी पदाधिकारी, मुखिया अनिता देवी, कांग्रेस नेता राजीव रंजन, प्रकाश तिग्गा, अध्यक्ष बंधन उरांव, लैम्पस सचिव तबारक अंसारी समेत अन्य लोग मौजूद थे

नौ वर्षीय प्रियंका एक्का की सर्पदंश से मौत

मांडर (बिभा)। थाना क्षेत्र के सोसई गांव निवासी नौ वर्षीय प्रियंका एक्का की सर्पदंश से मौत हो गई। घटना बुधवार की रात साढ़े नौ बजे की है। प्रियंका कुमारी सोसई गांव में ही स्थित प्राथमिक स्कूल में कक्षा तीन में पढ़ती थी। खबर मिलते ही पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी डॉ परमेश्वर भगत मृतक के परिजन से मिलने पहुंचे। शोक व्यक्त करते हुए डॉ परमेश्वर भगत ने परिवार वालो को ढांढस बंधाया एवं हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

योग भारतीय प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है : दीपाली परासर

माण्डर(बिभा)। स्थित भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टिच्यूशन में शुक्रवार को योग दिवस मनाया गया योग भारतीय प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। यह दिमाग और शरीर को एकता का प्रतीक है । भारत को योग का जन्मदाता माना जाता है। योग एक ऐसी क्रिया है जो मनुष्य को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ एवं मजबूत बनाता है। इस दिवस को मनाने का श्रेय माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है। इनके निरंतर प्रयास से 21 जून 2015 को पहली बार योग दिवस मनाया गया। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य सभी लोगों को योग से जोड़ना है और योग के प्रति प्रोत्साहित करना है । मुख्य अतिथि के रूप में सचिव नितिन पराशर तथा प्राचार्या दीपाली पराशर उपस्थित थी। मौके पर डीन उपेन्द्र उपाध्याय नर्सिंग की प्राचार्या श्रीमती निहारिका श्रीवास्तव, व्याख्याता राकेश कुमार राय, मधुरंजन , विनीता चैधरी, रिभा कुमारी, अमित कुमार, विनीत शर्मा, सुबोध शर्मा, सहाय सर, सुनील कुमार, सलमान अंसारी, इमरोज एवं सभी छात्र/छात्राएं उपस्थित उपस्थित थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा लोगों को नशा मुक्ति के लिए जागरूक अभियान चलाया

रातू (बिभा): जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची के तत्वाधान में गुरुवार को रातू प्रखंड के फेटा ग्राम में नशा मुक्ति उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया.पीएलभी लता देवी और सुनीता देवी ने लोगो से कहाँ की नशा समाज के लिए अभिशप है. नशा पान को रोका नहीं गया तो आने वाले भविष्य के लिए घातक है.नशा मुक्त होने के लिए समाज को जागरूक होना होगा साथ ही नशापान के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाना होगा, ताकि नशा करने के दुष्परिणाम को लोग जाने और अपने परिवार बच्चों को नशा से दूर रखें .उन्होंने कहा की आर्थिक,सामाजिक,मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है.नशें में वाहन चलाने से दुर्घटना की संभावना भी होती है .जिससे शारीरिक एवं मानसिक नुकसान होता है.आजकल यह सब बच्चों में सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है.जो काफी चिंता का विषय है.नशा मुक्त करने के लिए इन्हें रिहैबिलिटेशन सेंटर में रखे जाने की जानकारी दी गई. जिसमें निशुल्क इलाज तथा दवा मिलता है.और अंत में महिलाओं को नशा नहीं करने का शपथ भी दिलवाया गया.

राहे प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप में बालक वर्ग में सताकी, जाराडीह और बालिका वर्ग में दोकाद ने किया कब्जा

बिभा संवाददाता

राहे। प्रखंड के डोमनडीह स्कूल मैदान में आयोजित प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टूनार्मेंट के बालक वर्ग के अंडर 17 के मुकाबला में उच्च विद्यालय सताकी की टीम ने प्लस टू विद्यालय राहे को 1 गोल से पराजित किया। विजेता सताकी की टीम अब जिला स्तर में खेलेगी।बालिका वर्ग में दोकाद की टीम ने डोमनडीह की टीम को पराजित किया। इधर बालक वर्ग के अंडर 15 का फाइनल मुकाबला मिडिल स्कूल जाराडीह की टीम और मिडिल स्कूल अम्बाझरिया के बीच हुआ जिसमें जाराडीह की टीम 1गोल से विजयी रहा। टूनार्मेंट समापन पर बीपीओ प्रवीण कुमार बीईओ शांति मुनि तिर्की,आजसू प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो सभी सीआरपी आदि मौजूद थे।

प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप में बालक वर्ग में लांदुपडीह और सोनाहातू ने किया कब्जा

सोनाहातू। प्रखंड के थाना मैदान में आयोजित प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टूनार्मेंट के बालक वर्ग के अंडर 17 के मुकाबला में प्लस टू विद्यालय लांदुपडीह की टीम ने प्लस टू विद्यालय सोनाहातू को 2 गोल से पराजित किया। विजेता प्लस टू लांधूपडीह अब जिला स्तर में खेलेगी। इधर बालक वर्ग के अंडर 15 का फाइनल मुकाबला मिडिल स्कूल सोनाहातू की टीम और मिडिल स्कूल जिंतु के बीच हुआ जिसमें सोनाहातू की टीम 1 गोल से विजयी रहा। टूनार्मेंट समापन पर प्रमुख विक्टोरिया देवी,बीडीओ खगेश कुमार, बीईओ विमलकांत झा आजसू प्रखंड अध्यक्ष सुषेन प्रमाणिक, झरिया महतो, विपिन पाल, श्यामल दास आदि मौजूद थे। संचालन इंद्रजीत बैठा ने किया। खेल को संपन्न कराने में खेल शिक्षक विंदेश्वर महतो उर्फ डिप्टी महतो की टीम ने सहयोग किया।

रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में योग दिवस का आयोजन

रांची : 10 दसवीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में योग दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी गण उपस्थित रहे इस मौके पर स्कूल ऑफ योग रांची विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका संतोषी कुमारी के द्वारा लिखा गया किताब सरल योग अमृत का विमोचन माननीय कुलपति डॉक्टर अजीत कुमार एवं विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य अतिथियों के द्वारा किया गया। संतोषी ने बताया की इस किताब में योग के विभिन्न आसन, प्राणायाम,ध्यान, चक्र और पंचमहाभूतों के लाभों को विस्तार रूप से बताया गया है, साथ ही विश्वविद्यालय में चल रहे कोर्स, यूजीसी नेट और वाईसीबी के सभी परीक्षाओं के लिए अत्यंत उपयोगी किताब है। इस मौके पर स्कूल ऑफ योग की डायरेक्टर डॉक्टर मधुलिका वर्मा , कॉर्डिनेटर डॉक्टर गुरुचरण साहू, मनीष कुमार , मनोज सोनी, डॉक्टर परिणीता सिंह, खीलेश कुमार , विकास कुमार सहित सभी उपस्थित अधिकारियों ने संतोषी को शुभकामनाएं दी।

मुखिया ने किया योगाभ्यास का आयोजन

सोनाहातू। प्रखंड के गलऊ पंचायत सचिवालय परिसर में मुखिया सावना महली के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ग्रामीणों और स्कूली बच्चों की बीच योग शिविर का आयोजन किया। शिविर में ग्रामीणों और बच्चों को कई तरह के योग बताए गए। गया शरीर में गांव के लोग मुखिया ने सभी को योगा करने को कहा।और स्कूली बच्चों को इन्होंने कहा की हमे योगा करने की आदत डालने होगी।

बेसहारा को मिला सुदेश का सहारा, मुस्कान को मिली नई जिंदगी

बिभा संवाददाता

सोनाहातू। सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सोनाहातू प्रखंड अंतर्गत चोकाहातू टोला बांधडीह के सोहराय सिंह मुंडा के पुत्री मुस्कान कुमारी की आर्टिफिशियल पैर लगा कर नई जिंदगी दी गई। डेढ़ वर्ष की उम्र में आग लगने से दोनो पैर को काटना पड़ा था। गरीब परिवार की बच्ची लाचार हो चुकी थी।किसी तरह गांव के स्कूल में पांचवी तक पढ़ाई की थी और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सोनाहातू में छठी क्लास में नामांकन करने के लिए आवेदन जमा किया हैं। आवेदन के आलोक में स्कूल के वार्डन शशि बाड़ा और शिक्षिका सरोजिनी टोप्पो बच्ची के घर गए। बच्ची की दिव्यांगता और परेशानी के बारे मे स्कूल प्रबंधन ने विधायक सुदेश महतो को बताए। विधायक ने तत्काल रुचि लेते हुए एंबुलेंस से बच्ची को पिता के साथ मेडिका अस्पताल रांची भेजे। डॉक्टरों की टीम ने जांच कर आर्टिफिशियल पैर लगा दिया गया। अब वास्तव में मुस्कान के चेहरे में मुस्कान आया है। मुस्कान आर्टिफिशियल पैर से अपने घर में चलने का अभ्यास कर रही है। कस्तूरबा स्कूल प्रबंधन के प्रयास से विधायक सुदेश महतो ने एक नई जिंदगी दी है।

योग से हमारा तन और मन दोनों स्वस्थ होता है : रिहा शर्मा

बिभा संवाददाता

चान्हो। प्रखंड स्थित शुक्रवार को न्यू कैंब्रियन पब्लिक स्कूल चोरेया मोड बीजू पाड़ा में विश्व योग दिवस के उपलक्ष पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग दिवस के मौके पर विद्यालय की प्राचार्या महोदया रिहा शर्मा ने छात्रों को योग के महत्व के विषय में बताते हुए कहा योग हमारी संस्कृति है और ईश्वर का एक वरदान है।योग से हमारा तन और मन दोनों स्वस्थ होता है। हमारा मस्तिष्क शांत और तेज होता है। योग करने से हम शरीर के हर विकार से मुक्त हो सकते हैं।उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि योग दिवस का आरंभ 2015 में किया गया

जिसका श्रेय हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जाता है। संपूर्ण विश्व 21 जून को प्रत्येक वर्ष विश्व योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।विद्यालय के पी टी शिक्षक रमन वर्मा छात्रों को योगाभ्यास कराया।इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं अन्य कर्मचारी गण भी मौजूद थे। उन्होंने भी छात्रों का प्रोत्साहन बढ़ाते हुए उनके साथ योग का अभ्यास किया। मौके पर संदीप गुप्ता, मनोज कर्मकार,अमित सिंह,वर्मा सर,प्रज्ञा कुमारी, पल्लवी,ललिता मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मांडर महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

बिभा संवाददाता

मांडर । शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मांडर महाविद्यालय, मांडर में योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर योग विशेषज्ञों विनय महतो, खिलेश्वर प्रसाद, डॉ जे. पी. साहू के नेतृत्व में योग किया गया। इस कार्यक्रम का पूरा आयोजन प्रो० सोमरा उरांव की देखरेख में संपन्न हुआ। मौके पर बोलते हुए समाजसेवी डॉ परमेश्वर भगत ने कहा कि योग सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि इससे मानसिक तथा आध्यात्मिक विकास भी होता है। डॉ. भगत ने योग के माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, मानसिक स्थिरता और शारीरिक सामंजस्य बढ़ाने का जिक्र किया। माण्डर स्थित भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टिच्यूशन में भी योग दिवस मनाया गया। शैक्षाणिक सचिव दीपाली पराशर ने कहा कि योग एक ऐसी क्रिया है जो मनुष्य को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ एवं मजबूत बनाता है। भारत को योग का जन्मदाता माना जाता है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या डॉ० कुनुल कांडीर, ए० एन० ओ० डॉ० अनसेलम मिंज, सहायक अजित एक्का, उत्तम कुमार शाही, डीन उपेन्द्र उपाध्याय नर्सिंग की प्राचार्या श्रीमती निहारिका श्रीवास्तव, व्याख्याता राकेश कुमार राय, मधुरंजन , विनीता चैधरी, रिभा कुमारी, अमित कुमार, विनीत शर्मा, सुबोध शर्मा, सहाय सर, सुनील कुमार, सलमान अंसारी, इमरोज, 52 एन० सी० सी० कैडेट तथा

विश्व सिकल सेल दिवस पर जांच शिविर का हुआ आयोजन

चैनपुर: चैनपुर प्रखंड के कातिंग गांव स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में विश्व सिकल सेल दिवस के मौके पर जांच शिविर का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 19 जून से 26 जून तक विश्व सिकल सेल दिवस मनाया जा रहा है। जिस क्रम में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक की अध्यक्षता में टोंगो की ए एन एम धर्मदाशी तिर्की के द्वारा विधालय में अध्यनरत बच्चियों का सिकल सेल एनीमिया की जांच की गई।वहीं जांच शिविर को लगाने पर राज्य स्तरीय निरीक्षण दल पिरामल फाउंडेशन के निदेशक देवाशीष सिन्हा एवं क्षेत्रीय प्रबंधक परीक्षित नंदा ने चैनपुर क्षेत्र प्रबंधक संजीत एक्का की सराहना की है.

चैनपुर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर योगाभ्यास कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बिभा संवाददाता

चैनपुर: चैनपुर प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बरवेनगर पंचायत भवन प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा के द्वारा योग किया गया। जिसमें बरवेनगर पंचायत काफी संख्या में आए ग्रामीण योग्य अभ्यास किया।उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति हर दिन योग करते है, वे कभी बीमार नहीं होते है उन्होंने कहा यदि हम सभी 21जून को ही नही बल्कि रोज दिन योग करेंगे तो हमसभी कभी नही बीमार होंगे।यदि हम बीमार नहीं होंगे। जिसमें स्कूल के छात्र छात्राओं के साथ साथ शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी योगाभ्यास किया। चैनपुर प्रखंड के मनोरमा सरस्वती शिशु मंदिर में योगाचार्य बाबूलाल कुमार ने सभी को योगाभ्यास कराया और कहा की नियमित योग करने से लोगों का शारीरिक के साथ साथ मानसिक विकास भी होता है योग करने से शरीर हमेशा निरोग रहता है, साथ मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। हमें जरूरत है कि हम योग को अपने दिनाचार्य में शामिल करें जिससे हम स्वस्थ रह सके।चैनपुर थाना प्रांगण में थाना में उपस्थित पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों के साथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, महोदया चैनपुर की उपस्थिति में योग किया गया एवं योग के फायदे के बारे में बताया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से मनोहर बड़ाइक, संतोष केशरी,अमित पाण्डेय, विक्की साहु,दीपक साहु,अशोक सिंह,कौशल केशरी,नंदा केशरी, बुधराम नायक सहित स्कूल के शिक्षक शिक्षिका मौजूद थे.

रूम से स्कूटी की चोरी

रातु(बिभा): थाना क्षेत्र के तिलता गोविंदनगर स्थित पुराना बाइक खरीद बिक्री करने वाले सतीश ऑटो मोबाइल शो रूम में चोरों ने चोरी को घटना को अंजाम देकर फरार हो गये.चोरी करने के लिए चोरों ने शो रूम के पिछले हिस्से में लगे दरवाजे का प्रयोग किया.मिली जानकारी के अनुसार शो रूम के संचालक सतीश कुमार गुरुवार की शाम 7:30 बजे शो रूम में ताला लगाकर रवि स्टील पूरना नंद कॉलोनी चला गया.शुक्रवार की सुबह 10 बजे जब सतीश शो रूम आया तो दरवाजे में लगे ताले को टूटा पाया.अंदर जाकर देखा कि ड्रावर का लॉक टूटा हुआ है तथा उसमें रखा 90 हजार रुपया गायब था.इसके अलावा शो रूम में खड़ा एक स्कूटी भी गायब है.शो रूम के मालिक सतीश कुमार ने बताया कि शो रूम में लगभग 50 से अधिक बाइक व स्कूटी था.परन्तु पिछले दरवाजे से बाहर बाइक निकालने का जगह नही होने के कारण सिर्फ एक स्कूटी ले गये.मामले को लेकर सतीश ने रातू थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है.पुलिस चोर का पता लगाने के लिए छापामारी कर रही है.

गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

रातू (बिभा): अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल कमड़े रातू में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गयागया.कार्यक्रममें योग अध्यापक शुभम वर्मा के निर्देशन में कुल 200 छात्राओं ने उत्कृष्ट योग का प्रदर्शन किया,जिसमें पद्मासन ,वृक्षासन, ताड़ासन ,अर्ध चंद्रासन पद हस्तासन मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा.इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या शालिनी विजय ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि योग हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए.यह विद्या हमें शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनाती है.मानसिक तथा भावनात्मक दृढ़ता के लिए हमें नित्य योग करते रहना चाहिए.

प्री सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

रातू (बिभा): रातू प्रखंड संसाधन केंद्र के तत्वाधान में छोटा नागपुर राज प्लस टू उच्च विद्यालय के मैदान में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय प्री सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया . यह प्रतियोगिता तीन स्तर 15 वर्ष बालक अंडर,ल 17 वर्ष बालक अंडर ,17 वर्ष बालिका वर्ग मेंआयोजित किया गया .प्रतियोगिता में रातू प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के टीमों ने भाग लिया.प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत उपस्थित थीं.विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख संगीता देवी, उप प्रमुख रियाजुल अंसारी एवं प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सीमा कुमारी एवं राष्ट्रीय स्तर के फुटबॉल खिलाड़ी रोनी खल खो सहित अन्य लोग उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया.इस फुटबाल प्रतियोगिता में 15 वर्ष बालक वर्ग में छोटा नागपुर राज प्लस टू उच्च विद्यालय की टीम विजेता रही एवं राजकीय कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय रातु राज की टीम उप विजेता 17 वर्ष बालक वर्ग की टीम में राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय पुरियो की टीम विजेता रही एवं छोटा नागपुर राज प्लस टू उच्च विद्यालय की टीम उपविजेता रही , 17 वर्ष बालिका वर्ग में महारानी प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय की टीम विजेता रही एवं राजकीय कृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय पाली की टीम उपविजेता रही.कार्यक्रम का संचालन श्री शिव कुमार पाठक एवं तैयब अंसारी द्वारा किया गया.इस अवसर पर प्रखंड कर्मी,संकुल साधन सेवी एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर न्यू कैंब्रियन पब्लिक स्कूल काठीटांड में हुआ योग

रातू : न्यू कैंब्रियन पब्लिक स्कूल काठीटांड रातू में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रेडियो स्टेशन रोड रातू स्थित न्यू कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं ने योग प्रशिक्षक के निर्देशन में योग की विभिन्न आसनों का शानदार प्रदर्शन किया.जिसे देखकर लोग मंत्र मुक्त हो गए इस अवसर पर उपस्थित छात्र- छात्राओं एवं विद्यालय के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र यादव ने कहा कि आज के भाग दौड़ में योग मानसिक व्यायाम ही नहीं, बल्कि स्वस्थ रहने का साधन भी बन चुका है.यह एक सुलभ एवं प्राकृतिक पद्धति है ,जिससे स्वस्थ मन के साथ स्वस्थ शरीर एवं आध्यात्मिक लाभ भी पाया जा सकता है.

गुरु गोविन्द सिहं पब्लिक स्कूल विधालय में छात्र समारोह का आयोजन

बिभा संवाददाता

रातू : गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल कमड़े रातू में गुरुवार को 11वीं के नए सत्र के छात्रों के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया.कार्यक्रम की शुरूआत अरदास एवं शबद से हुई.तत्पश्चात कक्षा 12वीं के छात्रों द्वारा कबीर के दोहे को गिटार के साथ गाकर प्रस्तुत किया गया.जिसकी सभी ने सराहना की.उसके बाद ' करियर एंड गाइडेंस'विषय पर एक पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया.जिसमें छात्रों को अपने करियर चुनते समय किन-किन तथ्यों को ध्यान में रखना चाहिए ,इस विषय पर छात्रों को सजग रहते हुए भविष्य की योजनाओं की तैयारी करनी चाहिए, बातें मुख्य विषय वस्तु रही.आगे छात्रों का उनके कक्षा अध्यापकों से परिचय कराया गया, तथा छात्रों को विद्यालय का भ्रमण करवाया गया.विद्यालय की प्राचार्या शालिनी विजय ने नए छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि छात्रों का अपने भविष्य की योजना बनाने का यह सुनहरा मौका है, जिसमें अनुशासन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ छात्रों को सह शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेते रहना चाहिए इससे छात्रों के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास होता है.

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से मिले यूके के प्रतिनिधि, निवेश की जताई इच्छा

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में सिनोमिन स्पेशलिटी फ्लूइड्स, यूके के प्रतिनिधि बेन अब्राहम एवं गैरी कोलमैन ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री के समक्ष उन्होंने राज्य में ऑयल एवं गैस के क्षेत्र में निवेश करने की इच्छा जताई। इस मौके पर विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दीकी, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल एवंबे ऑयल सर्विसेज के सीईओ विद्यासागर शाह उपस्थित थे।

शेखर कुशवाहा फिर 4 दिनों के रिमांड पर

रांची। लैंड स्कैम मामले में ईडी जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा को फिर रिमांड पर लेकर 4 दिनों तक पूछताछ करेगी। कोर्ट ने इसकी अनुमति दे दी है। है कि रिमांड अवधि पूरी होने के बाद शुक्रवार को विशेष पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। शुक्रवार को ईडी ने उनसे पूछताछ की जरूरत बताते हुए फिर 5 दिनों की रिमांड की मांग की। जिसमें कोर्ट ने ईडी को 4 दिनों की रिमांड मंजूर की।जमीन घोटाला मामले में ईडी शेखर कुशवाहा के ठिकानों पर 22 अप्रैल 2023 और 16 अप्रैल 2024 को दो बार छापेमारी कर चुकी है। ईडी ने उसे पिछले बुधवार को हिनू स्थित ईडी के अंचल कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया था। जिसके बाद लंबी पूछताछ के बाद संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

करे रोग रहे निरोग- अंबा प्रसाद

रांची : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बड़कागांव की कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने रांची धुर्वा स्थित आवास में योगा किया व योग आसन करके स्वस्थ रहने का संदेश दिया। विधायक ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि योग करने से मानव निरोगी रहते हैं। इसलिए हम सभी को निरोगी रहने के लिए योग अवश्य करना चाहिए।

सीसीएल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

रांची : 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर सीसीएल द्वारा कांके रोड स्थित जवाहर नगर, रांची में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह सहित निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तक. / संचा.) श्री हरीश दुहान, सीवीओ श्री पंकज कुमार सहित, वरिष्ठ अधिकारीगण, महिलाएं तथा बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे। सभी ने इस योग शिविर में उत्साह के साथ भाग लिया और इसका लाभ उठाया। योग शिविर में सभी ने योग की विभिन्न प्रणायामों का योगाभ्यास किया। सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने योग पर चर्चा करते हुये कहा कि नियमित योग करने से व्यक्ति के न केवल प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है बल्की बौद्धिक-मानसीक एवं आध्यत्मिक रूप से भी समृद्ध होता है। स्वस्थ्य जीवन के लिए योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है। सीसीएल के सभी क्षेत्रों में भी योग शिविर का आयोजन कर 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया गया।

रांची विमेंस कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया

राँची : रांची विमेंस कॉलेज में बी एड विभाग ने दसवीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वयं और समाज के लिए योग । जिसमें कॉलेज के सभी विभाग के शिक्षक व विधार्थी शामिल थे। कार्यक्रम की शुरूवात तीन बार ऊँ कि उच्चारण से किया गया। उसके बाद व्यायाम, पद्मासन, ताडासन, पादहस्तासन, प्राणायाम, अनुलोम विलोम, कपालभाति, भ्रामरी योग किया गया। उसके बाद सूर्य नमस्कार व योग के खडे होकर, बेठ कर व लेट कर करने वाले मुद्रा किया गया। अतः अन्त में बी एड विभाग के विधार्थी ने योग के कुछ मुद्रा गायत्री मंत्र के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया।

आजसू स्थापना दिवस को बलिदान दिवस के रूप में मनाएगा

रांची। आजसू पार्टी 22 जून को आजसू का स्थापना दिवस युवाओं को समर्पित बलिदान दिवस के रूप में मनाएगी। बलिदान दिवस पर राज्य के सभी 81 विधानसभा में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राज्य के युवाओं को झारखंड अलग राज्य आंदोलन की पीड़ा, वेदना, संघर्ष, जज्बे और बलिदान से अवगत कराने के उद्देश्य से वीडियो चित्रण के माध्यम से इस आंदोलन की ऐतिहासिक व गौरवशाली इतिहास से उन्हें रूबरू कराया जाएगा। साथ ही इस कार्यक्रम में झारखंड अलग राज्य आंदोलन में अपना अतुल्य योगदान देने वाले सभी आंदोलनकारियों को आजसू पार्टी सम्मानित करेगी। इस सम्मान कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड अलग राज्य आंदोलनकारियों के बहुमूल्य विचारों को एकत्रित कर क्षेत्र के युवाओं के अंदर राज्य के लिए एक नवीन ऊर्जा का संचार करना है। बलिदान दिवस के दिन पर्यवरण को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से हर विधानसभा में पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री से मिला फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमण्डल

रांची : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से झारखंड मंत्रालय में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को 6 जुलाई को आयोजित होने वाले सृजन स्टार्टअप कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में झारखंड चैंबर्स के अध्यक्ष श्री किशोर मंत्री, उपाध्यक्ष श्री आदित्य मल्होत्रा, स्टार्टअप कमेटी के चेयरमैन श्री अमित अग्रवाल और ट्राइबल वूमेन एंटरप्रेन्योर सब कमेटी की चेयरमैन माला कुजूर शामिल थीं।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा में राज्य के विद्यार्थियों को पैसे की तंगी नहीं बनेगी बाधा : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची : राज्य का कोई भी विद्यार्थी आर्थिक तंगी की वजह से उच्च और तकनीकी शिक्षा से वंचित ना रहे, यह सरकार का संकल्प है। इस दिशा में राज्य सरकार की ओर से कई योजनाएं शुरू की गई हैं। इन योजनाओं का लाभ यहां की गरीब और मेधावी विद्यार्थियों को सुलभता के साथ सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में ये बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के ₹ स्टूडेंट एप्लीकेशन मॉड्यूल₹ का शुभारंभ किया। इसके तहत जिन विद्यार्थियों का चयन उच्च शिक्षण संस्थान के लिए हो चुका है, वे ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद उन्हें सरकार द्वारा इस योजना के लिए जिन बैंकों के साथ इकरारनामा किया गया है, उनके द्वारा 15 लाख रुपए तक का शिक्षा लोन उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सरकार ने गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना और मांकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना जैसी अनेकों योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं का लाभ गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि यहां के बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षाओं की कोचिंग के साथ मेडिकल इंजीनियरिंग, फैशन डिजाइनिंग, जर्नलिज्म और लॉ जैसे कोर्सेज करने में पैसे की तंगी बाधा नहीं बने।

मुख्यमंत्री ने राज्य में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा को बेहतर और उत्कृष्ट बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यहां से बड़े पैमाने पर विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए दूसरे प्रदेशों का रुख करते हैं। ऐसे में हमें यह प्रयास करना होगा कि यहां के उच्च शिक्षण संस्थानों में क्वालिटी एजुकेशन के साथ कैंपस प्लेसमेंट की भी मजबूत व्यवस्था हो, ताकि यहां के विद्यार्थी अपने ही राज्य में अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अच्छा जॉब भी हासिल कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कई नए डिग्री कॉलेज के साथ विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कई भवन निर्माण कार्य हो रहा है । इन भवनों के निर्माण कार्य में तेजी लाएं और तय समय सीमा के अंदर पूरी करें, ताकि इसका लाभ यहां के शिक्षकों और विद्यार्थियों को मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से कस्बों, छोटे शहरों और प्रखंडों में कई नए कॉलेज खोले जा रहे हैं, ताकि यहां के विद्यार्थियों को अपने घर के आसपास ही बेहतर और उच्च शिक्षा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने जमशेदपुर में खोले जाने वाले ट्राइबल यूनिवर्सिटी को जल्द क्रियाशील बनाने का निर्देश अधिकारियों को किया। उन्होंने कहा कि यह यूनिवर्सिटी इस राज्य के लिए काफी काफी मायने रखेगा। इससे यहां के जनजातीय भाषाओं को बढ़ावा मिलेगा। ऐसे में इस विश्वविद्यालय को शुरू करने को लेकर नियुक्ति समेत अन्य सभी प्रक्रियाओं को यथाशीघ्र पूरा करें ।

मुख्यमंत्री ने बैठक में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जो भी योजनाएं संचालित हों,, उसके बेहतर नतीजे प्राप्त होने चाहिए।

इस बैठक में मुख्य सचिव श्री एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विभाग के प्रधान सचिव श्री राहुल कुमार पुरवार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अरवा राजकमल, निदेशक उच्च शिक्षा श्री रामनिवास यादव, निदेशक तकनीकी शिक्षा श्री सुनील कुमार, झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम के कार्यपालक निदेशक श्री संजय कुजूर एवं महाप्रबंधक श्री अविनाश कुमार दीपक , एचडीएफसी बैंक झारखंड जोनल हेड श्री अभिषेक कुमार, क्लस्टर हेड रांची श्री धर्मेंद्र कुमार, गवर्नमेंट बैंकिंग हेड श्री नवनीत गांधी तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

एक जुलाई को 18 वर्ष पूरे करने वाले नए मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ें : सीईओ

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के रवि कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची के प्रकाशन को लेकर प्राप्त निदेशों के आलोक में सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों एवं उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ निर्वाचन सदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी जिलों में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का कार्य पूरी दक्षता के साथ ससमय सम्पन्न कराने के निर्देश सभी संबंधित पदाधिकारियों को दिये।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 25 जून से मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का कार्य प्रारंभ करने के निर्देश प्राप्त हैं। इस दौरान सभी बीएलओ को मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य करना है। इस दौरान 1 जुलाई को अर्हता तिथि मानते हुए 18 वर्ष पूरे करने वाले नए मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने का कार्य करना है साथ ही शिफ्टेड, डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं का सत्यापन करते हुए मतदाता सूची से उनका विलोपन नियमानुसार सुनिश्चित करना है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान सभी बीएलओ को रंगीन मतदाता सूची दी गयी है, उस सूची से मिलान करते हुए पुराने लेमिनेटेड कार्ड को बदलने का कार्य किया जाना है, इस दौरान इस बात का भी ध्यान रखा जाना है कि नए सूची में यदि किसी का फोटो साफ नहीं दिख रहा तो वैसे कार्ड को भी बदलना है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार 1 जुलाई तक उक्त कार्य के साथ साथ 1500 से अधिक मतदाता संख्या वाले मतदान केंद्रों की सूची समर्पित करें ताकि आवश्यकतानुसार नए मतदान केंद्रों की जरूरत का निर्णय ससमय किया जा सके। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में 500 से अधिक मतदाता वाले हॉउसिंग सोसाईटीज में सोसाइटी के अंदर ही मतदान केंद्र बनाने का निर्देश पहले ही जारी है, इस बाबत सभी संबंधित सोसाईटी एवं उस हेतु चयनित मतदान केंद्र की सूची भी ससमय उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी मतदाताओं से भी अपील की कि मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान जिन मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में नहीं है अथवा किसी प्रकार के सुधार कराने है, वे अविलंब ऑनलाइन माध्यम से अथवा अपने बीएलओ से मिलकर अपना आवेदन समर्पित कर दें जिससे आने वाले विधानसभा चुनाव में वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ओएसडी गीता चौबे, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डालसा ने मनाया विश्व योगा दिवस

बिभा संवाददाता

रांची : झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा, सुजित नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश तथा न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा, रांची, दिवाकर पांडे के मार्गदर्शन में जज कालोनी स्थित, मल्टिपर्पस हॉल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर न्यायायुक्त, रांची, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय एवं व्यवहार न्यायालय, रांची के सभी अपर न्यायायुक्त एवं न्यायिक दण्डाधिकारी तथा व्यवहार न्यायालय, रांची के कर्मचारी योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लिये।

ज्ञात हो कि आज का यह योग कार्यक्रम स्वयं एवं समाज के लिए योग विषय पर आधारित था। योग प्रशिक्षक के रूप में सत्यानंद योग मिशन के प्रशिक्षक उपस्थित थे। उन्होंने ने सभी को योगाभ्यास कराया एवं कहा कि योग करना फायदेमंद हैं, योग से कई रोगों को भगाया जा सकता हैं, इम्यूनिटी को बढ़ाया भी जा सकता है। नित्य योग करने से शरीर में एक नई उर्जा प्रवाहित होती हैं और हम सभी स्वस्थ रहते हैं। इस अवसर रेलवे कोर्ट के कर्मचारी एवं अन्य लोगों ने योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लेकर योग प्रैक्टिस किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के पीएलवी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपने-अपने प्रखंड के विधिक सहायता केंद्र एवं लिगल लिट्रेसी क्लब में भी योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित कर छात्र-छात्राओं व लोगों को योग कराकर योग के लाभ के बारे में बताया गया। उक्त कार्यक्रम में माण्डर, कांके, रिनपास, सी.आई.पी. रामकृष्ण मिशन, तमाड़, बेड़ों व कांके समेत सभी विधिक सहायता केंद्र में योगाभ्यास कार्यक्रम किया गया।

अनाधिकृत उपयोग की जा रही हरमू हाउसिंग कॉलोनी की जमीन का आवंटन रद्द हो : बंधु तिर्की

बिभा संवाददाता

रांची : पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश काग्रिस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि राजधानी की अति महत्वपूर्ण हरमू हाउसिंग कॉलोनी की जिस जमीन के आवंटन का उद्देश्य केवल आवासीय उपयोग है वहाँ यदि किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यालय चलाया जा रहा है या व्यावसायिक अथवा औद्योगिक उपयोग किया जा रहा है तो उसका आवंटन अविलंब रद्द कर वहाँ के निर्माण कार्य को ध्वस्त किया जाना चाहिये. साथ ही नये सिरे से वैसे भूखण्डो का आवंटन किया जाना चाहिये.

श्री तिर्की ने कहा कि यह बहुत अफसोस की बात है कि आदिवासियों और मूलवासियों की जिस जमीन को अधिग्रहित कर उसे आवासीय उद्देश्य से लाभुकों को आवंटित किया गया था उसका व्यावसायिक एवं औद्योगिक उद्देश्य से उपयोग किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि यदि मामला इतने पर ही सीमित होता तो एक बात थी लेकिन भारतीय जनता पार्टी जैसे राजनीतिक दल का प्रदेश कार्यालय भी वैसे ही एक आवासीय भूखंड पर अवस्थित है और यह दुर्भाग्य की बात है.

श्री तिर्की ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश कार्यालय ही उसकी नैतिकता, आदर्श और तथाकथित उच्च मापदंडों की धज्जी उड़ाने वाला है क्योंकि वह कार्यालय जिस भूखंड पर अवस्थित है उसे हरमू हाउसिंग कॉलोनी द्वारा आवासीय उद्देश्य से आर्वटित किया गया था लेकिन जिस व्यक्ति को उक्त जमीन दिया गया था उसने उसे भारतीय जनता पार्टी को बेच दिया और बेचने से पूर्व झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड की अनुमति भी नहीं ली गयी. श्री तिर्की ने कहा कि झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय पासवान द्वारा की गयी वह कार्रवाई बिल्कुल उचित है जिसमें भाजपा को इस सम्बन्ध में नोटिस जारी किया गया है.

श्री तिर्की ने कहा कि विशेषतः जब से झारखण्ड का गठन हुआ है तब से विशेष रूप से बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों ने जमीन की खरीद बिक्री के नाम पर अपना अपना वैसा खुला खेल किया है जो झारखण्ड के हित और यहाँ के आदिवासियों एवं मूलवासियों के खिलाफ है. आदिवासियों और मूलवासियों के हाथ से जमीन लुटती जा रही है और वे विस्थापन एवं पलायन के लिए विवश हैं. जबकि दूसरी ओर स्थिति यह है कि अधिकृत रूप से झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड के हरमू हाउसिंग कॉलोनी में जिन्हें आवासीय उद्देश्य से जमीन आर्वटित किया गया उनमें से अधिकांश लोग अपनी जमीन का आवासीय के अलावा अन्य उपयोग कर रहे हैं और यह झारखण्ड के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है.

एनटीपीसी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

बिभा संवाददाता

रांची : एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय/एनएमएल, रांची में 21 जून, 2024 को ह्स्वयं और समाज के लिए योगह्व थीम पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बहुत उत्साह के साथ मनाया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री शिवम श्रीवास्तव, निदेशक (ईंधन), एनटीपीसी लिमिटेड और अध्यक्ष, एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) और श्री अनिमेष जैन, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (कोयला खनन) और सीईओ, एनएमएल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

योग दिवस समारोह के एक हिस्से के रूप में, एनटीपीसी लिमिटेड के निदेशक (ईंधन) के नेतृत्व में कर्मचारियों ने योग सत्र में भाग लिया। योग गुरु, श्रीमती रेणु पांडे द्वारा योग प्रोटोकॉल के अनुसार योग सत्र का संचालन किया गया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए निदेशक (ईंधन) श्री श्रीवास्तव ने कहा, ₹हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदी द्वारा योग को अब विश्वव्यापी मान्यता मिल गई है और इसे नियमित अभ्यास से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए निवारक दवा के रूप में माना जाता है।₹ उन्होंने कहा, ₹योग लाभकारी है और हमें फिट रखने में मदद करता है, यह सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया गया है और हमें योग का अभ्यास करना चाहिए ।

इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (कोयला खनन) श्री जैन ने कहा कि ह्आमतौर पर हम योग करने का इरादा रखते हैं, लेकिन व्यस्त जीवनशैली के कारण हम इसे दरकिनार कर देते हैं, लेकिन योग हमारे जीवन का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि यह शारीरिक और मानसिक लाभ को बढ़ाता है। उन्होंने योग सत्र के आयोजन के लिए मानव संसाधन टीम को धन्यवाद दिया, जो रिफ्रेशर कोर्स के रूप में कार्य करता था और कर्मचारियों को उनकी भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर श्री नवीन जैन, मुख्य महाप्रबंधक, सीएंडएम, श्री रजनीश रस्तोगी, मानव संसाधन, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में योग दिवस मनाने के लिए उपस्थित थे।

प्रशासनिक स्टाफ की कमी के बावजूद मरीजों को बेहतर सुविधा देना प्राथमिकता : रिम्स निदेशक

बिभा संवाददाता

रांची। रिम्स निदेशक प्रो (डॉ) राज कुमार ने कहा कि रिम्स में डॉक्टर और नर्स से लेकर प्रशासनिक स्टाफ की कमी के बावजूद व्यवस्था को सुधारने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। मरीजों को बेहतर सुविधा देना प्राथमिकता है। इमरजेंसी को दुरुस्त करना और अतिक्रमण हटाना जरूरी है।

रिम्स निदेशक ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि ट्रामा सेंटर के पास अतिक्रमण की वजह से एम्बुलेंस को काफी समय लग जाता है। इसलिए रिम्स परिसर व रिम्स की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करना अतिमहत्वपूर्ण है। मरीजों को सभी दवाएं उपलब्ध कराने और जांच की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए प्रबंधन प्रयासरत है। रिम्स में ऐसी प्रणाली विकसित की जा रही है, जहां सब कुछ सुव्यवस्थित हो।

निदेशक ने कहा कि सरकारी व्यवस्था में फाइलों के जरिए कार्य होता है, जिसमें समय लगता है लेकिन वर्त्तमान में किये जा रहे कार्यो के परिणाम अगले 6 -8 महीने में दिखेंगे। डॉ राज कुमार ने बताया कि रिम्स कार्यकारिणी समिति में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं, जिन्हें शासी परिषद् के समक्ष पारित कराने के लिए प्रस्तुत किया जायेगा। नौ जुलाई को रिम्स शासी परिषद् की बैठक होगी।

निदेशक ने कहा कि आचार संहिता की वजह से कई महत्वपूर्ण निर्णयों का निष्पादन नहीं हो पाया है। साथ ही शासी परिषद् की बैठक एक साल से नहीं होने के कारण कई अहम फैसले लंबित है। नौ जुलाई को शासी परिषद् की बैठक के लिए लगभग 35 कार्यसूची तैयार की गयी है। उम्मीद है कि बैठक में निर्णय पश्चात लंबित कार्यों में गति आएगी।

निदेशक ने कहा कि उन्हें मरीजों के साथ डॉक्टरों की समस्याओं की भी जानकारी है। इसलिए इन समस्याओं के निदान के लिए उन्होंने सरकार में उच्च अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें इस सम्बन्ध में अवगत कराया है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि रिम्स के नए ओपीडी कैंपस के निर्माण के लिए कई दौर की बैठक हो चुकी है और टेंडर की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी।

सीएमपीडीआई में योग दिवस मनाया गया

बिभा संवाददाता

रांची : सीएमपीडीआई के रबीन्द्र भवन में संस्थान के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-24 का विधिवत उद्घाटन किया। सीएमपीडीआई (मुख्यालय) और इसके सभी क्षेत्रीय संस्थानों में स्वयं और समाज के लिए योग थीम के साथ योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक शंकर नागाचारी, निदेशक अजय कुमार, निदेशक अच्युत घटक, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण, सीएमपीडीआई के कर्मी एवं उनके परिवार के सदस्यों ने योग दिवस समारोह में भाग लिया और योग गुरू के मार्गदर्शन में योगाभ्यास किया।

इस अवसर पर श्री कुमार ने कहा कि सभी लोगों को योगाभ्यास को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए और कर्मियों को तनाव कम करने, तरोताजा एवं तंदुरूस्त रहने के लिए वाई-ब्रेक (योग-ब्रेक) प्रोटोकाल का पालन करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त सीएमपीडीआई (मुख्यालय) में अपराह्न बेला में महिला कर्मियों एवं सीएमपीडीआई परिवार के महिला सदस्यों के लिए योग के साथ कल्याण विषयक आधे दिन का एक सत्र का भी आयोजन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन सोसाइटी ने किया रोजगार मेला का आयोजन

बोकारो(बिभा) : झारखंड सरकार के झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन सोसाइटी के द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सारथी योजना के प्रशिक्षण प्रदाता माउसिक मेगा बोकारो सेंटर कौशल विकास केंद्र बोकारो के द्वारा स्टार एलुमनी मीट प्रोग्राम और रोजर मेला संचालित किया गया। इस प्रोग्राम में प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया इस प्रोग्राम में मुख्य अतिथि परवीन कुमार, डिस्ट्रिक्ट स्किल ऑफिसर और संतोष कुमार के रूप में ने भाग लिया और उन्होंने मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत युवाओं को प्रशिक्षण के बाद जॉब पर जाने के लिए प्रेरित किया और इस प्रोग्राम में स्टार एल्यूमिनी मीरा कुमारी प्रशिक्षण प्राप्त कर पिछले 2 वर्ष 6 महीनों से कार्यरत हैं। इन प्रशिक्षणार्थी को संभावित मौसिक के द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मासिक के केंद्र संरक्षक श्री नितिन गौतम एवं केंद्र प्रबंधक श्री अरूण नायक, खुर्सिद आलम एवं केंद्र में कार्यरत सभी कर्मचारी एवं ट्रेनर की विशेष सहभागिता रही ।

मिथिला अकैडमी ने मनाया विश्व योग दिवस

बोकारो (बिभा): मिथिला अकैडमी पब्लिक स्कूल सेक्टर 4/ई के सभागार में विश्व योग दिवस मनाया गया। प्रातः बेला से ध्यान कार्यक्रम की पहली गतिविधि थी।इस पल में शिक्षकों और छात्रों दोनों ने भाग लिया। सभागार में शरीर के सजीवन के लिए योग के मूल्य पर चर्चा की गई । अनेक विद्यार्थियों ने प्रभावशाली योग्य अभ्यास करके शरीर को स्वस्थ एवं दिमागी नियंत्रण रखने की प्रेरणा दी। विद्यालय के खेल प्रशिक्षक शिक्षक नईम अंसारी एवं शिक्षिका रीता कुमारी ने बच्चों को उनके जीवन शैली में योग को शामिल करने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान काल में लोग अपने आप को कैसे ऊजार्वान रखें और एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली बनाएं यह रोजाना योग करने से ही संभव है। सचिव श्री प्रमोद कुमार झा चंदन एवं प्राचार्य श्री अशोक कुमार पाठक ने कहा कि आजकल के भाग दौड़ वाले समय में योग करना अत्यंत आवश्यक हो गया है । उससे अनेक प्रकार की मानसिक एवं शारीरिक लाभ मिलता है एवं शरीर में रोग से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि होती है । योग ही एक ऐसा माध्यम है जिससे शरीर के सामंजस्य को ठीक रखा जा सकता है।

बीएसएल ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

बोकारो(बिभा) : अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को बोकारो क्लब परिसर में बीएसएल द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ एवं अतिरिक्त प्रभार सामग्री प्रबंधन) श्री चित्त रंजन मोहापात्रा, अधिशासी निदेशक (एच आर एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) श्री राजन प्रसाद, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बी बी करुणामय तथा बोकारो इस्पात संयंत्र के वरीय अधिशासी, कर्मचारी गण सहित उनके परिवार जनों के साथ बी.एस.एल. स्कूल के छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे. योग गुरू के तौर पर कार्यक्रम में योग केन्द्र, सेक्टर-4 बोकारो के श्री कृष्ण बंधु मिश्रा जी उपस्थित रहे. प्रारम्भ में निदेशक प्रभारी श्री तिवारी, अधिशासी निदेशकों तथा उपस्थित वरिष्ठ अधिकारीयों व योग गुरु द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई. कार्यक्रम में योग गुरू श्री मिश्रा ने प्रतिभागियों को योग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और विभिन्न प्रकार के प्रयोगात्मक आसन तथा प्राणायाम का प्रदर्शन किया. उपस्थित समूह ने योग गुरू के मार्गदर्शन में विभिन्न आसनों का अभ्यास किया और इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया. मुख्य कार्यक्रम के अलावा कोलियरीज डिविजन तथा बीएसएल. के अंतर्गत आने वाले झारखण्ड ग्रुप ऑफ माइंस में भी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें कर्मियों सहित उनके परिवार जनों ने हिस्सा लिया.

संत जेवियर विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना

बोकारो(बिभा) : आज की भागदौड़ से भरी इस जिन्दगी ने मनुष्य को इतना व्यस्त कर दिया है कि वह यह भी भूल गया है कि इस सारी भागदौड़ का वह तभी तक हिस्सेदार है, जब तक उसका शरीर स्वस्थ है । जो व्यक्ति अपने शरीर की उपेक्षा करता है , समझ लीजिए कि वह अपने लिए रोग , बुढ़ापा और मृत्यु के दरवाजे खोलता है । आज के समाज में जो भयानक रोग तथा महामारियाँ दिखाई देती हैं उनका एक प्रमुख कारण व्यक्ति का अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान न देना भी है। बोकारो इस्पात नगर स्थित संत जेवियर विद्यालय में 21 जून , दिन शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बहुत ही सुचारू रूप से किया गया। विद्यालय के आदरणीय प्राचार्य महोदय फादर अरुण मिंज , एस.जे. के संरक्षण में विद्यालय में योगाभ्यास किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। यह दिन उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीघार्यु बनाता है। 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली।

10 वें. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पुलिस लाइन मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

योग हमारी प्राचीन जीवन पद्धति है, योग से होता शारीरिक एवं मानसिक विकास : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में जिला आयुष समिति एवं जिला गंगा समिति द्वारा शुक्रवार को 10 वे. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव, पुलिस अधीक्षक श्री पूज्य प्रकाश, उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार, डीपीएलआर श्रीमती मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी, नेहरू युवा केंद्र के सदस्य, नमामि गंगे अंतर्गत जिला गंगा समिति के सदस्य, सिविल डिफेंस के सदस्य, विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय चास की बच्चियां, काफी संख्या में आमजनों ने योगाभ्यास किया।

मौके पर उपायुक्त श्रीमती विजयी जाधव ने कहा कि योग हमारी प्राचीन जीवन पद्धती है। वर्तमान समय में जीवन में योग का महत्व और बढ़ जाता है। योग करने से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित योग जरूरी है। उन्होंने जिलावासियों से योग को अपने जीवन शैली (लाइफ स्टाइल) में शामिल की बात कहीं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री पूज्य प्रकाश ने कहा कि स्वास्थ्य रहने के लिए योग आवश्यक है, वह स्वयं नियमित इसे करते हैं। उन्होंने आमजनों को अपने शरीर को तंदुरूस्त रखने के लिए योग को दिनचर्या में शामिल करने का अपील किया।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार ने कहा कि योग करने के कई फायदे हैं। योग का हमारे जीवन में काफी महत्व है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग जरूरी है। उन्होंने स्वयं योग करने एवं दूसरे को भी योग के लिए प्रेरित करने को कहा।

उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, डीपीएलआर, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी चास आदि ने जिला वासियों को दस वें. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

पुलिस लाइन मैदान में आयोजित जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम में काफी संख्या में में प्रशासनिक पदाधिकारी/कर्मी, विद्यालय के छात्र छात्राएं, पुलिस जवान, सीनियर सीटीजन, पुरूष महिला आदि ने योगाभ्यास किया। योगाभ्यास में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, डीडीसी के अलावा सिविल सर्जन डा. दिनेश कुमार, सिटी डीएसपी श्री आलोक रंजन, जिला जन संपर्क पदाधिकारी श्री साकेत कुमार पांडेय, जिला पशुपालन पदाधिकारी डा. मनोज मणि, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री जगरनाथ लोहरा, जिला खेल पदाधिकारी श्रीमती हेमलता बुन, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, नोडल पदाधिकारी श्री पंकज दूबे समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मी शामिल हुए। इस अवसर पर डीसी एसपी ने पुलिस लाइन मैदान परिसर में पौधरोपण भी किया।

डीपीएस बोकारो में कलात्मक योग प्रदर्शन से बच्चों ने किया अचंभित

शरीर, मन व आत्मा को जोड़ता है योग, विद्यार्थी रोज करें अभ्यास : डॉ. गंगवार

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सहयोग से शुक्रवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. ए एस गंगवार के नेतृत्व में विद्यार्थियों सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पूरे मनोयोग से योगाभ्यास किए। सीनियर इकाई में छात्र-छात्राओं ने सुंदर शास्त्रीय संगीत के बीच सूर्य नमस्कार की विभिन्न मुद्राओं के अलावा चक्रासन, धनुरासन सहित कई योगासनों की सुंदर सामूहिक प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की टोली ने भांति-भांति के आसनों के माध्यम से त्रिदेव- ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश का सुंदर स्वरूप तथा समुद्र मंथन का

मनोहारी योग-दृश्य प्रस्तुत किया। इस दौरान बच्चों के हाथ-पैर और पूरे शरीर की लचक देखते ही बन रही थी। विशेष रूप से छात्रा अनुष्का और किया कोरल ने मधुराष्टकम पर आधारित अद्वितीय योग-नृत्य प्रस्तुत कर सबकी भरपूर सराहना पाई। 180 डिग्री पर शरीर को मोड़ने की उनका कला ने सभी को अचंभित कर दिया। इस कलात्मक योग-प्रदर्शन के दौरान विद्यालय का पूरा अश्वघोष कला क्षेत्र तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। इधर, प्राइमरी इकाई में भी छात्र-छात्राओं ने विभिन्न आसनों का अभ्यास किया।

विद्यार्थियों के प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए प्राचार्य डॉ. गंगवार ने योग की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आदिदेव महादेव ने योग की शुरूआत की थी। शरीर, मन और आत्मा को एकसूत्र में पिरोने की यह विद्या हमारे ऋषि-मुनियों की देन रही है। हमारे देश की यह सनातन धरोहर आज पूरे विश्व के लिए अनुकरणीय बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की इस वर्ष की थीम - स्वयं एवं समाज के लिए योग - की चर्चा करते हुए डॉ. गंगवार ने बच्चों की शारीरिक स्फूर्ति और पढ़ाई में एकाग्रता के लिए उन्हें प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा योगाभ्यास करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर बच्चों ने योग पर आधारित अपने कार्ड व अन्य कलाकृतियां प्राचार्य को भेंट कीं। उनके द्वारा हाथों से तैयार की गई पत्रिका योगानुभूति का विमोचन भी किया गया।

इसके पूर्व, एक अलग सत्र में विद्यालय की फिजिकल एजुकेशन टीचर निभा कुमारी ने मुरली की मधुर तान के बीच शिक्षकों को भुजंगासन, वृक्षासन, शशांकासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। वहीं, लाफ्टर योगा का विशेष सत्र सभी के लिए काफी आनंददायक रहा।

डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

बिभा संवाददाता

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 बोकारो में 10 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विद्यार्थियो एवं शिक्षको ने काफी उत्साह से भाग दिया । इस अवसर पर सभी ने तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए नियमित योग करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रों एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बृज मोहन लाल दास ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी तथा बच्चों को योग की महता के बारे में बताया, उन्होंने कहा कि योग करने से बच्चे तनाव मुक्त रहते हैं और उन्हें जीवन में सफलता मिलती है। आज के असंतुलित जीवन शैली में योग का महत्व बहुत बढ़ गया है, क्योंकि हर जगह विभिन्न परीक्षा प्रतियोगिताएं हो रही है। जिससे बच्चे तनाव में रह रहे हैं। उनकी तनाव को दूर करने के लिए योग बहुत जरूरी है मौके पर विद्यालय के योग शिक्षक प्रशांत कुमार ने विभिन्न योग आसन , प्राणायाम, लोम- विलोम, मुद्रासन, ताड़ासन, वज्रासन, वक्रासन, कुक्कुडासन, धनुरासन, शीर्षासन आदि की प्रस्तुति की। बच्चों ने बहुत ही उत्साह से आसनों को किया। इस अवसर पर मंच संचालन शिक्षिका आभा कुमारी ने किया ।इस अवसर पर बाल शेखर झा, गौतम सिंह , राजेश स्वरूप नाथ, स्वाति, रूबी कुमारी, ज्योति वाला, रूबी यादव, नीलम झा, ममता कुमारी स्वाति, पुतुल मंडल सहित शिक्षक उपरस्थित थे।

चिन्मय विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मना

बिभा संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो में 10वॉ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस विद्यालय के तेजोमयानन्द सभागार में धूमधाम से मनाई गई। संगीत विभाग द्वारा योग पर आधारित गीत गाकर सभी का स्वागत किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा एवम शारिरिक शिक्षा विभाग द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कक्षा नवमी एवं दशवीं के साथ-साथ कक्षा प्रथम एवं द्वितीय के लगभग 700 विद्यार्थियों एवम 70 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाओं ने योग उत्सव में भाग में लिया।

वरीय शारिरिक शिक्षक हरिहर पांडेय ने सूर्यनमस्कार का प्रदर्शन किया एवं सभी को इसके महत्व को समझाया। वही प्रांजल सेकिया एवं संजीव कुमार ने सिरसासन, त्रिकोणासन, ताडासन ,बज्राशन ,भुजंगासन जैसे कई आसन एवम प्राणायाम का प्रदर्शन किया।

प्राचार्य सूरज शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही गर्व एवं धूम-धाम से मना रहा है। योग के माध्यम से हम खुद भी शारिरिक और मानसिक रूप से तो स्वस्थ रहेंगे ही साथ ही पूरा समाज स्वस्थ होगा। योग माध्यम से पूरे विश्व को शांति एवम सुखी होने का संदेश देते हैं। हम सभी को प्रत्येक दिन 30-50 मिनट योग अवश्य करनी चाहिए। योग हमारे स्वस्थ समाज का प्रतीक है। योगाम्यास बाल्यकाल से ही करनी चाहिए। इसके हमेशा साकारात्मक परिणाम होते है।

हरिहर पांडेय ने सभी को योग करने एवम योग करने के लिए प्रेरित किया एवं योग करने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने सभी को 10वीं अंतराष्ट्रीय दिवस पर संबोधित करते हुए कहा कि भारत के विश्व गुरु बनने का समय है।

इस दौरान उप-प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार, गोपाल चंद्र मुंशी, विकाश परिधारिया, रश्मि शुक्ला उपस्थित थे । रण विजय ओझा, ललिता उरांव, नितेश पांडेय, प्रवीण कुमार, विशाल मोर्या , आदर्श आचार्या और अन्य शिक्षकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में बहुमूल्य योगदान दिया। संजीव सिंह एवम प्रांजल सेकिया ने मंच एवम कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

डीवीसी चंद्रपुरा के फुटबॉल मदान में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग को दिनचर्या में शामिल कर लोग निरोग रहें : मनोज कुमार ठाकुर

बिभा संवाददाता

बोकारो : दामोदर घटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के फुटबॉल मैदान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डीवीसी के अधिकारियों , कर्मचारियों एवं अन्य कर्मियों, स्थानीय लोगों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज योगासन किया गया ।

इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान श्री मनोज कुमार ठाकुर ने कहा की चंद्रपुरा में योग कार्यक्रम निरंतर चलता है । लोगों को अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना जरूरी है। भारत में प्राचीन काल से ही योग किया जाता रहा है। लोग 365 दिन योग कर फिट दिवस मनाए । उन्होंने कहा कि चंद्रपुरा में मोहल्ला समिति के द्वारा भी

योग कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यहां के कई स्थानों पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में योग का कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा रहा है उन क्षेत्रो में भी मोहल्ला समित द्वारा योग कार्यक्रम का आयोजन आरंभ करने के लिए प्रेरित किया जाएगा ।योग प्रशिक्षक श्री श्याम देव प्रसाद और उनकी टीम के सदस्यों ने भारत सरकार के नियमानुसार लोगों को योग कराया। योग कार्यक्रम में लोगों ने खूब पसीना बहाया।

योग कार्यक्रम में वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री रामप्रवेश साह, श्री डीसी पाण्डेय, उप महा प्रबंधक श्री संजीव कुमार, श्री दीपक कुमार, श्री आर आर ओझा, दिलीप कुमार, उप समादेष्टा श्री नकुल वर्मा , अंचल अधिकारी एन के वर्मा, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री ईश्वर दयाल महतो , अजय कुमार, रविंद्रकुमार, राजीव ओझा, अरविंद कुमार, अक्षय कुमार, आदि उपस्थित थे।

पेटरवार में बालिका दुर्व्यपार के खिलाफ जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले के पेटरवार प्रखंड के चिपुदग स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में सहयोगिनी संस्था द्वारा दुर्व्यपार तथा ट्रैफिकिंग के खिलाफ जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सभी को बालिका ट्रैफिकिंग के खिलाफ शपथ भी दिलाई गई।

सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि मानव व्यापार तथा बाल मजदूरी के खिलाफ सुरक्षित गांव बनाने को लेकर स्कूलों तथा गांवो में यह अभियान चलाया जा रहा है। इन सतत प्रयासों का उद्देश्य बच्चों की ट्रैफिकिंग और बाल श्रम के खिलाफ लोगों में जागरूकता के स्तर को बढ़ाना और इसकी बुराइयों से अवगत कराना है। यद्यपि पिछले एक दशक में देश में केंद्र और राज्य सरकारों ने बच्चों की ट्रैफिकिंग पर काबू पाने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं लेकिन आम लोगों में जागरूकता की कमी के कारण ये प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं।

कार्यक्रम के दौरान सहयोगिनी के समन्वयक रवि कुमार राय ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों सहित झारखंड में बच्चों की ट्रैफिकिंग को रोकना दशकों से एक बड़ी चुनौती है। यद्यपि सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर प्रयासों के कारण ट्रैफिकिंग के मामले दर्ज होने की संख्या बढ़ी है लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना शेष है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के 2021 के आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर घंटे नौ बच्चे लापता होते हैं, जबकि रोजाना आठ बच्चे ट्रैफिकिंग के शिकार होते हैं। रिपोर्ट बताती है कि 2021 में देश 77,535 बच्चे लापता हुए जो 2020 के मुकाबले 31 फीसद ज्यादा है। हमें अपने परिवार गांव को सुरक्षित रखना है तो हमें सचेत रहना होगा। उन्होंने कहा कि बाल व्यापार तथा बाल मजदूरी का यह तथ्य कि आज ज्यादा से ज्यादा लोग बच्चों के लापता होने की जानकारी देने सामने आ रहे हैं, अपने आप में एक बड़ा बदलाव है। यह इस बात का संकेत है कि जमीनी स्तर पर घर-घर जाकर हमने जो जागरूकता अभियान चलाया है, उससे लोगों की मानसिकता बदली है और सुखद नतीजे सामने आ रहे हैं । हालांकि सरकारें और कानून प्रवर्तन एजेंसियां पूरी मुस्तैदी से बच्चों की ट्रैफिकिंग रोकने के प्रयासों में जुटी हुई हैं लेकिन इस संगठित अपराध को देश से पूरी तरह खत्म करने के लिए एक कड़े एंटी-ट्रैफिकिंग कानून की सख्त जरूरत है ।

इस दौरान कॉमिक्स बुक्स के माध्यम से बच्चों को बाल तस्करी के बारे में जानकारी दी गई । कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानाध्यापक साकेत कुमार, सहायक शिक्षक रंजन कुमार ,गौतम कुमार सिन्हा , गौरी शंकर महतो, नूपुर कुमारी, आंगनवाड़ी सहायिका प्रियंका देवी, सेविका किरण कुमारी , समाजसेवी अमित कुमार महतो , अनिल कुमार , राकेश कुमार पंचायत समिति सदस्य कौसर हासमी आदि उपस्थित थे ।

झारखंड सशस्त्र पुलिस परिसर में योग शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखंड सशस्त्र पुलिस 4, बोकारो बहिनी परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भाई योग शिविर का आयोजन किया गया। योग दिवस के अवसर पर झा.स.पु 4, बोकारो एवं राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों द्वारा संयुक्त रूप से योग शिविर में भाग लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री मुकेश कुमार (भा.पु.से.) समादेष्टा, राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल सा झारखंड सशस्त्र पुलिस 4, बोकारो द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम के संबोधन में उनके द्वारा बताया गया कि योग का हमारे जीवन में काफी महत्वता है एवं प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हुए अपने दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ आत्मा का वास रहता है अगर हमारा शरीर स्वस्थ रहेगा तो कठिन परिस्थितियों भी समाज के लिए हम बेहतर कर पाएंगे। इसलिए हम सभी को प्रतिदिन योग करना चाहिए। इस वाहिनी में सभी कर्मियों को प्रतिदिन प्रातः योग कराया जाता है जिससे सभी कर्मियों को काफी लाभ हुआ है मुख्य अतिथि द्वारयोग शिक्षा का पूनम तिवारी की भी प्रशंसा की गई। इस अवसर पर प्रभोस्ट अ.नी.स रामभवन सिंह, अ.नी.स संतोष कुमार राम,लेखोत्तरीन लिपिक जयंत कुमार, आरक्षी ओमप्रकाश राय,झारखंड पुलिस एसोसिएशन, झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन एवं चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी संघ के सभी पदाधिकारी गण के साथ-साथ झारखंड सशस्त्र पुलिस 4 बोकारो एवं राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के लगभग 200 की संख्या में पुलिस पदाधिकारी कर्मी योग शिविर में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

योग केवल क्रिया या कार्यक्रम मात्र नहीं बल्कि योग शरीर को स्वस्थ करने का एक माध्यम : नीलकंठ

खूँटी (बिभा)। जिले के भाजपा कार्यालय में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह खूँटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा की उपस्थिति में भाजपा कार्यकताओं ने योगाभ्यास किया। जिसमें द्रुतगति योग, आसन प्राणायाम व कई प्रकार के योग किया गया। इस मौके पर नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा योग को विश्व योग दिवस घोषित करके विश्व भर में फैलाने का काम किया। उन्होंने कहा कि योग केवल क्रिया या कार्यक्रम मात्र नहीं है बल्कि योग शरीर को स्वस्थ करने का एक माध्यम भी है। उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न मंडलों में भाजपा के कार्यकताओं ने योग अभ्यास किया। वहीं भाजपा जिला कार्यालय में योग कार्यक्रम के उपरांत चना शर्बत केला आदि वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के जिलाध्यक्ष जिला उपाध्यक्ष महामंत्री, कार्यसमिति सदस्य व नगर व ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष, सोशल मिडिया प्रभारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दियांकेल में सांसद कालीचरण मुंडा को ग्रामीणों ने किया स्वागत

तोरपा(बिभा) । प्रखण्ड क्षेत्र के दियांकेल में खूँटी लोकसभा सीट के नवनिर्वाचित संसद सदस्य कालीचरण मुंडा का स्वागत पारम्परिक तरीके से हातु सभा के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश तोपनो की अगुवाई में माला पहनाकर किया गया। मौके पर कालीचरण मुंडा दियांकेल सहित विभिन्न गाँव से पहुँचे सैकड़ों महिला पुरुष संग स्थानीय संस्कृति में जमकर थिरके। मौके पर प्रखंड प्रमुख रोहित सुरीन, अनसेलेम भेगरा, अजीत तोपनो, लेतारेम तोपनो, आनंद तोपनो, दीपक तोपनो, अमित तोपनो, प्रभु सहाय तोपनो,पुनीत हेमराम सलमोन गुड़िया, एमन तोपनो, रोजलीन आइन्द, सालिनी आइन्द आदि उपस्थित थे।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास

खूँटी (बिभा)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालय के विद्यार्थियों व शिक्षक शिक्षिकाओं ने दसवें विश्व योग दिवस की मौके पर योग अभ्यास किया। इस दौरान कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कलामाटी, उत्क्रमित उच्च विद्यालय घाघरा, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय खूँटी, केशव माधव बाल आश्रम कुंजला, एवं विभिन्न गाँवो के विद्यालयों में योगाभ्यास कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर शिक्षक सिकों द्वारा विद्यार्थियों को योग और आसन के लाभ बतलाए गये।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

खूँटी(बिभा) । जिले के नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हर साल 21 जून को मनाया जाता है और इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के बीच योग की प्रचार-प्रसार करना है, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हो सके। शिक्षिका ईवा धान ने छात्रों को योग के महत्व के बारे में जागरूक किया और बताया कि योग का नियमित अभ्यास शारीरिक लचीलापन और ताकत को बढ़ाता है, साथ ही मानसिक शांति और तनाव को कम करता है। इस दौरान विभिन्न योग आसनों और प्राणायाम के महत्व पर विस्तार से बताया गया। छात्र उत्साहित होकर शिक्षकों के प्रेरणा से विभिन्न योग आसनों जैसे ताड़ासन, भुजंगासन और वृक्षासन में शामिल हुए। जिसमें सही रूप से लगन और श्वास प्रणाली पर जोर दिया गया। शिक्षकों ने छात्रों को मन से अध्ययन करने और श्वास और शरीर की अनुभूतियों पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में शिक्षिका अर्चना कुमारी, नेहा कुमारी, गणेश कुमार इत्यादि भी शामिल थे। यह जानकारी आर्चरी कोच आशीष कुमार ने दी।

मादक पदार्थों के दुरूपयोग पर रोक को लेकर 26 जून तक चलेगा अभियान

खूँटी(बिभा) । मादक पदार्थों के दुरूपयोग पर रोक को लेकर 19 जून से 26 जून 2024 तक जिले के विभिन्न ग्रामों में जिला समाज कल्याण विभाग, खूंटी द्वारा जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। आमजनों के बीच जागरूकता को लेकर राज्य सरकार ने 19 जून से 26 जून 2024 तक जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसके साथ ही सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय द्वारा संचालित जागरूकता वाहन के माध्यम से सभी प्रखंडों का भ्रमण कर आमजनों को मादक पदार्थों को छोड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में हम सब का एक ही नारा नशा मुक्त जीवन हो हमारा...की बात कहीं गई। सबों को नशा मुक्त जीवन जीने की अपील किया। साथ ही नशा मुक्ति का संकल्प लिया गया।

अंतर्राज्यीय बैटरी चोर गिरोह का खुलासा, एक गिरफ्तार

राज्य के कई जिलों से मोबाइल टावर की बैटरी चुराने की घटना को अंजाम दे चुका है यह गिरोह

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय मोबाईल टावर बैटरी चोर गिरोह का उद्भेदन करने में सफलता पाया है। हालांकि अभी भी इस गिरोह के कई संलिप्त लोग पकड़ से बाहर हैं। जिसमें से मास्टर माइंड लोगों में से एक को धर दबोचा है। जो कई लोगों के साथ मिलकर तमाड़, अनिगड़ा, चान्हो, नामकुम मांडर, कोलेबिरा, बेड़ो, भंडरा, कुरुडेग, कैरो क्षेत्र में मोबाईल टावर के बैटरी समेत कई तरह के घटना पर संलिप्त हैं । जिसपर पुलिस उद्भेदन भी साथ साथ कर रही है। जिसकी निशानदेही पर एक कबाड़ी दुकान से चालीस बैटरी भी बरामद किया है। हालांकि कबाड़ी वाले को पकड़ा नहीं जा सका है। कि चोरी का बैटरी उसके पास मिला तो कहीं सरगना के सहयोगी तो नहीं। इस मामले पर भी छानबीन की जा रही है। तोरपा डीएसपी खीस्टोफर केर-केट्टा ने शुक्रवार को कर्रा थाना में प्रेस वार्ता में बताया कि 20 जून को पुलिस अधीक्षक खूँटी को गुप्त सूचना मिली कि मोबाइल टावर से बैटरी चोरी करने वाले गिरोह क्षेत्र में किसी घटना को अंजाम देने के लिए भ्रमणशील है जिस पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए डीएसपी तोरपा क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया जिसके द्वारा रात 8:00 बजे कुलहुद्दू बस्ती के पास बैरिकेटिंग लगाकर वाहन की जाँच की जा रही थी। इस बीच राँची की ओर जा रही नीला रंग का मारुति वैन को सशस्त्र बल के द्वारा रोकने का इशारा किया गया। पुलिस को देख वैन तेजी से मोड़कर वापस राँची की ओर भागने लगा सशस्त्र बल की सहायता से उनका पीछा कर कुलहुद्दू जंगल के पास वैन खड़ा कर उसमें सवार लोग भागने लगे जिसमें एक को पकड़ा गया। बाकि 4 से 5 लोग अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग निकले। पकड़े गए व्यक्ति से पूछने पर उसने अपना नाम जाकिर अंसारी पिता मुस्तकीम अंसारी पुटकल टोली हाजी चौक रातू थाना बताया। वैन की जाँच करने पर मारुति वैन से वायर कटर पेचकस रेंच जैसे सामान बरामद किया गया है। पकड़े गए व्यक्ति के निशान देही पर पुटकल टोली हाजी चौक स्थित अभियुक्त के कबाड़ी गोदाम से विभिन्न टावर से चोरी किए गए 40 पीस बैट्री बरामद किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी से पूछने पर बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यो की पहचान हो चुकी है बहुत जल्द उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिसके लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। अपराधी के पास से चोरी का एक मारुती वैन, 40 पीस मोबाइल टावर की चोरी की बैटरी, दो वायर कटर, पांच गोटी रिंच,और दो पेचकस बरामद किया गया. वही अंतरराज्यीय मोबाईल टावर बैटरी चोर गिरोह के खिलाफ खूँटी, कर्रा, तोरपा, जरिया गढ़ व मारंगहादा थाना में दर्जनों केस दर्ज है यह गिरोह खूँटी जिला के साथ राँची, गुमला सहित अन्य जिलों में मोबाईल टावर से बेट्री चोरी कि घटना को अंजाम दे चुके हैं और मारूती वैन भी चोरी करके चोरी की घटना को अंजाम देते हैं इसके पूर्व भी जरिया गढ़ थाना क्षेत्र में चोरी करते समय पुलिस को देखकर सफेद रंग का एक मारूति वैन छोड़कर भाग गये थे। चोरी कि बैट्री कबाड़ी दुकान में इकट्ठा कर-के पश्चिम बंगाल के कलकत्ता व अन्य शहरों में भारी दमोह पर बेचा करते है। सभी अपराध अपराधी जाकिर अंसारी ने अपने बयान में पुलिस को दिया है खूँटी पुलिस ने बैट्री चोरी गिरोह का पदार्फाश कर-के बड़ी कामयाबी अपने नाम किया है।

छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तोरपा क्रिस्टोफर केर-केट्टा, पुलिस निरीक्षक तोरपा अशोक कुमार सिंह, थाना प्रभारी कर्रा जितेंद्र कुमार, थाना प्रभारी तोरपा प्रभात रंजन पांडे, थाना प्रभारी जरियागढ़ आदित्य कमार, पुअनी जुगेश सिंह, रिजर्व गार्ड के गौतम कुमार, प्रवीण कुमार एवं रघु बड़ाइक शामिल थे।

कृषि विज्ञान केंद्र में किसान सम्मान समारोह का आयोजन

पैदावार बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक तरीके से उन्नत खेती करना आवश्यक : कालीचरण

बिभा संवाददाता

खूँटी । कृषि विज्ञान केंद्र, तोरपा में गुरुवार को किसान सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संसद सदस्य कालीचरण मुंडा शामिल हुए। इससे पूर्व उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र का निरीक्षण कर वहाँ किए जा रहे कार्यों की विस्तार पूर्वक जानकारी ली।

किसानों को संबोधित करते हुए सांसद ने किसानों से आह्वान किया कि वे पैदावार बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक तरीके से उन्नत खेती करना आवश्यक है। उन्होंने किसानों से लाह की खेती जोर-शोर से करने का आह्वान किया। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष सह वैज्ञानिक डॉ दीपक राय से कहा कि वे अपनी टीम को गाँव-गाँव में भेजकर यहां की जा रही खेती की जानकारी लें और किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रशिक्षण दें। आवश्यक रूप से उन्होंने मिट्टी जांच पर जोर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ दीपक राय ने अपने संबोधन में कहा कि खूंटी में कृषि के क्षेत्र में किसानों को तेजी से नई-नई जानकारियां दी जा रही है। केंद्र किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने केंद्र के कामों के बारे में विस्तृत जानकारी किसानों को दी व लाख की खेती के बारे में विस्तार से बात की।

किसानों के बीच वितरित किया कृषि संयत्र

मौके पर सांसद ने प्रगतिशील किसान फिलिप मडकी, मेरी कोनगड़ी तथा जगत ज्योति महिला समूह को गटूर स्प्रेयर मशीन देकर पुरस्कृत किया गया, जो अपने क्षेत्र चाहे लाख उत्पादन का हो या कृषि के विभिन्न क्षेत्र में, इसका उपयोग कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में केंद्र के डॉ राजन चौधरी, बृजराज शर्मा, प्रदीप कुमार, ओम प्रकाश, आशुतोष प्रभात एवं किसान शामिल हुए।

जिले में 10 हजार से अधिक लोगों ने किया योगाभ्यास

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिलेभर के 10 हजार से अधिक लोगों ने शुक्रवार सुबह योगाभ्यास करके 10वें विश्व योग दिवस मनाया। इस मौके पर जिले के सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी योगाभ्यास किया। वहीं छोटे बड़े महिला पुरुष सभी ने अलग अलग जगहों में कार्यक्रम आयोजित कर-के सामुहिक योग कार्यक्रम किया। इस मौके पर सभी प्रखंडों में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में भी छात्राओं ने योग्य अभ्यास की। कर्रा कस्तूरबा वहीं इस अवसर को सार्थक बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आरम्भित विश्व योग दिवस को भाजपा कार्यकताओं ने योग करके अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं खूँटी के विभिन्न मण्डलों में कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रियंका कुमारी ने बताया कि ताड़ासन वज्रासन सहित कई प्रकार के योग किये। युग का अभ्यास करके काफी मजा आया। सुनीता कुमारी ने बताया कि कई दिनों से विश्व योग दिवस का इंतजार था और आज विश्व योग दिवस आ गया और काफी खुश हैं कि हम लोग एक साथ मिलकर के युग का अभ्यास करें यही नहीं बल्कि प्रत्येक दिन हम सभी को निरोग रहने के लिए योग करना जरूरी है। योगाभ्यास कर रहे निमित्त महतो ने बताया कि विश्व योग दिवस के मौके पर वृक्षासन हलासन भ्रामरी सहित कई प्रकार के योग किया और योग करके आनंद भी आया।

प्रतिदिन करें योग शरीर को रखें निरोग : जी के किड़ो

बिभा संवाददाता

खूँटी । 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बिरसा कॉलेज खूँटी में नेहरू युवा केंद्र राँची और राष्ट्रीय सेवा योजना बिरसा कॉलेज खूँटी के संयुक्त तत्वावधान में योग दिवस मनाया गया। जिसमें योग प्रशिक्षक डा. सुधांशु शर्मा के द्वारा कॉलेज के विद्यार्थियों एवम् शिक्षकों को योग का प्रशिक्षण दिया गया। समारोह का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. जी के किड़ो के द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि योग शरीर और मन मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के लिए कारगर होता है। शरीर को स्वस्थ रखने व रोग भगाने के लिए एक रासायनिक प्रक्रिया से उपचार हो सकती है लेकिन योग से शरीर प्राकृतिक रुप से शरीर को स्वस्थ करता है। योग को कार्यक्रम के रुप में नहीं बल्कि प्रतिदिन करना आवश्यक है। योग कहीं भी कभी भी कर सकते हैं। लेकिन उसका जानकारी होना आवश्यक है। इस समारोह में डा. पुष्पा सुरीन, प्रो. तारीफ लुगन , राज कुमार गुप्ता डा. सुशील रंजन , डा. अस्मृता महतो डा. प्रियंका , डा. मंजूषा पूर्ति , प्रकाश प्रामाणिक इत्यादि उपस्थित थे।

मादक पदार्थों के विरूद्ध जागरूकता अभियानः

बिरसा कालेज खूँटी में छात्र छात्राओं के बीच मादक पदार्थों के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रभारी प्राचार्या प्रो जी किड़ो ने उन्हें नशा से दूर रहने एवं लोगों को भी समझाने को कहा। प्रोग्राम आफिसर डा पुष्पा सुरीन ने नशापान से होने वाले विभिन्न बीमारियों के बारे जानकारी दी। प्रोग्राम में छात्र छात्राओं के अलावा सभी शिक्षक शिक्षिकाएँ उपस्थित थे।

बिरसा महाविद्यालय एस्ट्रो टर्फ मैदान में किया गया विश्व योग दिवस कार्यक्रम

स्वस्थ्य, तनावमुक्त एवं अनुशासित जीवन के लिए योग अत्यंत महत्वपूर्ण है :उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूंटी : दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 को प्रातः 6 बजे से खूंटी के बिरसा कॉलेज हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त लोकेश मिश्रा पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान, बीडीओ ज्योति कुमारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में सीआरपीएफ 94 बटालियन, प्रशासनिक पदाधिकारी, अस्पताल कर्मी , आम जन व विद्यार्थियों ने सामुहिक योगाभ्यास किये।

योग प्रशिक्षक उपेंद्र नारायण सिंह एवं नमित नाग द्वारा विशाल जनमानस को योग के विभिन्न आसानों का अभ्यास कराया गया।

इस दौरान उपायुक्त ने बताया कि बताया कि स्वस्थ्य जीवन में योग आवश्यक है। योग से न सिर्फ स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। प्राणायाम व अन्य योगासन के माध्यम से नाक, गला आदि को पूर्णतया स्वच्छ रख सकते हैं।

स्वस्थ्य, तनावमुक्त एवं अनुशासित जीवन के लिए योग अत्यंत महत्वपूर्ण है। योग हमारी शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक विकास और स्वास्थ्य का एक प्रमुख साधन है।

इस योग दिवस के अवसर पर आइये हम सब मिलकर अपने जीवन में नियमित रूप से योग को अपनायें और स्वस्थ जीवन की रचना करें।

इस सामुहिक योगाभ्यास में एस्ट्रो टर्फ मैदान में पानी रहने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा लेकिन खुशियां इतनी थी कि भींगे एस्ट्रो पर ही लोग बैठकर व सोकर योग किया। जबकि चटाई दिया गया था पर कुछ ही लोगों को चटाई मिल पाया। जबकि सीआरपीएफ ने स्वयं ही अपने लिए दरी की व्यवस्था किये थे। इधर, विद्यार्थियों व आमजनों को टी-शर्ट नहीं मिलने से लोग काफी दुखित मन में थे। इस समस्त कार्यक्रम के आयोजन में जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ चंद्रशेखर प्रसाद, कार्यालय के कर्मचारी तौकीर अहमद, शाहिद अख्तर, आयुष समुदायिक स्वस्थ्य पदाधिकारी बेबी कुमारी का अहम भूमिका रही।

योग प्रशिक्षक द्वारा विभिन्न लाभकारी योगासन का अभ्यास

मौके पर योग प्रशिक्षक द्वारा विभिन्न लाभकारी योगासन किये गए व इनकी महत्ता से अवगत कराया गया। इस दौरान बताया गया कि योग हमारे जीवन से जुड़े भौतिक, मानसिक, भावनात्मक, आत्मिक और आध्यात्मिक, आदि सभी पहलुओं पर काम करता है। योग का अर्थ एकता या जुड़ना है। इस दौरान योग के कई लाभकारी आसन यथा खलासन, हलासन, वृक्षासन, उष्टासन व वज्रासन आदि आसन किये गए। एकता आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बँध, षट्कर्म और ध्यान के अभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किये गए।

लक्ष्मीनारायण उच्च विद्यालय में योग कार्यक्रम

खूँटी(बिभा) । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुरहू के लक्ष्मी नारायण उच्च विद्यालय परिसर में शुक्रवार को योगाभ्यास का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य प्रमोद सिंह, योग शिक्षिका श्वेता निशा कुमारी तथा योग प्रशिक्षक धर्मेंद्र नाथ तिवारी की अगुवाई में विद्यालय के छात्र-छात्राओं व आम जनमानस ने योग अभ्यास किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक वृंद सहित महेश चौधरी, सुरेश प्रसाद, राम बिहारी लाल, पवन साबू, अरविंद, अमित चौधरी आदि अनेक लोग उपस्थित हुए।

जरिया गढ़ में योग वेदांत सेवा समिति ने किया गीता भागवत सत्संग कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

खूँटी । जरियागढ़ में शुक्रवार को योग वेदांत सेवा समिति के द्वारा महावीर मिश्रा की अगुवाई में गीता भागवत सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रमा भाई ने आशाराम बापू के चित्र पर आरती उतारी व गुरुवर को नमन कर अपने मुखारविंद से भागवत कथा का वाचन कर आध्यात्मिक मार्ग अर्चन कराया। उन्होंने कहा कि स्वधर्मे निधनम् श्रेयम, परधर्म भयावहः। अपने धर्म में मर जाना अच्छा है किंतु दूसरों के धर्म हमेशा भयावह होता है । हमारा धर्म सत्य सनातन धर्म है। हमारे धर्म में मांस मदिरा भक्षण कहीं नहीं है। और बापूजी सभी को मांस मदिरा भाषण से मुक्त करते थे सन्मार्ग का ज्ञान देते थे। लोगों ने साजिश रची और फिर उन्हें कष्ट देना शुरू किया। ताकि उनके द्वारा सनातन धर्म की रक्षा हेतु उठाया गया कदम कमजोर पड़ जाए। बापू के द्वारा आज भी जनजातीय क्षेत्रों में प्रकल्प और विद्यालय चलाए जा रहे हैं। ताकि लोग अपने पुराने धर्म से भटके नहीं इसी ना बने किसी के लोग लालच में ना आवे मांस भक्षण ना करें शराब न पीएँ। और इस प्रकार योग वेदांत सेवा समिति के माध्यम से लोगों को लाभ मिल रहा है। इस मौके पर प्रवचन के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस भागवत सत्संग कार्यक्रम में जरिया गढ़ के अलावे विभिन्न क्षेत्रों से आये सैकड़ों लोगों ने इसका लाभ लिया। इसकी जानकारी सचिन पाढ़ी ने दी।

व्यवहार न्यायालय में डालसा की अगुवाई में मनाया गया योग दिवस

खूँटी(बिभा) । व्यवहार न्यायालय के 0 8 कोर्ट भवन में शुक्रवार सुबह 6:00 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग शिविर का आयोजन किया गया। उक्त योग शिविर का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेश कुमार के द्वारा एवं अन्य सभी न्यायिक पदाधिकारी द्वारा यह कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कोर्ट भवन के योग शिविर में सभी न्यायिक पदाधिकारी गण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेश कुमार समेत सम्मिलित होकर योग का लाभ प्राप्त किये। उपरोक्त जानकारी डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर के द्वारा दी गई।

सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना आज विश्व शांति के लिए आवश्यक है

प्रहलाद सबनानी

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है?

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रान्स एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं अब वे इन देशों की कानून व्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं।

आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अतः इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) - सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है।

इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज

एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व एवं ह्लसर्वे भवंतु सुखिनःह्व का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है।

इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो आत्मवत भूतेषु (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है, तो हमारे प्रति जो अनादर का भाव सर्वत्र दिखाई देता है, वह समाप्त हो जाएगा और संसार हमारी बात सुनेगा। हिंदू धर्म अनादि काल से यही करता आ रहा है और ऐसे पवित्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही संघ की शुरूआत हुई है।ह्व आजकल हिंदू समाज बहुत अव्यवस्थित हो गया है। संघ का एकमात्र उद्देश्य हिंदू समाज को इस तरह संगठित करना है कि हिंदू, हिंदुस्तान में गर्वित हिंदू के रूप में खड़े हो सकें और दुनिया को यह विश्वास दिला सकें कि हिंदू कोई ऐसी जाति नहीं है जो मरणासन्न अवस्था में हो। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। संघ का लक्ष्य मानव जाति में व्याप्त राक्षसी प्रवृत्ति को दूर करना और उसे मानवता सिखाना है। संघ का गठन किसी से घृणा करने या उसे नष्ट करने के लिए नहीं हुआ है।ह्व

हाल ही में जारी की गई प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में ह्यधार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी का देशभर में विश्लेषणह्व नामक विषय के माध्यम से बताया गया है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी 1950 और 2015 के बीच 7.82% घट गई है। जबकि मुस्लिमों की आबादी में 43.15% की वृद्धि हुई है। मुस्लिमों की 1950 में 9.84% रही आबादी 14.09% पर पहुंच गई है। ईसाई धर्म के लोगों की आबादी की हिस्सेदारी 2.24% से बढ़कर 2.36% हुई है। ठीक ऐसे ही सिख समुदाय की आबादी 1.24% से बढ़कर 1.85% हो गई है। भारत में सद्गुणों से ओतप्रोत हिंदू नागरिकों की जनसंख्या यदि इस प्रकार घटती रही तो यह भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम आबादी (जो कि अपने धर्म के प्रति एक कट्टर कौम मानी जाती है तथा अन्य धर्मों के लोगों के प्रति बिलकुल सहशुण नहीं है और वक्त आने पर अन्य समाज के नागरिकों का कत्लेआम करने में भी हिचकिचाते नहीं है) में बेतहाशा वृद्धि होना, पूरे विश्व के लिए एक अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है।

यह बात ध्यान रखने वाली है कि ईरान कभी आर्यों का अर्थात पारसियों का देश था। इराक, सऊदी अरब ,पश्चिम एशिया के समस्त मुस्लिम देश 1400 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को मानने वाले देश थे। तलवार के बल पर 57 देश इस्लाम को स्वीकार कर चुके हैं इनमें से कोई भी ऐसा देश नहीं है जो 1400 वर्ष पहले से अर्थात सनातन की भांति सृष्टि के प्रारंभ से मुस्लिम देश था। 1398 ईसवी में ईरान भारत से अलग हुआ, 1739 में नादिरशाह ने अफगानिस्तान को अपने लिए एक अलग रियासत के रूप में प्राप्त कर लिया, बाद में 1876 में यह एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आ गया,1937 में म्यांमार बर्मा अलग हुआ, 1911 में श्रीलंका अलग हुआ और 1904 में नेपाल अलग हुआ। सांप्रदायिक आधार पर देश विभाजन का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका इसके पश्चात 1947 में पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान देश बना। पूर्वी पाकिस्तान आज बांग्लादेश के रूप में मानचित्र पर उपलब्ध है।

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है? निश्चित रूप से तब तक जब तक कि भारतवर्ष सनातनी हिंदुओं के हाथ में है। हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए कि अब हम सांप्रदायिक आधार पर देश का पुनः विभाजन नहीं होने दें। नोवाखाली जैसे नरसंहारों की पुनरावृत्ति अब हमारे देश में नहीं होनी चाहिए। भारत-पाकिस्तान के विभाजन के समय जिस प्रकार लाखों करोड़ों लोगों को घर से बेघर होना पड़ा था, उस इतिहास को अब दोहराया नहीं जाना चाहिए। भारत में आंतरिक स्थिति ठीक नजर नहीं आती है परंतु विश्व के कई अन्य देशों में सनातन संस्कृति को तेजी से अपनाया जा रहा है, तभी तो कहा जा रहा है कि विश्व में आज कई समस्याओं का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति को अपना कर ही निकाला जा सकता है।

संपादकीय

बढ़ती गर्मी, घटता पानी

गर्मी के कारण हाल बेहाल है। समूचा उत्तर भारत तप रहा है। बुजुर्गों की स्मृति में भी नहीं है कि उन्होंने पहले कभी इतनी प्रचंड गर्मी की लगातार मार सही हो। दिल्ली और एनसीआर जैसे क्षेत्रों से लू के कारण मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। और दूसरी तरफ जब देश की राजधानी दिल्ली में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है तो देश के जलाभाव वाले क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। जो हो रहा है, वह अनायास या अचानक नहीं हो रहा है। दुनिया भर के पर्यावरणविद् और जलवेत्ता वर्षो से इस स्थिति की आशंका के प्रति चेतावनी जारी करते रहे हैं। भारत में भी बदलते

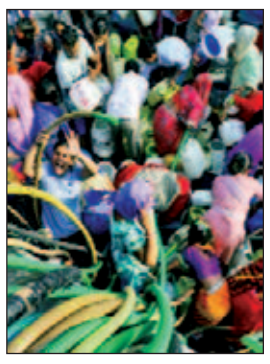

तापमान और तद्जन्य समस्याओं को लेकर लगातार अपनी बातें सामने रखते रहे हैं। पानी के संकट को लेकर और देश भर में भूजल स्तर की डरावनी गिरावट को लेकर भी चेतावनियां जारी होती रही हैं। इसका कारण खोजने के लिए अतिरिक्त अन्वेषण की जरूरत नहीं है। असंतुलित विकास की भेंट चढ़े देश के वन जंगल, निर्ममता से नष्ट किए गए स्थानिक जल स्रेत और जल संसाधनों पर तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण यह स्थिति पेश हुई है। देश भर में गांव-देहातों तक जिन छोटी-छोटी नदियों का जाल बिछा हुआ था और जो पोखर तालाब जल के संरक्षण के मुख्य वाहक होते थे, वे अब कहीं दिखाई नहीं देते। मनुष्य के अनियंत्रित लालच और हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ने स्थितियों को कई गुना जटिल किया है तिस पर राजनीतिक दलों की बेहयाई समस्या की आग में घी डालती रहती है। सबसे ज्यादा मौजूदा उदाहरण इस समय दिल्ली का है। दिल्ली में दिल्लीवासियों की कथित सेवा को समर्पित आम आदमी पार्टी की सरकार है, और केंद्र में देश हित के लिए जीने-मरने का दावा करने वाली भाजपा सरकार है और तमाशा यह है कि दोनों ही पार्टियों के प्रतिनिधि दिल्ली के जल संकट के लिए एक दूसरे पर पूरी बेशर्मी से हल्ला बोल रहे हैं। जब दिल्ली के लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं उस समय दो जिम्मेदार पार्टियों और उनकी सरकारों के इस रवैये को शर्मनाक ही कहा जा सकता है। कहने में कोई संकोच नहीं कि अगर वास्तविक समस्याओं के प्रति जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को रुख इतना गैर-जिम्मेदार है, तो देश और इसकी राजधानी को आने वाले भयानक संकटों से कोई नहीं बचा पाएगा।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

पुराने कानूनों पर पुनर्विचार करेगी नई संसद

सनत जैन

सन् 2024 में नई संसद का गठन होने जा रहा है। इस बार संसद में भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। सही मायनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो तीसरी सरकार बनी है वही वास्तविक एनडीए की सरकार है। एनडीए की वर्तमान सरकार में पिछले 10 वर्षों में संसद द्वारा जो कानून पास किए गए हैं उन पर पुनर्विचार किए जाने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं।

पिछले 10 सालों में संसद में विपक्ष बहुत कमजोर था। निश्चित संख्या में विपक्षी राजनीतिक पार्टी का बहुमत नहीं होने से विपक्षी दल के नेता का पद भी विपक्ष के पास नहीं था। बहुमत के आधार पर संसद में बिना चर्चा के बिल पास कराने के दर्जनों उदाहरण हैं। संसद में बिल पेस करने के पहले निर्धारित प्रक्रिया का पालन भी नहीं किया गया। आनन-फानन में बहुमत के आधार पर लोकसभा से बिल पारित कर दिए गए, जिसके कारण संविधान में प्रदत्त नागरिकों की समानता और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का ध्यान भी नहीं रखा गया। कानून बनाते समय सरकार के पास असीमित अधिकार हों इसको ध्यान में रखते हुए कानून बनाए गए। अब नई संसद गठित होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी के पास सदन में स्पष्ट बहुमत नहीं है। सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार चलाना पड़ेगी। वहीं इस बार संसद में विपक्ष पहले की तुलना में बहुत मजबूत है और एकजुट है। ऐसी स्थिति में संभावना व्यक्त की जा रही है कि जो भी कानून पिछले 10 वर्षों में पारित किए गए हैं उन पर हर हालत में पुनर्विचार करना इस सरकार की मजबूरी होगी। सभी नागरिकों के लिए न्याय, समानता और स्वतंत्रता संविधान के मौलिक अधिकारों के तहत हो। इसके लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर भारी विवाद है।

भारतीय दंड संहिता (अपराधिक कानून विधेयक) के कई प्रावधान इस तरह से किए गए हैं जिसका देश में भारी विरोध हो रहा है। मैरिटल रेप राज ध्रुव के नए प्रावधान पुलिस को असीमित अधिकार न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती, मोटर व्हीकल एक्ट इत्यादि के कई ऐसे प्रावधान हैं जिनके परिणाम पर चिंता किए बिना इसे लागू किया जाना है। भारतीय दंड संहिता के जो तीन नए कानून हैं यह 1 जुलाई 2024 से लागू होने हैं, जिसके कारण स्पष्ट है कि यह मामला संसद के पहले सत्र में ही पुनर्विचार की मांग को लेकर विपक्ष अपना दबाव बनाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम 2023 में हंगामे के बीच पारित किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा निर्देश दिए थे, उनका पालन नहीं किया गया। जिसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। ऐसी स्थिति में इस कानून में भी संशोधन को लेकर विपक्ष दबाव बनाएगा। केंद्र सरकार और राज्यों के बीच खदान एवं खनिज अधिनियम को लेकर भी पिछले कई वर्षों से विवाद चल रहा है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में संवैधानिक पीठ कर रही है। इस नवीन कानून के द्वारा केंद्र ने अपनी शक्तियों को काफी बढ़ा लिया है और राज्यों की शक्तियों को कम कर दिया है। ऐसी स्थिति में इस पर भी भारी दबाव सरकार पर पड़ना तय माना जा रहा है। इसी तरह ट्रासजेंडर व्यक्ति अधिनियम 2019 के प्रावधान भी भेदभाव पूर्ण होने के कारण इस पर भी विपक्ष द्वारा पुनर्विचार करने की और संशोधन करने की मांग इसी संसद सत्र में की जा सकती है। अपने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को कई मामलों में अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ेगा वहीं पिछले 10 सालों में ईडी, सीबीआई और आयकर एवं अन्य जांच एजेंसी के माध्यम से विपक्ष को समाप्त करने की कोशिश की गई है, उसको लेकर भी विपक्ष एकजुट हुआ है। एकजुट विपक्ष से लड़ना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। पिछले 10 सालों में सरकार ने विपक्ष के लिए जो गड्ढे खोदे थे विशेष रूप से भ्रष्टाचार के मामलों में विपक्ष को जेल के सीखचों तक पहुंचाया गया था। विपक्ष को चुनाव लड़ने से रोकने की कोशिश की गई थी। आर्थिक एवं आपराधिक मामलों में दोषी बनाकर विपक्ष को खत्म करने के लिए जो हथकंडे अपनाए गए थे, विपक्ष अब उन्हीं हथकंडों को सरकार के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए एकजुट हुआ है। निश्चित रूप से नई संसद में पुराने कानून पर विचार होगा। उसमें सरकार को संशोधन भी करने होंगे। कई याचिकाएं इन सारे मामलों की सुप्रीम कोर्ट में लगी हुई हैं। निश्चित रूप से जब संसद में दबाव बढ़ेगा तो सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिकाओं पर सुनवाई होगी और फैसला आएगा। इन सारी स्थितियों को देखते हुए नई संसद का पहला सत्र काफी महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

इसमें सरकार को बजट भी पेश करना है। जुलाई के पहले बजट को पास कराना है। सरकार ने मनी बिल के रूप में बहुत सारे बिल पास कराकर सांसदों और संसद के अधिकार भी सरकार के नियंत्रण में आ जाने से सांसदों और संसद के अधिकार पहले की तुलना में बहुत कम हो गए हैं। अब विपक्ष के मजबूत हो जाने के कारण निश्चित रूप से आशा की जा सकती है कि बहुमत के आधार पर जो बिल और कानून पास कराए जा रहे थे उनके स्थान पर अब विवेक पूर्वक पक्ष और विपक्ष विभिन्न मसलों पर चर्चा करने के बाद ही आम सहमति से कानूनो के संशोधन पर पुनर्विचार करेगी। विपक्ष जिस तरह से एकजुट है, जिस आक्रामक ढंग से वह अपनी बात सदन के बाहर रख पा रहा है, उससे ज्यादा प्रभावी और आक्रामक ढंग से संसद के अंदर वह अपनी बात रखेगा। इस तरह की आशा की जा रही है।

ग्रीष्म लहरों से मौत को रोकने के लिये कार्ययोजना

भारत लगातार जारी ग्रीष्म लहरों के चपेट में है। मई- जून 2024 में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में तापमान पिछले 124 वर्षों में सर्वाधिक उच्च स्तर लगभग 50 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया। ग्रीष्म लहर भारत के लिये कोई नई परिघटना नहीं है, लेकिन इस वर्ष उल्लेखनीय यह है कि उसका समयपूर्व आगमन हुआ है और देश के उत्तर-पश्चिमी सेदक्षिण-पूर्वी हिस्सों तक उसका व्यापक स्थानिक प्रसार रहा है। यह उपयुक्त समय है कि देश को ग्रीष्म लहरों और संबद्ध चरम मौसमी घटनाओं से निपटने के लिये ठोस योजनाओं का निर्माण करना चाहिये। ग्रीष्म लहरों के जानलेवा प्रभावों को कम करने के लिये पूर्व-चेतावनी प्रणाली, हीट-प्रूफ शेल्टर और व्यापक रूप से वृक्षारोपण महत्त्वपूर्ण है। ग्रीष्म लहर असामान्य रूप से उच्च तापमान की अवधि है जो भारत के उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण-मध्य भागों में ग्रीष्मकाल के दौरान उत्पन्न होती है। यह वायु के तापमान की वह स्थिति है जिसके संपर्क में आना मानव शरीर के लिये घातक हो जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग उस स्थिति को ग्रीष्म लहर के रूप में वगीकृत करता है जब मैदानी इलाकों में तापमान कम से कम 40.सी (और पहाड़ी क्षेत्रों में कम से कम 30.सी) तक पहुँच जाए और यह सामान्य तापमान से कम से कम 5-6.सी की वृद्धि को इंगित करता हो। भीषण गर्मी का आसन्न कारण वर्षा-युक्त पश्चिमी विक्षोभ या उष्णकटिबंधीय तूफान की अनुपस्थिति है जो उत्तर भारत में भूमध्यसागर से वर्षा लाते हैं।भारत में पहले से ही गर्म शहरों में ग्लोबल वार्मिंग और जनसंख्या वृद्धि का संयोजन बढ़ते हुए 'हीट एक्सपोजर' का प्राथमिक चालक है। 'अर्बन हीट आइलैंड' शहरों के भीतर भी तापमान की वृद्धि करता है,जिसकी त्वरा ग्रीष्म लहरों के दौरान और बढ़ जाती है। यह स्थिति तब बनती है जब जब शहर प्राकृतिक भूमि आवरण को फुटपाथ, इमारतों और अन्य ठोस सतहों के घने सांद्रता से प्रतिस्थापित कर देते हैं जो गर्मी को अवशोषित करते हैं और देर तक बनाए रखते हैं। मई-जून के माह में भारत में ग्रीष्म लहरों की उपस्थिति एक सामान्य घटना है, लेकिन देश के कई हिस्सों में धीरे-धीरे बढ़ते अधिकतम तापमान के कारण वर्ष 2024 में ग्रीष्म लहरों की समय-पूर्व उत्पत्ति की स्थिति बनी। भारत मौसम विज्ञान विभागके अनुसार भारत में ग्रीष्म लहर दिवसों की संख्या वर्ष 1981-1990 के 413 से बढ़कर वर्ष 2011-2020 में 600 हो गई है। ग्रीष्म लहर दिवसों की संख्या में यह तेज वृद्धि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव के कारण घटित हुई है। ग्रीष्म लहरों के कारण जान गँवाने वाले लोगों की संख्या भी वर्ष 1981-1990 में 5,457 से बढ़कर वर्ष 2011-2020 में 11,555 हो गई है। वर्ष 1967 से अब तक पूरे भारत में ग्रीष्म लहरों के कारण 39,815 लोगों की मौत हो चुकी है। भू-जलवायु और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के कारण सबसे अधिक मौतें उत्तर प्रदेश (6,745) में हुई हैं; इसके बाद आंध्र प्रदेश (5,088), बिहार (3,364), महाराष्ट्र (2,974), पंजाब (2,720), मध्य प्रदेश (2,607), पश्चिम बंगाल (2,570), ओडिशा (2,406), गुजरात (2,049), राजस्थान (1,951), तमिलनाडु (1,443), हरियाणा (1,116), तेलंगाना (1,067), दिल्ली (996), झारखंड (855), कर्नाटक (560), असम (348) आदि राज्यों का स्थान है, जबकि शेष 12 राज्यों में 954 लोग मौत के शिकार हुए।महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस साल भीषण गर्मी ने राज्य में 25 लोगों की जान ले ली है। ये ग्रीष्म लहरें बहुत अधिक हानिकारक हैं। इसके मुख्य प्रभाव निम्नलिखित हैं -1.मानव मृत्यु दरः बढ़ते तापमान, जन जागरूकता कार्यक्रमों की कमी और अपर्याप्त दीर्घकालिक शमन उपायों के कारण ग्रीष्म लहरों से मृत्यु की स्थिति बनती है।टाटा सेंटर फॉर डेवलपमेंट और शिकागो विश्वविद्यालय की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2100 तक जलवायु परिवर्तन से प्रेरित अत्यधिक ताप के कारण सालाना5 मिलियन से अधिक लोगों के मरने की संभावना होगी।बढ़ी हुई गर्मी से मधुमेह और परिसंचरण एवं श्वसन संबंधी रोगों के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि होगी। 2.अर्थव्यवस्था पर प्रभावः ग्रीष्म लहरों की लगातार घटनाएँ अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। उदाहरण के लिये, कार्य दिवसों के नुकसान के कारण गरीब और सीमांत किसानों की आजीविका नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है। ग्रीष्म लहरों का इन श्रमिकों की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।वर्ष 2019 की ILO रिपोर्ट के अनुसार भारत ने वर्ष 1995 में 'हीट स्ट्रेस' के कारण लगभग3% कार्य घंटे गंवाए थे और वर्ष 2030 में इससे 5.8% कार्य घंटे गंवा देने की संभावना है।रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2030 में हीट स्ट्रेस के कारण कृषि और निर्माण क्षेत्र दोनों में से प्रत्येक में 4% कार्य घंटों का नुकसान हो सकता है। 3.फसल की क्षति और खाद्य असुरक्षाः अत्यधिक गर्मी और सूखे की घटनाओं से फसल उत्पादन का नुकसान हो रहा है और वृक्ष सूख रहे हैं।चरम गर्मी से प्रेरित श्रम उत्पादकता हानि से खाद्य उत्पादन को अचानक लगने वाले झटके से स्वास्थ्य एवं खाद्य उत्पादन के लिये जोखिम और अधिक गंभीर हो जाएँगे।ये परस्पर प्रभाव खाद्य कीमतों में वृद्धि करेंगे, घरेलू आय को कम कर देंगे और विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कुपोषण और जलवायु संबंधी मौतों को बढ़ावा देंगे। 4.श्रमिकों पर प्रभावः वर्ष 2030 में कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों से संलग्न श्रमिक गंभीर रूप से प्रभावित होंगे क्योंकि भारत की एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिये इन क्षेत्रों पर निर्भर है।भारत के लिये इस पर विचार करना भी उचित होगा कि अनिश्चित श्रम बाजार स्थिति वाले देशों और क्षेत्रों को इस तरह की चरम गर्मी के साथ उच्च उत्पादकता हानियों का सामना करना पड़ सकता है।समग्र रूप से भारत में हीट स्ट्रेस के कारण वर्ष 2030 में लगभग 34 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियों का नुकसान हो सकता है। 5.कमजोर वर्गों पर विशेष प्रभावः जलवायु विज्ञान समुदाय ने वृहत साक्ष्यों के साथ दावा किया है कि ग्रीनहाउस गैसों और एरोसोल के उत्सर्जन में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय कटौती नहीं की जाएगी तो ग्रीष्म लहर जैसी चरम घटनाओं के भविष्य में और अधिक तीव्र, आवर्ती और दीर्घावधिक होने की ही संभावना है।यह याद रखना महत्त्वपूर्ण है कि भारत में ग्रीष्म लहर की घटनाओं में हजारों कमजोर और गरीब लोगों को प्रभावित करने की क्षमता है, जबकि जलवायु संकट में उन्होंने सबसे कम योगदान किया है।ग्रीष्म लहर प्रभाव शमन रणनीति के मामले में भारत की स्थितिऐसी आपदाओं से निपटने के लिये वर्ष 2015 से पहले कोई राष्ट्रस्तरीय 'हीटवेव एक्शन प्लान" मौजूद नहीं था।क्षेत्रीय स्तर पर अहमदाबाद नगर निगम ने वर्ष 2010 में विनाशकारी ग्रीष्म लहरों से हुई मौतों के बाद वर्ष 2013 में पहला हीट एक्शन प्लान तैयार किया था।वर्ष 2016 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने ग्रीष्म लहरों के प्रभाव को कम करने हेतु राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख रणनीति तैयार करने के लिये व्यापक दिशानिर्देश जारी किये थे। हालाँकि चरम मौसम संबंधी आघातों के शमन और उनके प्रति अनुकूलन के लिये कुछ निवारक उपाय किये गए हैं, लेकिन इस तरह की पहलें ग्रीष्म लहरों से लोगों की मौतों को रोकने के लिये अपर्याप्त ही साबित हुई हैं क्योंकि निवारक उपायों, शमन और तैयारी कार्यों को लागू करना जटिल बना हुआ है।

- संजय गोस्वामी

मोटे अनाजों में प्रमुख

बाजरा

भूमि का चुनाव

बाजरे की असिंचित फसल उन मिट्टियों में अच्छी उपज देती है, जिनकी जलधारण क्षमता अपेक्षाकृत अधिक होती है। रेतीली मटियार दोमट और मटियार दोमट भूमि में बाजरा की भरपूर पैदावार होती है।

भूमि की तैयारी

बाजरा वर्षा आधारित फसल है। ऐसी फसल के लिए गर्मियों की जुताई अच्छी पाई गई है। इससे खरपतवारों पर नियंत्रण करने में मदद मिलती है। वर्षा के शुरू होने पर हल या बखर चलाकर खेत को भुरभुरा बनायें तथा खरपतवार रहित करें।

उन्नत किस्में

अ. संकर किस्में - आईसीएमएच-356, जवाहर बाजरा हायब्रिड-1, जवाहर बाजरा हायब्रिड-2, हरित बटल रोग निरोधक

ब. परागित किस्में - जवाहर बाजरा किस्म-2, जवाहर बाजरा किस्म-3, जवाहर बाजरा किस्म-4, राज-171

बुआई

बाजरा की बुआई के लिए जुलाई का पहला पखवाड़ा ही उत्तम है। इस समय पर लगाए गए बाजरा पर रोगों का प्रकोप कम होता है तथा फूल आते समय सामान्य वर्षा होने पर प्रायः भूमि

में नमी का अभाव नहीं होता है।

बीज की मात्रा और पौधों का घनत्व

बाजरा की संकर किस्मों की कतारों के बीच 45 सेमी की दूरी रखना जरूरी है, जिसमें पौधों से पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेमी होना चाहिए। बीज 1 से 2.5 सेमी की गहराई पर बोना चाहिए। इस प्रकार प्रति हेक्टेयर 1.8 लाख से 2 लाख तक उचित पौध संख्या के लिए 5 से 6 किलोग्राम बीज की मात्रा पर्याप्त रहती है। बुआई के पूर्व बीजोपचार जरुरी है बीज का उपचार एप्रान-35 एसडी की 6 ग्राम मात्रा को प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें, जिससे डाउनी मिल्डयू रोग के प्रारंभिक प्रकोप से बचा जा सके।

उर्वरक की मात्रा एवं देने का तरीका

बुआई के पूर्व 87 किलोग्राम यूरिया, 300 किलोग्राम और 33 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर देना चाहिए।

पौधों की छटाई

बाजरा के पौधें के पूर्ण विकास के लिए उपयुक्त स्थान मिलना आवश्यक है। अतः घने पौधों की छंटाई करके पौधों की आपसी दूरी उपयुक्त कर देनी चाहिए।

जल प्रबंध

बाजरा का केवल 3.3 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। अतः जल का समुचित प्रबंध करना सफल खेती और उत्पादन स्थिरता की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। वर्षा का केवल 5-15 प्रतिशत जल पौधों की बढ़वार के लिए उपलब्ध हो पाता है। इस प्रकार बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में जल का वैज्ञानिक प्रबंधन ही उनकी सफल खेती में सहायक हो सकता है। भूमि तल को समतल बना देने पर भूमि पर गिरने वाली वर्षा का समान वितरण होता है। तथा पानी भूमि में लम्बे समय तक भरे रहने के कारण इसका उत्तम संरक्षण करना संभव होता है। मेड़ बांधने की क्रिया जल संरक्षण में काफी सहायक पायी गयी है। वर्षा जल खेत में लम्बे समय तक खड़े रहने के कारण बहाव के माध्यम से बह जाने वाले जल की अधिक से अधिक मात्रा भूमि द्वारा ग्रहण कर ली जाती है तथा यह मात्रा भूगत होने के कारण सुरक्षित रहती है। यह विश्वास किया जाता है कि भूमि की ऊपरी सतह को संहत करने पर बाजरा के पौधे की जड़े अधिक गहराई तक जाती है जिसके कारण उपलब्ध भूमि जल का अच्छा उपयोग होता है तथा जड़ों का जल ग्रहण क्षेत्र भी बढ़ जाता है। इस क्रिया को शायद इसी कारण से मूल प्रशिक्षण (रुट ट्रेनिंग) भी कहा जाता है। क्योंकि जड़ों के नीचे की और बढ़ने का प्रशिक्षण दिया जाता है, यानि कि ऐसी स्थिति बनायी जाती है कि इसकी बढ़वार नीचे की ओर अधिक हो।

जल निकास

बाजरे की फसल यदि काफी देर तक पानी खड़ा रहे, तो इससे फसल को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए बुवाई से पूर्व खेत को समतल कर लेना चाहिए

अमरबेल का नियंत्रण

प्रसारण

- परजीवी के बीज एवं तने के भाग सिंचाई करने से जल द्वारा एक खेत से दूसरे खेत में चले जाते हैं।
- खाद द्वारा भी बीज खेत में आ जाते हैं।
- तने के टुकड़ों का स्थानांतरण मनुष्यों एवं जंतुओं द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर कर दिया जाता है।
- इसके बीज बरसीम, रिजका के बीजों के साथ जुड़े रह सकते हैं।

हानि

अमरबेल के संक्रमण से मात्रात्मक व गुणात्मक दोनों प्रकार से हानि होती है-

- नींबू में 30-35 प्रतिशत
- मूंग में 70-90 प्रतिशत
- उड़द में 30-40 प्रतिशत
- रिजका, बरसीम में 60-70 प्रतिशत तक उपज में हानि होती है।

नियंत्रण

इस परजीवी पादप के नियंत्रण हेतु समन्वित प्रबंध करना अति आवश्यक है-

नियंत्रण के उपाय

- नमक के 10 प्रतिशत (1 लीटर पानी में 100 ग्राम) घोल में बीजोपचार करके फसल के बीजों की बुवाई करें।
- अमरबेल के बीज रहित फसल के बीज ही बुवाई के काम लें।
- कृषि यंत्रों व पशुओं को अमरबेल से संक्रमित खेतों से स्वच्छ खेतों में न आने दें।
- अमरबेल से ग्रसित फार्म से कम्पोस्ट खाद तैयार न करें।

शस्य नियंत्रण

संक्रमित पौधों को परजीवी में बीज बनने से पहले उखाड़ कर जला दें।

- कम से कम पांच वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- पाश फसलें जैसे ग्वार आदि उगाना चाहिए इसकी बढ़वार कम होगी।
- फसलों की सहनशील किस्में जैसे रिजके की एलएलसी 6 व एलएलसी 7, मूंग की एम-4 व उदड़ की टी-9 किस्में बोनी चाहिए।

जैविक नियंत्रण

मैलेनाग्रोमाइजा करुक्यूटा व कालेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडीस के द्वारा भी इसका नियंत्रण कर सकते हैं।

- ल्यूबाओ-2 जो कि कोलेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडिस करुक्यूटी रोगजनक का उत्पाद है, से भी जैविक नियंत्रण कर सकते हैं।

रासायनिक नियंत्रण

- क्लोरोफॉम 6-7 किग्रा (सक्रिय तत्व) या डाइक्लोनेनील 2 किग्रा (सक्रिय तत्व) प्रति हेक्टेयर मिट्टी में प्रयुक्त करें।
- खड़ी फसल (रिजका व बरसीम) में कटाई के 5-10 दिन बाद डाइकव्ट 6-10 किग्रा प्रति हेक्टेयर आवश्यकतानुसार पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पेड़ों तथा बहुवर्षीय बेलों पर पेराक्वाट के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें। तथा उपचारित परपोषी पौधों की जल्दी सिंचाई करें।
- यदि अमरबेल पर छिड़काव के बाद कोई अवशेष बच जाये तो पुनः बताये शाकनाशियों का छिड़काव करें।

इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेंशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया। इस पद्धति से 7-15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

धान की मेडागास्कर खेती

भारत में हरित क्रांति आने के बाद से लेकर अब तक विभिन्न आदानों की इकाई लागत में काफी वृद्धि हुई है इस वृद्धि के फलस्वरुप शुद्ध लाभ भी कम प्राप्त हो रहा है, इस हेतु यह आवश्यक हो गया है कि इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जाये। इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेंशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया इस पद्धति से 7-15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

मेडागास्कर विधि की कृषि कार्यमाला

खेत का चुनाव-मेडागास्कर विधि से धान की खेती करने हेतु उचित जल निकास वाली भूमि का चुनाव करना चाहिए तथा सिंचाई की भी व्यवस्था खेत पर होना चाहिए। बीज की मात्रा-इस विधि से धान की रोपाई करने के लिए 10-12 किलोग्राम बीज की आवश्यकता प्रति हेक्टेयर पड़ती है।

धान की उन्नत किस्में

कम अवधि में पकने वाली किस्में-तृप्ति, पूर्वा, जेआर 75

मध्यम समय में पकने वाली किस्में-जेआर 201,दीप्ति, जेआर 353

सामान्य अवधि में पकने वाली किस्में-आई.आर. 36, आई.आर. 64, माधुरी,पूसा सुगंधा

देर से पकने वाली किस्में :-स्वर्णा, श्यामला, महासुरी

संकर किस्में-एपीएचआर-1, एपीएचआर-2, एमजीआर-1, सीएनआर एच-1, पंत संकर धान

नर्सरी हेतु खेत की तैयारी एवं बीज की बुवाई

खेत की अच्छी तरह आड़ी-तिरछी जुताई कर मिट्टी को भुरभुरी कर लेना चाहिए तत्पश्चात एक मीटर चौड़ी 10 मीटर लम्बी 15 सेमी ऊंचाई की क्यारी बना लें, क्यारी के दोनों ओर सिंचाई नाली बनाये क्यारी तैयार कर 50-60 किलोग्राम नाडेप कम्पोस्ट मिलाकर समतल कर दें तैयार क्यारी में उपचारित बीज को

रोपाई हेतु खेत की तैयारी

रोपाई किये जाने वाले खेत की अच्छी तरह जुताई कर भुरभुरा कर लें तथा खेत में पाटा लगाकर भूमि को समतल कर लेना चाहिए। तथा खेत में 8-10 टन नाडेप कम्पोस्ट/गोबर की पकी हुई खाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिला देना चाहिए। इस प्रकार रोपणी के लिए खेत तैयार हो जायेगा। सामान्यतः 10-15 दिन की पौध इस पद्धति में रोपाई हेतु उपयुक्त होती है। इन पौधों को जड़ सहित सावधानीपूर्वक उखाड़ कर 20 से 30 मिनट के अंदर खेत में रोप देना चाहिए। रोपाई एक से दो सेमी गहराई पर करें तथा पौध को खेत में सीधा रोपना चाहिए। रोपाई के समय खेत में पानी भरा नहीं होना चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधे की रोपाई करें तथा पौध से पौध की दूरी 25 सेमी एवं कतार से कतार की दूरी 23 सेमी रखना चाहिए, जिससे कंसे अधिक संख्या में निकलते हैं।

खाद उर्वरक की मात्रा

खेत की मिट्टी का परीक्षण कराकर तत्वों की उपलब्धता जानने के बाद ही खाद की मात्रा निश्चित की जानी चाहिए, इस विधि में कार्बनिक खादों एवं रासायनिक खादों का उपयोग करना अनिवार्य है चयनित खेत में हरी खाद के लिए सनई/ढैंचा की बोनी कर 20-25 दिन बाद मचाई कर मिट्टी में मिला दें तथा 3-4 दिन के लिए छोड़ दें तत्पश्चात रोपाई करें। रासायनिक खाद में 80 किलोग्राम 50 किलोग्राम फास्फोरस तथा 30 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता प्रति हेक्टर होती है। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा का उपयोग आधार खाद के रुप में किया जाना चाहिए व नत्रजन का उपयोग तीन किश्तों में 20 प्रतिशत के एक सप्ताह बाद 50 प्रतिशत कंसे फूटने के समय एवं शेष 30 प्रतिशत गभोट के प्रारंभ काल में किया जाना चाहिए। वानस्पतिक वृद्धि अधिक होने पर नत्रजन की मात्रा कम की जा सकती है।

बिखेर दें तथा ऊपर से कम्पोस्ट खाद की पतली परत बिछाकर बीजों को ढ़क दे बीज का उपचार कर ही क्यारी डालना चाहिए। बीज उपचार हेतु स्युडोमोनास फ्लोरोसेंस 3 ग्राम प्रतिकिलो बीज की दर से उपयोग करना आवश्यक होता है। प्रति क्यारी 120 ग्राम बीज की मात्रा या 12 ग्राम प्रति वर्ग मीटर बीज की रोपणी डालने की आवश्यकता होती है। रोपणी की बोनी उपरांत प्रथम सिंचाई हजारे से की जाना चाहिए, शेष सिंचाई रोपणी के दोनों तरफ उपलब्ध सिंचाई नाली से करना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव करने की तैयारी में चुनाव आयोग , जमीनी स्तर पर शुरु किया काम

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 में जम्मू और कश्मीर की ऐतिहासिक भागीदारी ने भारतीय चुनाव आयोग को मतदाता सूची को अद्यतन करने के साथ केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। पिछली बार जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था, जब यह अभी भी एक राज्य था और अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा प्राप्त था। 2019 में, राज्य का विशेष दर्जा रद्द कर दिया गया और दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया। तब से यूटी विधानसभा चुनावों का इंतजार कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए चुनाव आयोग के लिए 30 सितंबर, 2024 की समय सीमा तय की है। बताया जा रहा है, चुनाव आयोग ने केंद्रशासित प्रदेश में जमीनी काम शुरू कर दिया है और विधानसभा चुनाव कराने के लिए अगस्त और सितंबर के बीच की अवधि पर विचार हो रहा है। हालाँकि, चुनाव आयोग ने अभी तक चुनावों के लिए अस्थायी समयसीमा की घोषणा नहीं की है। शुक्रवार को जारी बयान में, चुनाव निकाय ने कहा कि लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है और इन राज्यों में मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया 1 जुलाई 2024 को अर्हता तिथि के रूप में निर्धारित की गई है। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा, निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद एक नए सदन के गठन के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की विधान सभा के लिए आम चुनाव भी आयोजित किया जाना है।

पुणे कार दुर्घटना मामला : सुनवाई पूरी...फैसला 25 जून को

मुंबई । पुणे कार दुर्घटना मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नाबालिग आरोपी की चाची द्वारा उसकी गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा। 17 वर्षीय आरोपी पिछले माह कल्याणी नगर में हुई एक सड़क दुर्घटना में कथित रूप से शामिल था, जिसमें दो युवा तकनीशियन मारे गए थे। कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा। कोर्ट 25 जून को अपना फैसला सुनाएगा। मामले की सुनवाई कर हाईकोर्ट ने कहा, पीड़ितों के परिवार सदमे में हैं। लेकिन शराब के नशे में दुर्घटना करने वाला किशोर भी सदमे में है। स्वाभाविक रूप से, इसका उसके दिमाग पर असर पड़ा होगा। इसके पहले 19 जून को पुलिस ने किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपी, जिसमें आरोपी के खिलाफ सभी सबूतों का विवरण दिया था। पुलिस ने मामले में सुनवाई के लिए किशोर को वयस्क के रूप में मानने की अनुमति देने के लिए याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा, हमने जेजेबी को सभी साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं, जो साबित करते हैं कि वह 19 मई की शाम को अपने घर से शुरू होकर दुर्घटना होने तक पोर्श कार चला रहा था। रिपोर्ट में उन प्रत्यक्षदर्शियों के बयान शामिल हैं, जिन्होंने नाबालिग को कार चलाते हुए देखा, जांच के दौरान बरामद सीसीटीवी फुटेज और कोसी रेस्तरां और ब्लैक क्लब में उसके शराब पीने के साक्ष्य शामिल हैं। अपराध शाखा के अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट किशोर को वयस्क के रूप में सुनवाई के लिए मानने की उनकी याचिका का समर्थन करती है। उन्होंने कहा इस बीच, जांच से पता चला है कि किशोर के रक्त के नमूने, जो उसकी मां के रक्त के नमूनों के साथ बदले गए थे, को ससून जनरल अस्पताल में जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के रूप में निपटाया गया था। नाबालिग लड़के की मां और पिता, दो डॉक्टरों- डॉ अजय टावरे और डॉ श्रीहरि हल्नोर - और एक अस्पताल कर्मचारी, अतुल घाटकांबले, वर्तमान में रक्त के नमूने की अदला-बदली के मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए जेल में हैं।

अदालत में सिंघवी का तक... क्या जजों को बदनाम करने अधिकार

नई दिल्ली । जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से गुरुवार शाम को जमानत मिली थी लेकिन शुक्रवार को रिहाई पर रोक लगा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में निचली अदालत के जमानत आदेश को चुनौती देकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने की वेकेशन बेंच में याचिका लगाई, सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने रिहाई पर रोक लगा दी। एएसजी राजू ने कहा कि मैं तत्काल रोक की मांग कर रहा हूं। हमारी बात निचली अदालत में नहीं सुनी गई। सीएम केजरीवाल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने स्टे लगाने की मांग का विरोध किया। सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दस फैसले हैं कि जमानत रद्द करना जमानत देने से बिल्कुल अलग होता है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि मामले की पूरी सुनवाई होने तक जमानत आदेश लागू नहीं किया जाएगा। वकील सिंघवी ने दलीलें देकर कहा कि जमानत की सुनवाई कैसी होनी चाहिए? इस बारे में गलत धारणा है। सिर्फ इसलिए कि इसमें राजनीतिक विरोध शामिल है और अगर जज द्वारा सभी मांगों का निपटारा नहीं किया जाता है,तब इससे एएसजी राजू को जज को बदनाम करने का अधिकार मिल जाता है। यह निंदनीय है, दुखद है। सिंघवी ने कहा कि ईडी पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। हर तर्क में पूरी तरह पक्षपात दिखता है। निचली अदालत में मामला पांच घंटे चला। राजू ने करीब 3 घंटे 45 मिनट का समय लिया और फिर ट्रायल जज पर दोष मढ़ दिया। सिंघवी ने हाईकोर्ट में दलील दी कि ईडी को लगता है कि चूंकि सीएम का मामला है, तब घंटों सुना जाना चाहिए और जज को निबंध लिखना चाहिए।

यादव सरकार में मंत्री शाह ने मदरसों को लेकर दिया बड़ा बयान

खंडवा । मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने मदरसों को लेकर बड़ा बयान दिया है। मंत्री शाह ने कहा है कि हिंदुस्तान में कोई भी शिक्षण संस्थान अगर तिरंगे का अपमान करेंगी, यहां राष्ट्रगान नहीं होगा, तब उनका बहुत-कुछ बंद हो जाएगा। उन्होंने यह बात खंडवा के हॉली स्प्रिट कॉन्वेंट स्कूल में कही। शाह ने अंतरराष्ट्रीय विश्व योग दिवस पर स्कूल में योग किया। गौरतलब है कि जनजातीय कार्य मंत्री शाह दो दिन पहले भी इसी तरह की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि मैं कुछ समय के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री था। तब ये आदेश निकाला था कि हर सरकारी, प्राइवेट स्कूल में झंडा वंदन होगा, जन गण मन होगा। लेकिन उस आदेश में थोड़ी सी कमी रह गई थी। वह आदेश छठवीं से 12वीं तक के विद्यालयों के लिए था। लेकिन इस आदेश को पहली से लागू कर दिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मेरा अनुरोध है। उनकी इस बात ने पूरे प्रदेश में सुर्खियां बटोरी थीं। कैबिनेट और जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने जब मदरसों में राष्ट्रगान और ध्वजारोहण अनिवार्य करने की मांग की थी, तब मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने नकार दिया था।

नीट पेपर लीक मामले में देशभर में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

नई दिल्ली । भारत में नीट यूजी के रिजल्ट पर हंगामा बपर हुआ है। परीक्षा में धांधली को लेकर मध्यप्रदेश सहित देशभर में कांग्रेस जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है।मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में दाखिले के लिए हुए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट फॉर यूजी (नीट-यूजी) में हुई गड़बड़ियों के विरोध में स्टूडेंट्स जमकर विरोध प्रदर्शन कर रहे है। कांग्रेस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भोपाल, दिल्ली, जम्मू, लखनऊ, तेलंगाना सहित देश भर में पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस मांग कर रही है कि स्टूडेंट्स की चिंताओं का समाधान तत्काल किया जाए। **भोपाल में कांग्रेस का धरना** - वहीं नीट परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों को कांग्रेस की यूथ विंग का भी साथ मिल गया है। भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर कांग्रेस के धरना-प्रदर्शन में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कई बड़े नेता शामिल है। कांग्रेस ने एनडीए सरकार का पुतला भी दहन किया। विपक्षी नेता आरोपों के तीर छोड़ रहे हैं। सत्तारूढ़ दल, परीक्षा एजेंसी और अफसर बचाव में बयान दे रहे हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस का आरोप हैं कि मध्यप्रदेश में पांच अलग-अलग तरह की परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इन पांच परीक्षाओं में कुल 3 हजार 690 पदों पर आवेदन मांगे गए थे, इसमें 1 लाख 64 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठने वाले थे। आरोप हैं कि पिछले दिनों ही इंदौर में कांग्रेस नेता अक्षय कांति बम की अगुआई में चलने वाले एक कॉलेज से पेपर लीक हुए थे। इस मामले में पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां भी की हैं।

दिल्ली के लोगों को राहत, 27 जून से देश के कई हिस्सों में होगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में आज बारिश और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक दिन में दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। आज यानी शुक्रवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान 40 और 29 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

इससे पहले गुरुवार को मौसम विभाग ने कहा था कि हल्की बारिश और आंधी ने दिल्ली में गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिली है। उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ ने गुरुवार को उत्तर भारत के कुछ हिस्सों को प्रभावित किया, जो भीषण गर्मी की चपेट में था। विभाग ने कहा कि अगले चार से पांच दिनों में देश के ज्यादातर हिस्सों में लू नहीं चलेगी।

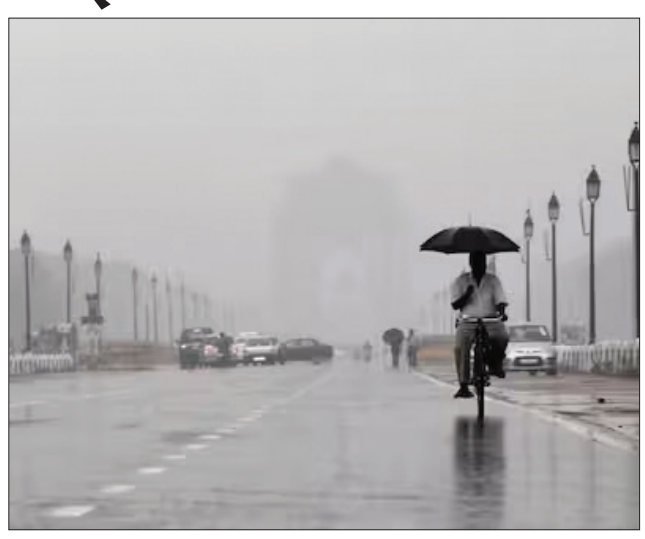

अनुमान है कि मानसून 27 जून से तीन जुलाई तक मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के ज्यादातर हिस्सों में आ जाएगा। मौसम विभाग ने कहा कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और यूपी के कई हिस्सों में 20 जून को लू की स्थिति खत्म हो गई है। पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से निचले स्तर की पूर्वी हवाओं के प्रभाव के तहत, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, उत्तरी हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तरी यूपी में काफी व्यापक रूप से हल्की बारिश देखी गई है। सुबह 8.30 बजे खत्म होने वाले 24 घंटों में उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश देखी गई और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।

लू के कारण दिल्ली समेत उत्तर भारत में हीट स्ट्रोक से मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई, जिसके बाद केंद्र ने अस्पतालों को रोगियों की देखभाल के लिए विशेष इकाइयां स्थापित करने के लिए की सलाह दी थी। भीषण गर्मी ने पानी की सप्लाई और बिजली ग्रिडों को प्रभावित कर दिया है, जिससे दिल्ली और हरियाणा के लोग जल संकट से जूझ रहे हैं।

ढाई साल बाद प्रतिज्ञा पूरी होने पर आंध्रप्रदेश विधानसभा लौटे नायडू

अमरावती। मैं सत्ता में लौटने तक सदन से दूर रहूंगा। इस प्रतिज्ञा के साथ, टीडीपी प्रमुख और राज्य के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू नवंबर 2021 में तत्कालीन सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस के सदस्यों के साथ भावनात्मक और तीखी नोकझोंक के बाद आंध्र प्रदेश विधानसभा से चले गए थे। लगभग ढाई साल बाद, नायडू ने शुक्रवार को अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर मुख्यमंत्री के रूप में आंध्रप्रदेश विधानसभा में लौट आए। अपने से बहुत छोटे जगन मोहन रेड्डी के हाथों अपमानजनक हार झेलने के पांच साल बाद, नायडू ने सहयोगी भाजपा और जनसेना पार्टी (जेएनपी) के साथ मिलकर अपनी पार्टी को आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारी जीत की ओर अग्रसर किया। अपने नवीनतम कार्यकाल में नायडू की प्राथमिकताओं में मुख्यमंत्री अमरावती का विकास है। उन्होंने ग्रीनफील्ड राजधानी में रुकी हुई परियोजनाओं का जायजा लेने के बाद कहा कि वह अमरावती को लेकर दुविधा में हैं। उन्होंने अमरावती की स्थिति पर जल्द ही एक श्वेत पत्र जारी करने और आगे बढ़ने के लिए लोगों से सुझाव लेने का वादा किया। पिछले वाईएसआरसीपी शासन के तहत अमरावती राजधानी शहर परियोजना 2019 से 2024 तक रुकी रही। हालाँकि, सरकार में बदलाव ने राजधानी शहर परियोजना में जान फूंक दी है, क्योंकि नायडू ने घोषणा की है कि अमरावती आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी होगी।

विदेश मंत्रालय ने किया साफ, हज यात्र के दौरान कम से कम 98 भारतीय यात्रियों की अब तक जा चुकी है जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से हज यात्रियों की मौत पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने बताया कि इस साल अब तक 175,000 भारतीय तीर्थयात्री हज यात्रा पर गए हैं। अब तब 98 भारतीय तीर्थयात्री हैं जिनकी हज के दौरान मौत हो गई है। उन्होंने विस्तार से बताया कि इस वर्ष हमारे 175,000 भारतीय पहले ही हज पर जा चुके हैं। अब तक हम अपने 98 नागरिकों को खो चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये मौतें प्राकृतिक बीमारी, प्राकृतिक कारणों, पुरानी बीमारी और बुढ़ापे के कारण भी हुई हैं।

रणधीर जयसवाल ने बताया कि अराफ़ात के दिन छह भारतीयों की मृत्यु हो गई और चार भारतीयों की मृत्यु दुर्घटनाओं के कारण हुई। पिछले साल हज में मरने वाले भारतीयों का आंकड़ा 187 था। अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के भारत दौरे को लेकर विदेश मंत्रालय का भी बयान सामने आया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यह सात सदस्यीय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल था जिसने 16 से 20 जून तक भारत का दौरा किया। इसका नेतृत्व हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष प्रतिनिधि माइकल मैककॉल ने किया। उन्होंने 18 और 19 जून को धर्मशाला का दौरा किया। उन्होंने प्रधानमंत्री से भी मुलाकात की। उन्होंने विदेश मंत्री और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से भी मुलाकात की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ तौर पर कहा कि मैं परम पावन दलाई लामा पर भारत की स्थिति को दोहराना चाहूंगा। वह एक सम्मानित धार्मिक नेता हैं और भारत के लोग उनका गहरा सम्मान करते हैं। परम पावन को अपनी धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के संचालन के लिए उचित शिष्टाचार और स्वतंत्रता दी गई है। अमेरिका के एक शीर्ष सांसद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि चीन को कड़ा संदेश देने के लिए मिलकर काम करना भारत और अमेरिका के रणनीतिक हित में है। उन्होंने कहा कि दोनों लोकतांत्रिक देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अगली पीढ़ी के हथियारों और प्रौद्योगिकी के उत्पादन में वे अग्रणी बने रहें। सांसद माइकल मैककॉल ने नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री के साथ एक मुलाकात के दौरान यह बात कही।

तमिलनाडु में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 47 हुई, कई गंभीर

-सीएम ने कहा-लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने से मरने वाले लोगों की संख्या 47 पहुंच गई है। 60 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती कराए गए हैं। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घटना पर दुःख व्यक्त किया और इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। स्टालिन ने मृतकों के परिवार को दस-दस लाख रुपए और अस्पताल में भर्ती लोगों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी गोकुलदास की मौजूदगी में गठित एक सदस्यीय आयोग ने मामले की जांच करने की घोषणा की है, जिसकी रिपोर्ट तीन महीने के अंदर पेश करने को कहा गया है। स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कल्लाकुरिची में मिलावटी शराब पीने वाले लोगों की मौत की खबर सुनकर मैं स्तब्ध और दुःखी हूं। इस अपराध में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। राज्यपाल आर.एन. रवि ने भी शोक व्यक्त करते हुए बीमारों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि कल्लाकुरिची में अवैध शराब के सेवन से हुई मौतों से गहरा सदमा लगा है। कई और पीड़ित गंभीर हालत में हैं और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है और अस्पतालों में भर्ती लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। राज्य के कई हिस्सों से अवैध शराब के सेवन से अक्सर लोगों की दुःखद मौत की खबरें आती हैं। यह अवैध शराब के उत्पादन और खपत को रोकने में हो रही चूक को दर्शाता है। यह गंभीर चिंता का विषय है।

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना विकास की कोशिश होनी चाहिए : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भीषण गर्मी और लू के कारण हुई कई मौतों पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि विकास इस तरह से होना चाहिए कि पर्यावरण को नुकसान नहीं हो और लोगों की तरक्की भी हो सके। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कई राज्यों में बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाने संबंधी खबरें देखीं। दूसरी तरफ, गर्मी से पूरे देश में मौतें हो रही हैं। बढ़ता तापमान नये रिकॉर्ड बना रहा है। इस बार अप्रैल का महीना जलवायु के इतिहास में सबसे गर्म अप्रैल के रूप में दर्ज हुआ है।'' प्रियंका गांधी ने कहा कि विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन हमें ज्यादा से ज्यादा पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, '' हम सबको मिलकर ऐसे विकास की कोशिश करनी होगी, जो हमारे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना हमें आगे बढ़ाए।

सैक्सटॉर्शन के जरिए सर्वाधिक ठगी का शिकार होते हैं युवा और बुजुर्ग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजकल साइबर ठग लड़कियों की डीपी लगाकर फेसबुक या इंस्टाग्राम पर दोस्ती करते हैं। इसके बाद व्हाट्स एप पर नंबर लेकर वीडियो कॉल करते हैं। अचानक ही युवती की अश्लील वीडियो स्क्रीन पर दिखने लगती है। सामने वाला वीडियो कॉल रिकार्ड कर लेता है। वीडियो दिखाकर वसूली का खेल चल रहा है। इसमें सबसे ज्यादा युवा और बुजुर्ग फंस रहे हैं।

साइबर सेल के एक एक्सपर्ट ने सेक्सटार्शन से बचाने के लिए स्टिंग ऑपरेशन करके सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया है। वीडियो में दिखाया है कि कैसे साइबर ठग रिकार्डेड पोर्न वीडियो को स्क्रीन पर ऑन करके सामने वाले से अश्लील बात करते हैं। इस जाल में फंसने वाला शर्म के मारे किसी से शिकायत नहीं करता और रुपये भेजता है। पुलिस ने शर्म छोड़कर साइबर सेल में शिकायत करने की सलाह दी है। पुलिस का कहना है कि ऐसी गैंग सक्रिय हैं जो लड़कियों का झांसा देकर युवाओं और व्यापारियों को फंसाती है और मोटी रकम वसूलती है।क्षेत्र के एक चर्चित डॉक्टर को युवती बनकर साइबर ठग ने फेसबुक पर संपर्क किया। फ्रेंड रिकवेस्ट भेजी। व्हाट्स एप नंबर लिया। तीन दिन तक उनके साथ चैटिंग की। इसके बाद रात में अश्लील वीडियो कॉल करने लगा। न्यूड वीडियो कॉल को रिकार्ड करके डॉक्टर से रुपये मांगे। इसके बाद धमकी दी कि उनका वीडियो यूट्यूब पर अपलोड का देगा। यही नहीं, दिल्ली क्राइम ब्रांच के नाम पर उनको धमकी दी गई। डॉक्टर ने कई बार में कुल 10 लाख रुपये साइबर ठग के चार बैंक खातों में जमा कर दिए। ब्लैकमेलिंग की जा रही थी। आखिर में डॉक्टर ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया।

महाराष्ट्र में शिंदे के मंत्री के पाला बदलने की खबरों ने मचाई हलचल

-भुजबल, अजित की पत्नी सुनेत्रा के राज्यसभा नामांकन से हैं नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की शिंदे सरकार के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल की महाराष्ट्र के बड़े नेताओं में गिनती होती है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता को तेजतर्रार नेता के रूप में जाना जाता है। भुजबल ने एक बार फिर अपनी पार्टी और महायुति गठबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस बार उन्होंने मराठा आरक्षण और पार्टी प्रमुख अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा के राज्यसभा नामांकन का मुद्दा उठाया है।

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के खराब प्रदर्शन को लेकर बीजेपी, सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित की एनसीपी जैसे महायुति सहयोगियों में टेंशन बना हुआ है। इस बीच भुजबल के अपनी पार्टी छोड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। ऐसे में इस साल अक्टूबर में महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले शिंदे सरकार की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। साथ ही अजित पवार के साथ खेला हो सकता है।

छगन भुजबल ने बीते दिनों इस बात को दोहराया कि मराठा समुदाय को ओबीसी के कोटे में से आरक्षण नहीं दिया जा सकता। उन्होंने राज्य में जाति आधारित जनगणना कराने की अपनी मांग भी दोहराई। भुजबल का बयान मराठा आरक्षण कार्यकर्ता लक्ष्मण हाके और नवनाथ वाघमारे के विरोध प्रदर्शन के बीच आया जो पिछले छह दिन से अनशन पर हैं।

भुजबल ने कहा कि वे मराठा समुदाय को आरक्षण दिए जाने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इससे ओबीसी आरक्षण प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे से आरक्षण नहीं दिया जा सकता। हम यह बात नहीं कह रहे, बल्कि पहले चार आयोग यह बात कह चुके हैं। देश की उच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने भी इसके लिए इनकार कर दिया है। साथ ही राज्य में जाति आधारित जनगणना से ओबीसी समुदाय के लिए और धन आवंटन का रास्ता साफ होगा। उन्होंने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि फिर से ओबीसी कोटे में से मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग उठ रही है।

छगन भुजबल ने कहा था कि उनकी इच्छा सांसद बनने की है और इसीलिए वह नासिक से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। वह राज्यसभा नामांकन के लिए भी उत्सुक थे। भुजबल महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद वह परेशान हैं। क्या लोकसभा और राज्यसभा टिकट को लेकर उनके साथ अन्याय हुआ है? इस पर भुजबल ने कहा कि यह सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए।

भुजबल की नाराजगी पर अजित पवार ने कहा कि उनकी पार्टी के सहयोगी ने खुद उनसे कहा था कि वह नाराज नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष समेत कुछ लोग और हमारे करीबी मित्र ऐसी अफवाह फैला रहे हैं, लेकिन उनमें कोई सच्चाई नहीं है। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने भुजबल के एनसीपी से बाहर निकलने की खबरों का जिक्र कर दिया।

भुजबल ने ऐसे किसी भी कदम से इनकार किया है। सुनेत्रा पवार के राज्यसभा नामांकन से नाराजगी पर उन्होंने कहा कि वह परेशान नहीं हैं। राजनीतिक दल में रहते समय आपको मिलजुलकर फैसले लेने होते हैं। हर चीज किसी की इच्छा से नहीं होती। उन्होंने कहा कि वह निर्दलीय नहीं हैं कि अपनी मर्जी से चलेंगे।

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नया कीर्तिमान

- मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में नडाबेट में गौरवपूर्वक मनाया गया 10वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

- सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक योग को पहुँचाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद (ईएमएस)7 इतिहास में पहली बार भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बनासकाँठा स्थित ज़ीरो पॉइंट नडाबेट में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी की प्रोत्साहक उपस्थिति में शुक्रवार को राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर से किए गए संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा गया। राज्य योग बोर्ड द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएँ देते हुए योग को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारी प्राचीन परंपरा योग को वैश्विक पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य में सवा करोड़ से अधिक लोग आज विश्व योग दिवस समारोह में सहभागी हुए हैं, जो आनंद की बात है। उन्होंने जोड़ा कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक योग को पहुँचाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। राज्य में योग के प्रचार-प्रसार के लिए 51 योग स्टूडियो की स्थापना की गई है। पटेल ने योग के महत्व के विषय में चर्चा करते हुए कहा कि योग स्वास्थ्य सुख का सबल माध्यम बना है। तनावमुक्त व स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली के लिए योग उत्तम उपाय है। योग आत्मविश्वास नहीं, अपितु आत्म संयम है। उन्होंने जोड़ा कि स्वास्थ्य सुख के लिए योग सर्वोत्तम है। कोरोना काल में योग ने घर-घर में स्वीकृत प्राप्त की थी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के चलते संयुक्त राष्ट्र संघ (ह्ह) द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है। आज विश्व के कोने-कोने में योग पहुँचा है। योग लोगों को स्वस्थ जीवन शैली की प्रेरणा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी नागरिकों को निरामय जीवन की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हम सभी नियमित योगाभ्यास के माध्यम से जीवन को सार्थक बनाने के लिए संकल्पबद्ध बनें।

विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी ने सीमावर्ती क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के आयोजन के लिए राज्य योग बोर्ड तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का आभार व्यक्त किया। चौधरी ने योग दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया योग के महत्व को समझने लगी है। जहाँ मानवता है, वहाँ योग है। उन्होंने जोड़ा कि शरीर के सुख के लिए नहीं, अपितु संपूर्ण शाश्वत सुख के लिए योग आवश्यक है।

राज्य योग बोर्ड के अध्यक्ष शीशपाल राजपूत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में सहभागी हुए सभी लोगों का स्वागत किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग प्रॉटोकोल के अनुसार विभिन्न आसनों व प्राणायामों का निदर्शन कर योग कराए। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में योग अपनाए जाएँ तो योगी व निरोगी बनने के साथ समाज में सहयोगी एवं उपयोगी बनने की प्रेरणात्मक ऊर्जा मिलती है।

उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 'स्वयं और समाज के लिए योग' थीम पर राज्य में विभिन्न स्थानों पर योग दिवस मनाया गया। राज्य स्तरीय समारोह का सीधा प्रसारण समग्र राज्य में किया गया। नडाबेट में आयोजित राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग के प्रधान सचिव अश्विनी कुमार, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक अभिषेक पाठक, पूर्व सांसद परबतभाई पटेल, विधायक केशाजी चौहाण, प्रवीणभाई माळी, अनिकेत ठाकर, लविंगजी सोलंकी, बनासकाँठा जिला कलेक्टर वरुण कुमार बरनवाल, जिला पुलिस अधीक्षक अक्षयराज मकवाणा, सुईगाम प्रांत अधिकारी कार्तिक जीवाणी सहित अधिकारीगण, कर्मचारीगण, योग प्रशिक्षक, योग प्रेमी, योगाभ्यर्थी सहित लगभग 3000 लोग सहभागी हुए।

मुकेश अंबानी के डीपफेक वीडियो से डॉक्टर को लगा 7 लाख का चूना

- मुंबई की एक आयुर्वेदिक डॉक्टर शेयर ट्रेडिंग के नाम पर हुई ठगी का शिकार

मुंबई ।
मुंबई की एक 54 साल की आयुर्वेदिक डॉक्टर शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी का शिकार हो गई। अंधेरी में रहने वाली इस डॉक्टर को इंस्टाग्राम पर एक रील दिखाई गई थी।` जिसमें मुकेश अंबानी एक कंपनी का प्रचार कर रहे थे। यह रील नकली थी और डॉक्टर को 7 लाख रुपये से ज़्यादा का चूना लगा दिया गया। डॉक्टर केकेएच पाटिल ने बताया कि उन्हें इंस्टाग्राम पर एक वीडियो दिखा गया, जिसमें मुकेश अंबानी राजीव शर्मा ट्रेड ग्रुप नाम की कंपनी और उसके बीसीएफ इन्वेस्टमेंट एकेडमी का प्रचार कर रहे थे। वीडियो में अंबानी लोगों को इसमें निवेश करने के लिए कह रहे थे, जिससे उन्हें अच्छा मुनाफा मिलेगा। डॉक्टर पाटिल को यकीन हो गया कि यह वीडियो असली है और उन्होंने 28 मई से 10 जून के बीच 16 अलग-अलग बैंक खातों में कुल 7.1 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। डॉक्टर पाटिल ने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन रिसर्च भी की थी, जिसमें कंपनी के बीकेसी और लंदन में ऑफिस होने की जानकारी मिली थी। उन्हें लगा कि यह एक विश्वसनीय कंपनी है। लेकिन जब उन्होंने ट्रेडिंग वेबसाइट पर दिखाए गए 30 लाख रुपये के मुनाफे को निकालने की कोशिश की, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है। पुलिस ने बताया कि स्कैमर्स ने वीडियो बनाने के लिए डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल किया था। इस तकनीक से किसी भी व्यक्ति का नकली वीडियो बनाया जा सकता है। पुलिस ने इस मामले में आईपीसी की धाराओं के तहत पहचान छिपाने और धोखाधड़ी करने और आईटी अधिनियम की धारा के तहत पहचान की चोरी करने के आरोप में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस बैंकों के नोडल अधिकारियों के संपर्क में है ताकि डॉक्टर पाटिल द्वारा ट्रांसफर किए गए पैसे को ब्लॉक किया जा सके।

एफएमसीजी की बिक्री के लिए ग्रामीण भारत बना चमकता सितारा: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।
रोज उपयोग होने वाली घरेलू वस्तुओं (एफएमसीजी) की बिक्री की बढ़ोतरी के लिए ग्रामीण भारत एक चमकता सितारा बना हुआ है। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 की दूसरी तिमाही में शहरी क्षेत्रों की तुलना में इस क्षेत्र में विस्तार की बेहतर गति बनाए रखने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण भारत 2024 की दूसरी तिमाही अप्रैल-जून में एफएमसीजी कंपनियों के लिए शहरी बाजारों की तुलना में बेहतर वृद्धि स्तर बनाए रखेगा। रिपोर्ट में ग्रामीण बाजार को चमकता सितारा बताते हुए कहा गया है कि 2024 में इसमें पुनरुत्थान होने की संभावना है। जहां शहरी क्षेत्र के तनाव में रहने की संभावना है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र साल की दूसरी तिमाही में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस वृद्धि को इसी साल फरवरी में पेश अंतरिम बजट में सरकार द्वारा क्षेत्र-केंद्रित उपायों से मदद मिली है और इससे स्थिरता आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा इस साल जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, वहां लोकलुभावन उपायों की उम्मीद की जा रही है। हमें यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि आने वाले महीनों में कई

राज्यों में चुनाव होने वाले हैं और दूसरी छमाही में ग्रामीण बाजार के लिए लोकलुभावन उपायों में वृद्धि ही देखने को मिलेगी।

एफएसएसएआई ने ताजसैट्स को सुधार नोटिस जारी किया

- एयर इंडिया की एक उड़ान में खाने के सामान में ब्लेड पाये जाने का मामला

नई दिल्ली ।
भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एयर इंडिया की एक उड़ान के दौरान खाने में ब्लेड जैसी वस्तु पाये जाने के मामले में ताजसैट्स को सुधार नोटिस जारी किया। एयरलाइन के खाने के सामान की आपूर्ति ताजसैट्स करती है। यह घटना नौ जून की है। एफएसएसएआई ने ताजसैट्स बेंगलुरु में एक निरीक्षण किया। एयरलाइन को वहीं से खाने के सामान की आपूर्ति की गई थी। एफएसएसएआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमने ताजसैट्स बेंगलुरु में विस्तृत निरीक्षण के बाद उसे एक सुधार नोटिस जारी किया है। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत यदि खाद्य कारोबार से जुड़ा परिचालक किसी भी नियम का पालन करने में विफल रहा है और उसे उचित अवधि के भीतर जरूरी कदम उठाने आवश्यकता है, उसे सुधार नोटिस जारी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनी को 15 दिन के भीतर नोटिस का अनुपालन करने के लिए कहा गया है। एयर इंडिया और उसके खान-पान की आपूर्ति से जुड़े भागीदार ताजसैट्स का स्वामित्व टाटा समूह के पास है। एयरलाइन ने इस घटना के लिए माफी मांगी। उसने कहा कि यह घटना उसके कैटरिंग भागीदार ताजसैट्स में उपयोग की जाने वाली सब्जी प्रसंस्करण मशीन से हुई।

खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने पाया कि ब्लेड एक स्वचालित सब्जी 'कटर' का था जो अलग होकर सब्जी के टुकड़े के अंदर फंस गया था। राव ने कहा कि इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ताजसैट्स को निरीक्षण और रखरखाव प्रक्रियाओं को मजबूत करने के साथ-साथ एक्स-रे मशीन लगाने तथा हाथ से सब्जी काटने सहित अन्य सुधार करने का निर्देश दिया गया है।

सोने की कीमतों में तेजी,चांदी हुई सस्ती

नई दिल्ली ।
सोने के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। इस समय सोने के वायदा भाव 72,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव तेजी और चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 91 रुपये की तेजी के साथ 72,677 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 413 रुपये की गिरावट के साथ 91,252 रुपये पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 239 रुपये की गिरावट के साथ 91,436 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। जबकि सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले।

कॉमेक्स पर सोना 2,373.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,369 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,373.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.81 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.82 डॉलर था। इस समय यह 0.26 डॉलर की गिरावट के साथ 30.55 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

चीन में चल रहा है चालक रहित कारों का प्रयोग

-16 या उससे ज़्यादा शहरों ने कंपनियों को दी है परीक्षण की अनुमति

नई दिल्ली ।
पूरे चीन में 16 या उससे ज़्यादा शहरों ने कंपनियों को सार्वजनिक सड़कों पर चालक रहित वाहनों का परीक्षण करने की अनुमति दी है और कम से कम 19 चीनी वाहन निर्माता और उनके आपूर्तिकर्ता इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। कोई भी दूसरा देश इतनी आक्रामकता से आगे नहीं बढ़ रहा है।

चीन के मध्य भाग में वुहान शहर की व्यस्त सड़कों पर चालक रहित कारों का दुनिया का सबसे बड़ा प्रयोग चल रहा है। वुहान में 11 मिलियन लोग रहते हैं, 4.5 मिलियन कारें हैं, आठ लेन एक्सप्रेसवे हैं और यांग्त्ज़ी नदी के कीचड़ भरे पानी पर ऊंचे पुल हैं। 500 टैक्सियों का बेड़ा कंप्यूटर द्वारा संचालित है, जिनमें अक्सर बैकअप के लिए कोई सुरक्षा चालक नहीं होता। इन्हें चलाने वाली कंपनी टेक दिग्गज बायडू ने पिछले महीने कहा था कि वह वुहान में 1,000 और तथाकथित रोबोट टैक्सियाँ जोड़ेगी।

जानकारी के अनुसार, सरकार कंपनियों को महत्वपूर्ण मदद प्रदान कर रही है। रोबोट टैक्सियों के लिए ऑन-रोड परीक्षण क्षेत्रों को नामित करने वाले शहरों के अलावा सेंसर इस नई तकनीक के बारे में लोगों के डर को कम करने के लिए सुरक्षा घटनाओं और दुर्घटनाओं की ऑनलाइन चर्चा को सीमित कर रहे हैं। ऑटोमोटिव कंसल्टिंग फर्म जेडी पावर द्वारा किए गए सर्वेक्षणों में पाया गया कि चीनी ड्राइवर अमेरिकियों की तुलना में अपनी कारों को चलाने के लिए कंप्यूटर पर भरोसा करने के लिए अधिक इच्छुक हैं।

वुहान किंगचुआन पैवेलियन के पास एक छोटी सी किराने की दुकान के मालिक झांग मिंग ने कहा, मुझे लगता है कि सुरक्षा के बारे में बहुत अधिक चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, इसे सुरक्षा अनुमोदन से गुजरना होगा।

वुहान किंगचुआन पैवेलियन के पास एक छोटी सी किराने की दुकान है, जहाँ कई बैदू रोबोट टैक्सियाँ रुकती हैं। चालक रहित कारों के विकास में चीन के अग्रणी होने का एक और कारण डेटा पर उसका सख्त और लगातार कड़ा होता नियंत्रण है।

रुपया तीन पैसे बढ़कर 83.58 डॉलर पर

मुंबई । विदेशी पूंजी के सतत प्रवाह और मजबूत घरेलू शेयर बाजार से बनी धारणा की वजह से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे बढ़कर 83.58 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया गुरुवार को 17 पैसे की भारी गिरावट के साथ दो माह के निचले स्तर 83.61 प्रति डॉलर पर पहुंच गया था। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि रुपया को अमेरिकी मुद्रा में गिरावट और विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय रुपया 83.60 पर खुला और डॉलर के मुकाबले दो पैसा मजबूत होकर 83.58 पहुंच गया, जो पिछले सत्र से तीन पैसे ज्यादा है। इस बीच छह मुद्राओं की एक तुलना में अमेरिकी मुद्रा का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.21 पर कारोबार कर रहा था।

पिछले एक साल में 154 फीसदी उछले एनएमडीसी के शेयर

मुंबई । राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) के शेयरों ने पिछले एक साल में 154 फीसदी छलांग लगाकर अपने निवेसकों को तगड़ा रिटर्न दिया है। एनएमडीसी का शेयर अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर के करीब है। शुक्रवार को एनएमडीसी के शेयर 275 रुपये के लेवल पर खुले, जबकि पिछले दिन यह 273.20 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए थे। एनएमडीसी का लक्ष्य वित्त वर्ष 30 तक लौह अयस्क उत्पादन क्षमता को 100 मिलियन टन तक पहुंचाना है। ब्रोकरेज फर्म एनएमडीसी को रडार पर रख रही हैं। एक रिपोर्ट में ओडिशा माइनिंग कॉरपोरेशन द्वारा आयोजित नीलामी में लौह अयस्क चूर्ण के लिए बोलियों में कमी की रिपोर्ट की है। पिछले महीने की तुलना में बोली की कीमतों में 1000 रुपये प्रति टन की गिरावट आई है। इससे संकेत मिलता है कि एनएमडीसी को अगले दौर में कीमतों में कटौती करनी होगी। जुलाई माह की डिलीवरी के लिए नीलामी अगले सप्ताह होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी), भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है।

यूलिप को निवेश उत्पाद के रूप में प्रचारित करने पर रोक

नई दिल्ली । भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एक मुख्य परिपत्र जारी कर यूनिट लिंक्ड बीमा योजनाओं (यूलिप) को निवेश उत्पाद के रूप में प्रचारित करने पर रोक लगा दी है। इरडा के हाल ही में जारी किए गए परिपत्र में कहा गया कि यूनिट-लिंक्ड या इंडेक्स-लिंक्ड बीमा उत्पादों को निवेश उत्पाद के रूप में विज्ञापित नहीं किया जाएगा। बीमा कंपनियों को स्पष्ट रूप से यह बताना होगा कि बाजार से जुड़ी बीमा योजनाएं पारंपरिक बंदोबस्ती पॉलिसियों से भिन्न हैं और उनमें जोखिम भी होता है। इसी तरह भाग लेने वाली बंदोबस्ती पॉलिसियों को पहले ही यह बताना होगा कि मुनाफे में अनुमानित बोनस की गारंटी नहीं है। इरडा ने कहा कि परिवर्तनीय वार्षिकी भुगतान विकल्प के साथ लिंक्ड बीमा उत्पादों और वार्षिकी उत्पादों के सभी विज्ञापनों में जोखिम कारकों का खुलासा किया जाएगा।

पीएनबी के कई अकाउंट 30 जून के बाद बंद हो जाएंगे!

नई दिल्ली । पंजाब नेशनल बैंक के कई बैंक अकाउंट 1 जुलाई से बंद हो जाएंगे। इसके लिए बैंक अपने ग्राहकों को अलर्ट भेज रहा है। पिछले 3 सालों से जो सेविंग अकाउंट एक्टिव नहीं है वह सभी अकाउंट 1 जुलाई से बंद हो जाएंगे। दरअसल, बैंक उन ग्राहकों का अकाउंट बंद करने वाला है जिनके अकाउंट में पिछले कुछ सालों में कोई ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है या फिर उसनें जीरो बैलेंस है। पीएनबी ने अपने ग्राहकों को कहा है कि वह एक बार अपने सेविंग अकाउंट का स्टेटस जरूर चेक करें। बैंक ने उन ग्राहकों को नोटिस भेजा है जिनके अकाउंट में पिछले तीन साल से कोई ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है। बैंक ने कहा कि ग्राहक को अपने अकाउंट को एक्टिव रखने के लिए बैंक ब्रांच में जाकर केवाईसी करवाना होगा। केवाईसी के साथ ग्राहक को उससे संबंधित डॉक्यूमेंट्स को अटैच करना होगा। पीएनबी ने बताया कि कई स्कैमर्स इस तरह के अकाउंट का गलत इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में फ्रॉड के मामले को रोकने के लिए बैंक द्वारा यह फैसला लिया गया है। बैंक ने बताया कि वह डीमैट अकाउंट को बंद नहीं करेंगे। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना जैसी सरकारी स्कीम के लिए जो अकाउंट ओपन हुए हैं वह भी बंद नहीं होंगे। इसी तरह माइनर सेविंग अकाउंट पर भी ये नियम लागू नहीं होता है।

पिछले 6 साल में रियल एस्टेट में 9.63 लाख करोड़ के कर्ज स्वीकृत हुए- रिपोर्ट

नई दिल्ली । पिछले 6 साल के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र में 9.63 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत हुए थे और अगले तीन वर्षों में 14 लाख करोड़ रुपये के ऋण वित्तपोषण की संभावना है। एक रिपोर्ट में यह उम्मीद जताई गई है। एक रियल एस्टेट परामर्शदाता और रियल एस्टेट डेटा विश्लेषक की एक संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र में पिछले छह वर्षों में 9,63,441 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत हुए हैं। इस तरह औसतन 1,61,000 करोड़ रुपये के ऋण हर साल स्वीकृत हुए। सलाहकार फर्म ने कहा कि कुल ऋण बाजार में 2024-2026 के बीच भारतीय रियल एस्टेट में 14,00,000 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के अवसर की संभावना है। देश के शीर्ष सात शहरों में स्वीकृत कर्जों के विश्लेषण के आधार पर पता चलता है कि मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु की पिछले छह वर्षों में स्वीकृत कुल कर्जों में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान 2018 में आईएलएंडएफएस की वजह से पैदा हुए एनबीएफसी संकट और 2020 में कोविड महामारी के दुष्प्रभाव जैसी चुनौतियों ने ऋण बाजार में मंदी पैदा की थी। लेकिन 2021 के बाद से रियल एस्टेट बाजारों के पुनरुद्धार ने कर्जदाताओं और कर्जदारों दोनों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई।
घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया हे। विदेशी निवेशकों की बेरुखी से भी बाजार पर बल पड़ा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 269.03 अंक करीब 0.35 फीसदी नीचे आकर 77,209.90 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 65.90 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी नीचे आकर अंत में 23,501.10 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 9 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एयरटेस, इंफोसिस, टीसीएस, जेएसडब्ल्यू स्टील और एनटीपसी सेंसेक्स के शेयर लाभ में रहे। वहीं

कोटक बैंक, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, ब्रिपो और मारुति के शेयर ऊपर आये हैं। दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, नेस्ले इंडिया और एचयूएल सेंसेक्स के सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गयी। बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू बाजार में हल्की मुनाफावसूली से भी गिरावट आई है। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी50 ने हरे निशान में कारोबार की शुरुआत की। बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स 122 अंकों की बढ़त के साथ 77,611 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि 50-शेयर वाला निफ्टी50 50 अंकों की बढ़त के साथ 23,620 के स्तर पर पहुंच गया। बाद में निफ्टी50 ने 23,667 का नया रिकॉर्ड उच्चतम स्तर छुआ, जो पिछले उच्चतम स्तर 23,664 को पार कर गया। व्यापक बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों ने भी अग्रणी सूचकांकों के साथ मिलकर 0.4 से 0.49 फीसदी की रेंज में बढ़त हासिल की।

मुनाफा के मामले में हुंडई ने मारुति सुजुकी को पीछे छोडा

-दो कंपनियों से कहीं अधिक कमाई कर रही हुंडई

नई दिल्ली ।
हुंडई मोटर्स कंपनी ने मुनाफा कमाने के मामले में मारुति सुजुकी को पीछे छोड़ दिया है। मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी कार निर्माता एक कार के बिकने पर इन दोनों कंपनियों से कहीं अधिक कमाई कर रही है। वित्त वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में हुंडई ने एक कार के बिकने पर 75,000 रुपये का कुल लाभ कमाया, जो कि मारुति सुजुकी से 25 प्रतिशत अधिक था। इसी दौरान मारुति सुजुकी ने एक कार की बिक्री पर 60,150 रुपये का कुल लाभ कमाया। देश की तीसरी बड़ी कार निर्माता टाटा मोटर्स ने अपने पैसेंजर व्हीकल डिवीज़न के कुल लाभ के बारे में जानकारी नहीं दी, लेकिन कंपनी ने बताया कि टैक्स के पहले उसका प्रति कार पर लाभ 21,300 रुपये था। भारत में कभी हैचबैक कारों की सबसे बड़ी निर्माता रही हुंडई मोटर अब प्रमुखता से स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों को बना रही है। अब कंपनी की सबसे अधिक बिकने वाली कार कोई हैचबैक नहीं बल्कि एक एसयूवी है। भारतीय बाजार में कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार क्रेटा मिड-साइज एसयूवी है। कंपनी के पोर्टफोलियो में एसयूवी मॉडल की संख्या बढ़ी है, तो वहीं अब कंपनी केवल दो हैचबैक मॉडल - ग्रैंडआई10 निओस और आई20 की बिक्री कर रही है। हुंडई द्वारा बेची जा रही कारों की औसत कीमत 8.92 लाख रुपये है, जबकि मारुति की 6.33 लाख रुपये और टाटा की 9.07 लाख रुपये है। हुंडई मोटर की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया भारतीय शेयर बाजार में अपना आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। हुंडई भारतीय बाजार में 14.2 करोड़ इक्विटी शेयर जारी कर सकती है जिसके जरिये कंपनी 2.5-3 बिलियन डॉलर की रकम जुटाएगी। यह भारतीय बजार में मारुति सुजुकी के बाद किसी ऑटोमोबाइल कंपनी का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। मार्केट रेगुलेटर को सौंपी गई जानकारी में कार निर्माता ने बताया कि वह भारतीय बाजार में 4 इलेक्ट्रिक वाहनों को लॉन्च करेगी। इसमें क्रेटा ईवी भी शामिल होगी जिसे इस वित्त वर्ष के अंतिम तिमाही में लॉन्च किया जाएगा। मौजूदा समय में हुंडई भारतीय बाजार में दो इलेक्ट्रिक कारें आयोनिक 5 और कोना इलेक्ट्रिक की बिक्री कर रही है जिनकी कीमत क्रमशः 45 लाख रुपये और 24 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। कंपनी का कहना है कि वह शुरूआत में प्रीमियम इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी, लेकिन बाद में आम ग्राहकों के लिए भी इलेक्ट्रिक कारें लाई जाएंगी।

सनफार्मा ने भारत में एक दवा पेश करने टकेडा से किया समझौता

नई दिल्ली ।
फार्मास्युटिकल कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने भारत में एक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल दवा के व्यावसायीकरण के लिए टकेडा फार्मास्युटिकल कंपनी के साथ लाइसेंसिंग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस दवा का उपयोग पाचन संबंधी विकारों के उपचार में किया जाता है। मुंबई की कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उसने भारत में 10 और 20 मिलीग्राम की मात्रा में वोनोप्राज़न टैबलेट के व्यावसायीकरण के लिए टेकेडा के साथ एक गैर-अनन्य पेटेंट लाइसेंसिंग समझौता किया है। वोनोप्राजन एक नया, सक्रिय पोटेशियम प्रतिस्पर्धी एसिड अवरोधक (पीसीएबी) है, जिसका उपयोग रिफ्लक्स एसोफैगिटिस और अन्य अम्ल पाचन संबंधी विकारों के इलाज के लिए किया जाता है। सनफार्मा के भारतीय कारोबार के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सन फार्मा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में अग्रणी है और हम टकेडा से गैर-अनन्य पेटेंट लाइसेंस के तहत भारत में वोनोप्राजन को पेश करने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्वास्थ्य के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत यह रोगियों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को रिफ्लक्स एसोफैगिटिस और अन्य पाचन संबंधी विकारों के लिए एक नया उपचार विकल्प देती है। गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स रोग (जीईआरडी) भारत में आम है।

टी20 विश्व कप: सुपर आठ में आज बांग्लादेश पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। भारतीय टीम का मुकाबला शनिवार को आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर आठ चरण के दूसरे मैच में बांग्लादेश से होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम ने सुपर आठ के पहले मैच में अफगानिस्तान को आसानी से हराया है। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में है जिसका लाभ उसे मिलेगा। अफगानिस्तान के खिलाफ सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या ने अच्छी बल्लेबाजी की थी जिससे वह यहां भी जारी रखना चाहेंगे। भारतीय टीम हालांकि इसके बाद भी बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली अब तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाये हैं और ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में अच्छी साझेदारी बनाना रहेगा। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे भी अब तक इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं ऐसे में उनपर भी तेजी से रन बनाने का दबाव रहेगा। आईपीएल वह जिस प्रकार से बड़े शॉट लगा रहे थे वैसे यहां नहीं लगा पाये हैं। उन्होंने केवल एक लीग मैच में अमेरिका के खिलाफ 31 रन बनाए अगर वह इस मैच में विफल रहे तो अगले मैच में उन्हें बाहर बैठना पड़ेगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में हार्दिक का बल्लेबाजी फॉर्म में लौटना भारतीय टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं गेंदबाजी में भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। स्पिनर कुलदीप यादव ने अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी। ऐसे में उन्हें इस मैच में भी बनाये रखा जाएगा। मैच के बाद अक्षर पटेल ने कहा था कि बाएं हाथ के तीन स्पिनरों को उतारने से टीम को दबाव बनाने का अवसर है। एक कलाई के स्पिनर और दो ऊंगली के स्पिनर होने से हमे लाभ हुआ है। इन तीनों का संयोजन जबर्दस्त रहा है। हमारे पास अच्छी टीम है और हमारा तालमेल बेहतरीन है।

हम आपस में बात करते हैं कि देखते हैं कि जीत के लिए किस चीज की जरुरत है।

भारतीय टीम इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेगी।

वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है जिससे वह दबाव में रहेगी। सुपर आठ में उसे अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से भी हार का सामना करना पड़ा था। अब वह अपनी उम्मीदें बनाए रखने के लिये हर हालत में जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। उसके पास पावर हिटर्स की कमी है। सलामी बल्लेबाजों लिटन दास और तंजीद खान का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं है। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो भी टीम के शीर्ष क्रम की असफलता से परेशान हैं। ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद उन्होंने कहा था कि शुरुआती बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी लय में नहीं है जिससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ीं हैं। ऐसे में कुल मिलाकर देखें तो इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

टीम

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश = नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपरआठ मुकाबले में हैट्रिक लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। कमिंस ने इस मैच में लगातार तीन गेंदों पर विकेट लेकर बांग्लादेश की बल्लेबाजी को ढ़हा दिया।

कमिंस ने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर महमूदुल्लाह को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद अगली गेंद पर मेहदी हसन को एडम जम्पा के हाथों कैच कराया। इसके बाद अगले ही ओवर की पहली ही गेंद पर कमिंस ने तौहीद हृदय को पेवेलियन भेजकर अपनी हैट्रिक पूरी की। यह पारी का 20वां ओवर था। कमिंस ने इस मैच में 4 ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए। यह टी20 विश्वकप इतिहास में सातवीं बार है जब किसी गेंदबाज ने इस प्रकार से हैट्रिक लगायी है। विश्वकप में पहली हैट्रिक ऑस्ट्रेलिया के ही ब्रेट ली के नाम है। ब्रेट ली ने भी ये हैट्रिक साल 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ लगायी थी। इस प्रकार कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं।

टी20 विश्व कप इतिहास में केवल पांच टीमों के गेंदबाज के नाम ही हैट्रिक हैं। इनमें से दो-दो गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्रेट ली के बाद ये कारनामा कमिंस ने किया है। जबकि आयरलैंड की ओर से कर्टिस कैम्फर और जोशुआ लिटिल ने हैट्रिक लगायी है। इसके अलावा श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा और यूएई के कार्तिक मयप्पन ने भी हैट्रिक लगायी है।

सोशल मीडिया से गोपनीयता हुई प्रभावित : ब्रेट ली

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि सोशल मीडिया के आने के बाद मोबाइल कैमरा सबसे अच्छी और सबसे खराब चीज बन गयी है। ली ने कहा कि साल 2000 के दशक की शुरुआत में जब फोन आए थे, लोग आपके साथ एक फोटो लेते थे। एक ऑटोग्राफ और एक तस्वीर होती थी। साल 2015 और 2020 के मध्य में अब क्या होता है कि खिलाड़ी हमेशा शो में रहते हैं। कोई भी जो किसी लीग में खेल रहे हैं, वे हमेशा शो में रहते हैं, वे डिनर के लिए बाहर जाते हैं। ली ने कहा कि फोन कैमरा की अच्छी बात यह है कि आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ खूबसूरत यादें कैद कर सकते हैं पर इससे हमारी गोपनीयता प्रभावित हुई है। अगर आप अपने परिवार, अपने प्रियजनों, दोस्तों के साथ डिनर कर रहे हैं अचानक ही कोई एक तस्वीर ले लेता है और यह तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। अब, आपको भी इससे निपटने और इसे स्वीकार करने में सक्षम होना होगा।

वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल बेवन ने कहा कि सोशल मीडिया युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। बेवन ने कहा कि युवा पीढ़ी सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करती है इससे उनके करियर पर प्रभाव पड़ेगा। उन्हें यह निर्णय लेना होगा कि वे टिप्पणियां पढ़ना चाहते हैं या कितना पोस्ट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं कल्पना कर सकता हूं कि आधुनिक समय के कुछ खिलाड़ियों के लिए यह आसान नहीं रहेगा। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉस टेलर ने टेलर ने कहा कि आजकल सोशल मीडिया के कारण सभी की नजरें खिलाड़ियों पर रहती हैं इसलिए सभी बातों का ध्यान रखना जरुरी है। टेलर सोशल मीडिया से हो रही इस निगरानी को गलत भी नहीं मानते।

उलटफेर में माहिर अमेरिका के खिलाफ वेस्टइंडीज के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के पहले मुकाबले में मिली हार के बाद वेस्टइंडीज को सेमीफाइनल की उम्मीदें बरकरार रखने के लिए 'छिपे रूस्तम' अमेरिका के सामने शनिवार को दूसरे मैच में हर हालत में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। ग्रुप चरण में अपराजेय रहने के बाद वेस्टइंडीज को सुपर आठ चरण के पहले मैच में गत चैम्पियन इंग्लैंड ने आठ विकेट से हराया।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज स्ट्राइक रोटेट करने में नाकाम रहे और पारी में 51 डॉट गेंदें रही। इस हार के बाद रोवमैन पॉवेल की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे खिसक गई है और उसका नेट रनरेट भी माइनस 1.343 है। उसे तीसरा खिताब जीतने की उम्मीदें बनाए रखने के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। दूसरी ओर पहले ही मैच में पाकिस्तान को हराने के बाद अमेरिका ने भले ही कोई मैच नहीं जीता हो लेकिन भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका पर अप्रत्याशित जीत के करीब पहुंचने के बाद 18 रन से हार गई।

सह मेजबान अमेरिका ने अभी तक आक्रामक क्रिकेट खेली है और इस मैच में भी उससे यही उम्मीद होगी। अमेरिकी बल्लेबाज स्टीवन टेलर ने मैच से पूर्व कहा, 'हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं और टीम का आपसी तालमेल कमाल का है। हमें पता है कि सुपर आठ की बाकी टीमों के सामने हमें कमजोर माना जाएगा। हम यहां अच्छा खेलने आए हैं। ऐसा कर सके तो जीतेंगे वरना हारेंगे।'

अमेरिका की कमजोरी उसका अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण है जिसके लिए वेस्टइंडीज के पावर हिटर्स निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल और पॉवेल को गेंदबाजी करना बड़ी चुनौती होगा। उप-कप्तान आरोन जोंस ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के बाद कहा था, 'हमारी गेंदबाजी में अनुशासन का अभाव रहा। अच्छा क्रिकेट खेलने पर हम किसी भी टीम को हरा सकते हैं लेकिन हमें अनुशासित प्रदर्शन करना होगा।'

दूसरी ओर वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने कहा कि उनकी टीम का मनोबल गिरा नहीं है। उन्होंने कहा, 'किसी टूर्नामेंट में किसी मैच में विरोधी टीम आप पर हावी हो जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि आप बाहर ही हो गए हैं। अब हमें सारे मैच जीतने होंगे और हमारा फोकस उसी पर है।% इंग्लैंड के खिलाफ बाजू में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ने को मजबूर हुए ब्रेंडन किंग का खेलना संदिग्ध है। उनके नहीं खेलने पर शिमरोन हेटमायेर को टीम में जगह मिलेगी। वहीं अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद से बाहर हैं।

टीमें

अमेरिका = मोनांक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज़ गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रलवकर, शैडली वैन शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर।

वेस्टइंडीज = रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को सही नहीं मानते एम्बरोज

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे कर्टली एम्बरोज ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार काफी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला जा रहा है वह ठीक नहीं है। एम्बरोज के अनुसार इससे खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'अब खेल का व्यवसायीकरण हो गया है। इतना ज्यादा क्रिकेट इसी कारण खेला जा रहा है। एक श्रृंखला के बाद दूसरी श्रृंखला और इस बीच फ्रेंचाइजी क्रिकेट अलग चलता रहता है। यह रोमांचक है पर इतना ज्यादा क्रिकेट चिंता का विषय है, इससे खिलाड़ियों की फिटनेस प्रभावित हो रही है। एम्बरोज ने सीमित ओवरों की क्रिकेट भी काफी खेली है पर उनका मानना है कि लीजैंड टेस्ट क्रिकेट से ही निकलते हैं। उन्होंने कहा, 'मैने हमेशा टेस्ट क्रिकेट को वरीयता दी है। मैने वनडे और चार दिवसीय क्रिकेट भी खेला है लेकिन मेरे लिए वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं है। टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है। अपने करियर के अंत में आप लीजैंड तभी कहलाएंगे जब आपने टेस्ट क्रिकेट में अच्छा किया हो। वहीं इस पूव तेज गेंदबाज ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें अपने एक्शन में कोई बदलाव नहीं करना चाहिये। बुमराह के लिए ये राहत की बात है क्योंकि इससे पहले कई क्रिकेटरों का कहना था कि उन्हें अपने एक्शन को ठीक करना चाहिये क्योंकि इससे चोटिल होने का खतरा है। वहीं एम्बरोज के अनुसार कि अपने गैर पारंपरिक गेंदबाजी एक्शन में बुमराह कोई भी बदलाव करे। उनका मानना है कि हर तेज गेंदबाज को चोटिल होने का खतरा उठाना ही पड़ा है। इसमें एक्शन से कुछ फर्क नहीं पड़ता है।

ऋषभ पंत का बतौर विकेटकीपर कमाल, एक साथ तोड़ा दिग्गजों का कीर्तिमान

मुम्बई। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 मुकाबले में भारत ने अफगानिस्तान की टीम को 47 रन से हराया और इस मैच में ऋषभ पंत ने बतौर विकेटकीपर 3 कैच पकड़कर एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। भारत और अफगानिस्तान के इस मैच में अफगानिस्तान के सभी 10 खिलाड़ी कैच आउट हुए जिसमें से 3 कैच पंत ने लपके। पंत के अलावा इस मैच में रविंद्र जडेजा ने 3 कैच लपके। पंत के अलावा इस मैच में रविंद्र जडेजा ने 3, रोहित शर्मा ने 2 जबकि अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने एक-एख कैच लिए। पंत ने इस मैच में विकेट के पीछे कमाल का काम किया और एक साथ 5 खिलाड़ियों के रिकॉर्ड तोड़ डाले। पंत ने अफगानिस्तान के 3 खिलाड़ियों का कैच पकड़ा और एक साथ एडम गिलक्रिस्ट, मैथ्यू वेड, जोस बटलर, स्कॉट एडवर्ड्स और दासुन शनाका का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पंत ने टी20 वर्ल्ड कप म2024 के अब तक हुए मैचों में कुल 10 कैच पकड़े हैं और वो अब वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के एक सीजन में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए। पंत से पहले ये कमाल गिलक्रिस्ट ने साल 2007, मैथ्यू वेड ने साल 2021, जोस बटलर ने साल 2022, स्कॉट एडवर्ड्स ने साल 2022 और दासुन शनाका ने साल 2022 में ही बतौर विकेटकीपर 9-9 कैच लिए थे। लेकिन अब पंत ने एख सात इन सभी को पीछे छोड़ दिया।

टीम में अपनी जगह बनाये रखने प्रदर्शन में निरंतरता का प्रयास कर रही शर्मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की फारवर्ड शर्मिला देवी ने कहा है कि अपने को बेहतर बनाने की चाहत के कारण ही वह टीम में वापसी कर पायी हैं। शर्मिला काफी समय तक टीम से बाहर रहने के बाद इसी साल एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच से वापसी करने में सफल रही थीं। इस खिलाड़ी ने कहा है कि वह अब टीम में अपनी जगह बनाये रखने के लिए अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखने का प्रयास कर रही हैं। शर्मिला ने कहा कि टीम से बाहर होने का दौर मुश्किल भर था पर उसे दौरान वह मानसिक रुप से मजबूत बनी रहीं जिसका लाभ उन्हें मिला है। इस खिलाड़ी ने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल मई में टेस्ट श्रृंखला के बाद मुझे इस साल फरवरी 2024 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला। बीच का दौर मुश्किल था पर मैं सकारात्मक रुख के साथ धैर्यपूर्वक अपने अवसर का इंतजार करती रही।'' शर्मिला ने कहा ''मैंने अपने खेल पर काफी काम किया। मैं इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थी कि वापसी का यही एकमात्र रास्ता है और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। फारवर्ड के रूप में अपने कौशल पर काम करने के अलावा मैंने रक्षात्मक मामलों पर भी ध्यान दिया।''

यूरो 2024 : गत चैम्पियन इटली को हराकर स्पेन नॉकआउट चरण में पहुंचा

गेलसेनकिरचेन (जर्मनी)। तीन बार की यूरोपीय चैम्पियन स्पेन ने मौजूदा चैम्पियन इटली को 1.0 से हराकर यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। रिकार्डो कालाफियोरी के 55वें मिनट में किये गए आत्मघाती गोल से स्पेन को जीत तोहफे में मिली। स्पेन ने हालांकि पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। इटली के कोच लूसियानो स्पालेत्ती ने हार के बाद कहा, 'वे जीत के हकदार थे। हम मैच में कभी थे ही नहीं। प्रदर्शन में काफी अंतर था।' स्पेन पिछले तीन विश्व कप से जल्दी बाहर होता आया है। वहीं पिछली यूरो चैम्पियनशिप में उसे इटली ने सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हराया था। ग्रुप सी के मैच में इंग्लैंड ने डेनमार्क से 1.1 से ड्रॉ खेला। वहीं सर्बिया और स्लोवेनिया का मैच भी 1.1 से ड्रॉ रहा।

ओडिशा सरकार ने हॉकी इंडिया के साथ प्रायोजन करार 2036 तक बढ़ाया

भुवनेश्वर। (एजेंसी)। ओडिशा की नवनिर्वाचित भाजपा सरकार ने हॉकी को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए हॉकी इंडिया के साथ अपना प्रायोजन करार 2036 तक बढ़ा दिया है। ओडिशा के लिए वर्ष 2036 विशेष महत्व रखता है, क्योंकि तब उसकी स्थापना के 100 साल पूरे हो जाएंगे। ओडिशा 1936 में स्वतंत्र राज्य बना था।

इस साझेदारी को हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, खेल और युवा मंत्री सूर्यवंशी सूरज, मुख्य सचिव और मुख्य विकास आयुक्त प्रदीप कुमार जेना और आयुक्त-सह-सचिव आर विनील कृष्णा की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय बैठक में मूर्तरूप दिया गया। टिर्की ने बयान में कहा, ''ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और खेल एवं युवा मंत्री सूर्यवंशी सूरज के साथ हमारी सार्थक बैठक हुई।

हमने खेलों के विकास और हमारे प्रिय खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की रणनीतियों पर चर्चा की।'' भोलानाथ ने कहा,''भारतीय हॉकी के लिए ओडिशा सरकार का समर्थन अमूल्य रहा है। हॉकी इंडिया के साथ भागीदारी 2036 तक बढ़ाने पर विचार करने का फैसला उनके खेल और युवा विकास को बढ़ावा देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

कैरन्स कप शतरंज : हरिका तीसरे स्थान पर पहुंची ,तान की बढ़त कायम

सैंट लुईस, यूएसए। भारतीय महिला खिलाड़ियों में हरिका द्रोणावल्ली लंबे समय से प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल है और शतरंज ओलंपियाड में देश के लंबे समय से वह देश के लिए प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ी रही है, एक बार फिर जब शतरंज ओलंपियाड नजदीक है हरिका लगातार अंतर्राष्ट्रीय मुक़ाबले खेलकर खुद को लय में वापस लाने की कोशिश कर रही है, हरिका नें कुछ दिन पहले ही शारजाह मास्टर्स से शतरंज में वापसी की थी और वह वह यूएसए के महिलाओं के लिए खास होने वाले कैरन्स कप में प्रतिभागिता कर रही है। सातवें राउंड में हरिका नें उक्रेन की शीर्ष खिलाड़ी एना मुजयचूक से बाजी ड्रॉ खेली। 10 खिलाड़ियों के बीच राउंड रॉबिन आधार पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में हरिका नें अब तक सात राउंड में छह मुक़ाबले ड्रॉ खेले है जबकि उन्हे एकमात्र जीत स्विट्जरलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक के खिलाफ मिली है ,अपने इस अपराजेय प्रदर्शन के चलते फिलहाल हरिका 4 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर चल रही है। सातवें राउंड में चीन की तीन ज्होंगाई 5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रही है, तान नें सातवे राउंड में एलिज़ाबेथ को पराजित करते हुए टूर्नामेंट में तीसरी जीत दर्ज की है। फिलहाल चीन की तान 5 अंक बनाकर पहले स्थान पर चल रही है और अगले राउंड में हरिका का सामना उनसे ही होना है। स्विट्जरलैंड की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक लगातार जीत के साथ वापसी करते हुए 4.5 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गयी है।

सानिया मिर्जा और मोहम्मद शमी कर रहे शादी? टेनिस आइकन के पिता ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क = सानिया मिर्जा और मोहम्मद शमी देश के दो सबसे सफल खिलाड़ियों में से हैं। सानिया भारत की सबसे महान महिला टेनिस खिलाड़ी हैं जबकि शमी चैंपियन तेज गेंदबाज हैं जिन्होंने वनडे विश्व कप 2023 में अपने शानदार प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट टीम को फाइनल में पहुंचाया। हाल ही में दोनों की शादी की अफवाहें उड़ रही हैं। इन अफवाहों पर सानिया के पिता ने चुप्पी तोड़ते हुए सच्चाई बताई है।

इस साल की शुरुआत में सानिया और पाकिस्तान के क्रिकेट स्टार शोएब मलिक का तलाक हो गया था, वहीं शमी भी अपनी पत्नी हसीन जहां से अलग हो चुके हैं। हालांकि शादी की अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। सानिया मिर्जा के पिता इमरान ने कहा, 'यह सब बकवास है। वह उनसे मिली भी नहीं है।'

भारतीय टेनिस आइकन सानिया मिर्जा ने हाल ही में हज की पवित्र यात्रा शुरू की, लगभग 5 महीने पहले उन्होंने अपने क्रिकेटर पति शोएब मलिक से अलग होने की घोषणा की थी। सानिया ने पेशेवर टेनिस से भी संन्यास ले लिया है। सोशल मीडिया पर भारतीय खेल आइकन ने खुलासा किया था कि वह अब एक 'परिवर्तनकारी अनुभव' के लिए तैयार हो रही हैं, जिससे उन्हें एक बेहतर इंसान के रूप में लौटने की उम्मीद है।

रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सानिया ने लिखा, 'जैसा कि मैं इस परिवर्तनकारी अनुभव की तैयारी कर रही हूं, मैं विनम्रतापूर्वक किसी भी गलत काम और कमियों के लिए आपसे क्षमा मांगती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं बहुत भाग्यशाली हूं और बेहद आभारी महसूस करती हूं। कृपया मुझे अपने विचारों और प्रार्थनाओं में याद रखें क्योंकि मैं जीवन भर की इस यात्रा पर निकल रही हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं एक बेहतर इंसान बनकर वापस आऊंगी, जिसका दिल विनम्र और ईमान मजबूत होगा।'

संक्षिप्त खबरें

धनबाद मंडल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

धनबाद : धनबाद मंडल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बहुदेशीय सामुदायिक भवन, रांगाटांड़, धनबाद में योग सत्र का आयोजन किया गया जिसमें धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल किशोर सिन्हा सहित मंडल के अन्य उच्चाधिकारियों, कर्मचारियों, भारत स्काउट एंड गाइड के सदस्यों एवं यूनियन तथा एसोसीएशान के प्रतिनिधियों द्वारा योग प्रशिक्षक के नेतृत्व में योगाभ्यास किया। इसके साथ ही मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने वहां उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योग का मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। योग से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। इसलिए हम सभी को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करना चाहिए।

झारखण्ड ओलम्पिक एसोसिएशन ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस.

रांची : आज यहाँ बिरसा मुंडा स्टेडियम में झारखण्ड ओलम्पिक एसोसिएशन के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया.
स्टेडियम के हॉल में वुशु के खिलाड़ियों द्वारा योग का प्रदर्शन किया गया.इस अवसर पर उपस्थित डॉ मधुकांत पाठक ने कहाँ की इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय हैँ स्वयं और समाज के लिए योग. उन्होंने कहाँ की योग से खिलाड़ियों में आत्मबल और अनुशासन का विकास होता है जो उनके भविष्य में बेहतर नागरिक बनने में मददगार होता है। आज इस अवसर पर ओलम्पिक संघ के महासचिव डॉ मधुकांत पाठक के साथ साथ एस के पांडे, के के सिंह, शिवेंद्र दुबे, मिथलेश साहू, शैलेन्द्र कुमार, उदय साहू, शैलेन्द्र दुबे,दीपक गोप सहित बड़ी संख्या में खिलाडी मौजूद थे.

योग भारतीय संस्कृति का अमूल्य उपहार : श्रीकांत देव

जमशेदपुर : हम सभी जानते हैं की मानव जीवन के लिए योग कितना महत्वपूर्ण और आज की आवश्यकता है. इसी कड़ी के साथ आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर वरिष्ठ नागरिक सह मॉर्निंग वॉकर्स ने कदमा सोनारी लिंक रोड में योग किया और इसका स्वरूप प्रस्तुत कर हर एक व्यक्ति को योग से जुड़ने एवं योग को जीवन में आत्मसात कर दिनचर्या में शामिल करने का एक संदेश भी दिया.
समाजसेवी श्रीकांत देव ने बताया कि योग भारतीय संस्कृति का अमूल्य उपहार है, जो पूरी दुनिया को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रहा है। एस एल दास ने इस अवसर पर कहा कि मजबूत मन और स्वस्थ शरीर के निर्माण के लिए योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।

रेडिसन ब्लू होटल ने एयरपोर्ट के साथ मिलकर विश्व योग दिवस मनाया

रांचीः रेडिसन ब्लू होटल रांची ने सीआईएसएफ रांची एयरपोर्ट के साथ मिलकर विश्व योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। 21 जून को आयोजित इस कार्यक्रम में पारस हमारे सम्मानित चिकित्सा भागीदार के रूप में शामिल हुए और हमारे समर्पित सुरक्षा भागीदार के रूप में ड्राइव किया। प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और माइंडफुलनेस को बढ़ावा देने वाले योग सत्रों की एक श्रृंखला में भाग लिया। इस कार्यक्रम ने सामुदायिक कल्याण और समग्र स्वास्थ्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस के अवसर पर करवायी योगा क्लास

रांची : मारवाड़ी युवा मंच राँची समर्पण शाखा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगा शेषण करवाया । यह शेषण योगा ट्रेनर राज सिंह द्वारा टीम स्प्रिट डांस एवं फिटनेस स्टूडियो रातु रोड में करवाया गया , योगा टीचर ने मेंबर्स को योग से सम्बन्धित जानकारी दी , और कई तरह के आसन सिखाये । शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया ने सभी मेंबर्स से रोज योगा में कुछ समय देने की विनती की , और कहा हमारे शरीर को स्वास्थ्य रखने के लिए योगा का काफी योगदान होता है , करे योग रहे निरोग को याद करते हुए सब ने रोज योग करने का प्रण लिया । शाखा द्वारा योगा टीचर को अंग्वस्त्र और पौधा देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम संयोजिका कोमल झुनझुनावाला एवं आशा सराफ ने कार्यक्रम की सारी तैयारी की । मोके पर अध्यक्ष विनीता सिंघानिया, कोमल झुनझुनवाला , आशा सराफ , रितु पोद्दार, दीपिका मोतिका ,कविता जालान , पायल जैन , सोनल , कृष्ण अग्रवाल मोजूद थी । यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी ।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उपायुक्तने की बैठक

25 से 24 जुलाई तक हाउस टू हाउस सर्वे

बिभा संवाददाता

रांची : आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर उपायुक्त, रांची श्री राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में आयोजित बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों के निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त श्री राहुल कुमार सिन्हा द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड श्री के रवि कुमार द्वारा प्राप्त गाइडलाइंस की जानकारी सभी पदाधिकारियों को दी गई।
उपायुक्त श्री राहुल कुमार सिन्हा द्वारा बताया गया कि 25 जून 2024 से 24 जुलाई 2024 तक बीएलओ द्वारा हाउस टू हाउस सर्वे का कार्य किया जायेगा। उन्होंने सभी विधानसभा क्षेत्र के आरओ/एआरओ को इस संबंध में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर के साथ बैठक करने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने रांची जिलावासियों से हाउस टू हाउस सर्वे में जिला प्रशासन का सहायोग करने की भी अपील की।
उपायुक्त श्री राहुल कुमार सिन्हा द्वारा बताया गया कि दिनांक 01.07.2024 को अहर्त्ता तिथि मानते हुए मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 शुरू होगा। जो निम्न प्रकार है:-
मतदाता सूची प्रारुप का प्रकाशन - 25.07.2024 (गुरुवार)
दावा और आपत्ति दाखिल करने की तिथि - 25.07.2024 (गुरुवार) से 09.08.2024 (शुक्रवार)
विशेष अभियान तिथि - 25.07.2024 से 09.08.2024 तक हर शनिवार और रविवार
दावों और आपत्तियों का निपटारा - 19.08.2024 (सोमवार) तक
मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन - 19.08.2024 (मंगलवार) को किया जायेगा।
उपायुक्त द्वारा रिविजन पर फोकस करते हुए सभी विधानसभा क्षेत्र के आरओ/एआरओ को राजनीतिक दलों, बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर के साथ बैठक करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी आरओ/एआरओ राजनीतिक दलों के साथ सभ्य और अनुशासित व्यवहार रखें, स्वस्थ वातावरण में चुनाव प्रक्रिया से संबंधित कार्य को निष्पादित करायें। उन्होंने सभी आरओ/एआरओ को लो टर्न आउट बूथ को टारगेट करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु योजना बनाने को कहा। शहरी क्षेत्र में बूथ रैशनलाइजेशन को लेकर भी उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।
उपायुक्त ने सभी विधानसभा क्षेत्र के आरओ/एआरओ को #IAmVerifiedVoter अभियान का प्रचार करने का निदेश दिया गया ताकि चुनाव से पहले वोटर मतदाता सूची में अपना नाम देख आश्वस्त हो जाये और नहीं होने पर ससमय आवेदन दे सकें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से किसी का नाम हटाने को लेकर विशेष सावधानी बरतें, पूरी तरह आश्वस्त होने के बाद ही डिलीशन का कार्य करें।
बैठक के दौरान सभी पदाधिकारियों ने लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अनुभवों को भी साझा किया।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में नई लिफ्ट का उद्घाटन

धनबादः मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल किशोर सिन्हा की उपस्थिति में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में एक दिव्यांग कर्मचारी द्वारा रिबन काटकर लिफ्ट का उद्घाटन किया गया और इसके उपयोग की शुरूआत की गई यह लिफ्ट 844 किलोग्राम वजन के साथ दूसरी मंजिल तक जा सकती है। इस लिफ्ट के शुरू होने से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में कार्यरत दिव्यांग कर्मचारी, बुजुर्ग कर्मचारी एवं महिलाएं सुविधा का लाभ उठा सकेंगी। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

आधुनिक जीवन को तनाव मुक्त रखने एवं स्वस्थ जीवन हेतु योग अभ्यास अमृत समान : शाहिद

बिभा संवाददाता

रांची : केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची के द्वारा 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को आम जनों विद्यार्थियों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रंगोली, पेंटिंग एवं भाषण आदि प्रतियोगिताओं व कार्यक्रम का आयोजन मारवाड़ी 10+2 उच्च विद्यालय, रांची में किया गया। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों व एन सी सी छात्रों ने जागरूकता रैली भी निकाली। सीबीसी रांची के कार्यालय प्रमुख श्री शाहिद रहमान व स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री आशीष कुमार ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाया। रैली के दौरान केन्द्रीय संचार ब्यूरो रांची द्वारा टी शर्ट व टोपी वितरीत किया गया, साथ ही साथ गीत व नाटक प्रभाग के पंजीकृत कलाकारों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाया।
उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ सीबीसी कार्यालय रांची के कार्यालय प्रमुख श्री शाहिद रहमान ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री आशीष कुमार, एन सी सी प्राध्यापिका सह योगा प्रशिक्षिका श्रीमती सुवेता कुमारी व शिक्षकगण को मोमेंटो देकर किया।
कार्यालय प्रमुख श्री शाहिद रहमान ने विद्यार्थियों को इस वर्ष की थीम 'स्वयं एवं समाज के लिए योग' के बारे में विस्तार पूर्वक बताया साथ ही योग दिवस को 21 जून को ही मानने व यौगिक क्रियाओं से होने वाले फायदों की जानकारी दिया। अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा कि योग स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मां के लिए अत्यंत लाभकारी है।
कार्यक्रम के दौरान योगा प्रशिक्षिका श्रीमती तिवारी द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से योगा करवाया गया, साथ ही साथ गीत व नाटक प्रभाग के पंजीकृत कलाकारों द्वारा गीत व नाटक के माध्यम से योगा के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।
कार्यक्रम उपरांत विभीन्न प्रतियोगिताओं के विजई प्रतिभागियो को पुरस्कृत किया गया।
इस मौके पर स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाओं के अलावा , सीबीसी रांची के तकनीकी सहायक हरि उरांव, कार्यक्रम समन्वयक शफीक आलम, श्रीकांत मोदी व अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

मादक पदार्थों पर रोकथाम के लिए एलईडी वाहन के माध्यम से प्रचार-प्रसार

बिभा संवाददाता

रांची : मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु व्यापक जागरूकता लाने के उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 19 जून को प्रचार रथ रवाना किया गया था। चारों रथ के द्वारा रांची जिला के सुदूर क्षेत्रों में घूम-घूम कर मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव तथा सामाजिक-आर्थिक एवं व्यक्ति के जीवन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी जा रही है।
आज लालपुर चौक, चांदनी चौक, बिरसा चौक एवं धुर्वा क्षेत्र में प्रचार वाहनों द्वारा वीडियो के माध्यम से मादक पदार्थों के दुरुपयोग के संबंध में जागरूकता लाने हेतु प्रचार-प्रसार किया गया।
ज्ञात हो कि 18 वर्ष से कम आयु को मादक पदार्थ की बिक्री गैरकानूनी है। साथ ही शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के क्षेत्रफल में मादक पदार्थों की बिक्री भी गैर कानूनी है। नशीले पदार्थ का उत्पादन, भंडारण, बिक्री, परिवहन या उपयोग दंडनीय अपराध है जिसके लिए 20 साल तक की कठोर सजा का प्रावधान है। प्रचार वाहनों द्वारा घूम-घूम कर लोगों को यह जानकारी दी जा रही है कि मादक पदार्थ अथवा अफीम की खेती से जुड़ी कोई भी सूचना टोल फ्री नंबर 112 पर दीजिए, आपकी पहचान गुप्त रखते हुए शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

इंडियन कोस्ट गार्ड द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में शामिल हुए सांसद

रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ आज रामेश्वरम द्वीप (तमिलनाडु) के धनुषकोडी में इंडियन कोस्ट गार्ड द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में सम्मिलित हुए रक्षा राज्य मंत्री सेठ ने कहा आंतरिक शांति ,और आध्यात्मिक विकास , के लिए योग जरूरी है योग जो मन शरीर और आत्मा का पोषण करता है । योग करने से आंतरिक शांति ,आत्म जागरूकता, और आध्यात्मिक विकास की भावना पैदा करता है ।योग शरीर और मन को एक साथ लाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ जीवन जीने के लिए योग को जरूर अपने जीवन में उतारना चाहिए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

धनबाद रेल मंडल के 27 कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किये गये

बिभा संवाददाता

धनबाद : धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा द्वारा मंडल के 27 कर्मचारियों को अप्रैल एवं मई 2024 माह में उनके द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्य के लिए संरक्षा पुरस्कार प्रदान किये गये । इन कर्मचारियों ने धनबाद मंडल के विभिन्न खण्डों में रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल तथा अन्य संरक्षा संबंधी कार्यों का पता लगाया जिससे रेल परिचालन में आने वाली समस्याओं, दुर्घटनाओं/असामान्यताओं को टला गया । इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जोन्हा में योग दिवस पर विद्यालय बस का लोकार्पण

बिभा संवाददाता

रांची : सेवा भारती, झारखंड के सेवा प्रकल्प सेवा धाम, गुड़ीडीह,जोन्हा, रांची में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सेवा भारती शिशु विद्या मंदिर एवं बाल संस्कार केंद्रों के 250 बच्चों ने सामूहिक योगासन किया। इस अवसर पर सीसीएल के सीएसआर मद से 40 सीटर एक बस उपलब्ध हुई। मौके पर मुख्य अतिथि एस एस लाल, महाप्रबंधक, सीएसआर, सीसीएल,रांची ने श्रीफल फोड़ कर एवं हरी झंडी दिखाकर विद्यालय बस लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एस एस लाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा भारती सुदूरवर्ती क्षेत्रों में संस्कारित शिक्षा और कौशल विकास का अलख जगा रही है और जरुरतमंदों के लिए सहायता का हाथ बढ़ा रही है। साथ ही बच्चों में राष्ट्रीयता का भाव भरने का महान कार्य किया जा रहा है। ग्राम विकास के लिए सेवा भारती को सीसीएल निरंतर सहयोग करेगा।
कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्रीमती निर्मला कौर, पूर्व डीजीपी ने ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि अपने बालक - बालिकाओं को अनिवार्य रूप से विद्यालय भेजें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गोपाल सिंह, पूर्व सीएमडी सीसीएल, सीसीएल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए बताया कि योग करने से तन-मन स्वस्थ होता है। देश का प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ रहेगा तभी स्वस्थ राष्ट्र बनेगा। हमारा भारत ज्ञान,विज्ञान, सुरक्षा,आर्थिक सहित कई मामलों में दुनिया का अग्रणी देश है।आज हमारा देश अपनी अलग पहचान बनाकर विश्व के मानचित्र पर दमक रहा है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन सेवा भारती के प्रांतीय अध्यक्ष गिरीश मल्होत्रा ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा भारती के गुरुशरण प्रसाद, राधेश्याम अग्रवाल, पवन मंत्री, नंदलाल साहू,श्याम टोरका, शुभेंदु भट्ट, चंदन मिश्र,अजय दधीचि, उमाशंकर शर्मा, अखिलेश श्रीवास्तव सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

योग स्वयं की, स्वयं तक, स्वयं के माध्यम से यात्रा है : महानिरीक्षक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हर वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ह्स्वयं और समाज के लिए योगह्व रखी गई है। योग दिवस के तहत शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने और दुनिया भर में व्यक्तियों और समुदायों में सद्भाव व शांति लाने में योग के समग्र लाभों पर जोर देना है। दुनिया में, हम सभी शांति पाने के लिए अलग-अलग जगहों की तलाश कर रहे हैं। शांति और स्थिरता की इस गहन खोज के जरिए, योग की सदियों पुरानी अवधारणा लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही है। योग एक प्राचीन अभ्यास है जो समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए शारीरिक आसन, श्वास अभ्यास और ध्यान तकनीकों को जोड़ता है। इसकी शुरूआत हजारों साल पहले भारत में हुई थी और अब इसे दुनिया भर में अपनाया जा रहा है।
इसी अवसर पर प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल, मेरू कैंप में 10 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून 2024, समय प्रातः 0545 बजे, के0 एस0 बन्याल, महानिरीक्षक, प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय के तत्वावधान में विशेष योगसत्र का आयोजन किया गया, जिसमें परिसर के कुशल योग प्रशिक्षकों द्वारा कार्मिकों को योगाभ्यास कराया गया। इस सत्र में संस्थान के परिसर में उपस्थित अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी, अन्य कार्मिक, बावा सदस्याएँ व उनके परिजनों ने उत्सुक्ता से भाग लिया एवं योग अभ्यास किया।
योग सत्र के समापन पर महानिरीक्षक, प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय ने अपने संबोधन में कहा कि योग का अभ्यास करने से शरीर के ऊर्जा केंद्रों को संतुलित करने में मदद मिलती है व हमारे शरीर, मन और आत्मा को सामंजस्य में एकजुट करने की प्रक्रिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य योग के कई लाभों के बारे में दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाना है। महानिरीक्षक ने कहा कि योग से होने वाले फायदे बड़े और दूरगामी हैं। नियमित अभ्यास से शारीरिक शक्ति, लचीलापन और संतुलन में सुधार होता है व समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा मिलता है। यह मानसिक स्पष्टता को बढ़ाने के साथ तनाव को भी कम करता है और जीवन की चुनौतियों के बीच आंतरिक शांति की भावना पैदा करता है। अंत में महानिरीक्षक ने परिसर के सभी कार्मिकों व उनके परिजनों से योग का नियमित अभ्यास कर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की अपील की।

टाटानगर-आदित्यपुर स्टेशनों के मध्य ट्रैफिक ब्लॉक के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

बिभा संवाददाता

हाजीपुर/रांची : टाटानगर और आदित्यपुर स्टेशनों के मध्य ब्रिज सं. 25 पर गर्डर के बदलाव हेतु दिनांक 22.06.24 को ट्रैफिक कम पावर ब्लॉक लिया जा रहा है । इस एक जोड़ी ट्रेन का परिचालन रद्द तथा एक जोड़ी का परिचालन आंशिक समापन/प्रारंभ कर चलाया जायेगा जिनका विवरण निम्नानुसार है -
रद्द ट्रेन - दिनांक 22.06.2024 को खुलने वाली गाड़ी सं. 08151/08152 टाटा-बरकाकाना-टाटा पैसेंजर स्पेशल का परिचालन रद्द ।
आंशिक समापन/प्रारंभ कर चलायी जाने वाली ट्रेनें -
दिनांक 22.06.24 को धनबाद से खुलने वाली गाड़ी सं. 13301 धनबाद-टाटा स्वर्णरेखा एक्सप्रेस का आंशिक समापन आद्रा में किया जायेगा तथा आद्रा से यह गाड़ी सं. 13302 टाटा-धनबाद स्वर्णरेखा एक्सप्रेस बनकर धबनाद के लिए खुलेगी अर्थात दिनांक 22.06.24 को स्वर्णरेखा एक्सप्रेस का परिचालन आद्रा और टाटानगर के मध्य रद्द रहेगी ।

आद्रा मंडल में लिए जाने वाले ब्लॉक के कारण ट्रेनों का किया जाएगा रद्दीकरण, मार्ग परिवर्तन

धनबाद(बिभा): दक्षिण पूर्वी रेलवे के आद्रा मंडल में ट्रैफिक कम पॉवर ब्लॉक लिया जाएगा जिस कारण दिनांक 23.6.24 को गाड़ी संख्या 08677/08678 बिष्णुपुर-धनबाद-बांकुरा मेमू रद्द रहेगी। दिनांक 23.6.24 को गाड़ी संख्या 18024 गोमो-खड़गपुर एक्सप्रेस का आंशिक समापन आद्रा स्टेशन पर किया जाएगा। दिनांक 23.6.24 को गाड़ी संख्या 18023 खड़गपुर - गोमो एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ आद्रा स्टेशन से किया जाएगा । दिनांक 23.6.24 को गाड़ी संख्या 18628/18627 राँची-हावड़ा-राँची, कोटशिला-पुरुलिया-चाण्डिल- टाटा- खड़गपुर के रास्ते चलायी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

राशन कार्ड से वंचित परिवार का अब बनेंगा राशन कार्ड

जादूगोड़ा(बिभा): डालसा सचिव राजेंद्र प्रसाद के निर्देश पर पोटका प्रखंड अंतर्गत हर माह विभिन्न पंचायत के हर एक गांव में डोर टू डोर विधिक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं जिसके तहत छोटा बंदूआ गांव की एक गृहिणी के द्वारा ये शिकायत की गई के विगत चार साल से उसे राशन दुकान से राशन नहीं मिल रहा है लोकडाउन के पूर्व छे बार जैसे मिला था फिर अचानक से डीलर द्वारा बोला गया के ये राशन कार्ड आप लोगों का नहीं है आगे आप लोगों को इस कार्ड के माध्यम से राशन नहीं मिलेगा इस बात को ले कर कार्ड धारी का डीलर के साथ कई बार कहा सुनी भी हुई आगे किसके पास जाएं जो इस समस्या का निदान हो कोई उपाय न देख थक हार कर मन मारकर कार्ड धारी घर में बैठ गई अपनी तो मजदूरी कर के किसी तरह पेट पाल रही है मगर अपने नाम पर एक राशन कार्ड नहीं होना इस बात की उन्हें दुःख है राशन कार्ड नहीं होने के वजह से आयुष्मान कार्ड,प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना आदि जैसी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित है पी एल वी चयन कुमार मंडल के द्वारा महिला से राशन कार्ड बनाने के लिए जरूरत के सारे कागजात लिए गए थे जिसके तहत उसके कार्ड प्राप्ति हेतु आवेदन ऑनलाइन अप्लाय कर दिया गया तथा रसीद आज उसके घर चल कर उपलब्ध करवा दिया गया इसकी समस्या की गंभीरता को देखते हुए प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी कार्यालय कर्मी के संज्ञान में दे दिया गया और व्हाट्सएप के मध्यम से रसीद भेज दी गई ताकि जल्द से जल्द उस परिवार को राशन कार्ड मिल जाए।मौके पर पी एल वी छाकु माझी भी मौजूद थे।

यूसील के तकनीकी निर्देशक राजेश कुमार पहुंचे तुम्मापल्ली यूरेनियम प्रोजेक्ट

जादूगोड़ा(बिभा) : यूसील के तकनीकी निर्देशक राजेश कुमार कंपनी की सबसे ज्यादा यूरेनियम उत्पादन करने वाली झारखंड से बाहर तुम्मापल्ली यूरेनियम प्रोजेक्ट,(आंध्र प्रदेश) पहुंचे व अपने एक दिवसीय दौरे के क्रम में आज शुक्रवार को माइंस डिविजन में करोड़ों रुपए की लागत से बनी आरो प्लांट का उद्घाटन किया ताकि कंपनी कर्मियो को शुद्ध पानी मिल सके। इधर आरो प्लांट के उद्घाटन के बाद कंपनी कर्मियों में हर्ष व्याप्त है ।जिसे कम समय में आधुनिक आरो प्लांट तैयार करने का श्रेय सिविल इंजीनियर एच यशवंत व रितेश कुमार महतो को जाता है। तुम्मपल्ली यूरेनियम प्रोजेक्ट में आरो प्लांट उद्घाटन के मौके पर कंपनी के तकनीकी निर्देशक राजेश कुमार,महाप्रबंधक एम एस राव, उपमहाप्रबंधक सुमन सरकार,समेत राजेश मिस्त्रा(डी जीएम सिविल)किशोर भक्त(माइंस एजेंट)सी मैथीवनन(डी जीएम क्रय) मैनेजर पी के नायक,,एच यशवंत(,सिविल इंजीनियर) दिनेश कन्नन,तारकेश्वर राव,रितेश कुमार महतो, माइंस मैनेजर समेत यूनियन नेता खास तौर पर उपस्थित थे।

आशा लकड़ा ने लोहरदगा में अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामलों और योजनाओं की समीक्षा की

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। डॉ आशा लकड़ा, सदस्या, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की अध्यक्षता में शुक्रवार को अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामलों व अन्य विभागों के प्रगति से संबंधित बैठक समाहरणालय सभागार में हुई। बैठक में सर्वप्रथम मनरेगा योजनाओं की समीक्षा की गई जिसमें योजनाओं में अनुसूचित जनजाति की भागीदारी से संबंधित चर्चा की गई। वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना में खेल मैदान को सुदूरवर्ती गांवों में भी चिन्हित कर स्वीकृत किये जाने का निदेश दिया। बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना में योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की गई और निदेश दिये गये।

अबुआ आवास योजना की समीक्षा में लाभुकों के आवास के साथ एक शौचालय की योजना भी जोड़े जाने का निदेश दिया गया। उप विकास आयुक्त द्वारा जानकारी दी गई कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ऐसे लाभुकों को शौचालय की सुविधा दी जाएगी और लाभुकों को आच्छादित कर लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा की गई और योजना में किसी भी प्रकार शिकायत के लिए जांच किये जाने का निदेश दिया गया। सामाजिक सुरक्षा विभाग अंतर्गत गांव-गांव में पेंशन के नये लाभुकों को जोड़े जाने हेतु विशेष अभियान चलाकर घर-घर सर्वे किये जाने का निदेश दिया गया। डॉ आशा लकड़ा ने कहा कि गांवों में कई ऐसे वृद्ध हैं जो स्वयं सरकारी कार्यालयों तक नहीं आ पाते हैं। ऐसे में उन्हें योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रखा जा सकता है। कंबल वितरण के लिए निर्देश दिया गया कि जनप्रतिनिधियों के स्तर कंबल का वितरण करने के लिए जिला परिषद सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और वार्ड सदस्य के लिए संख्या तय कर लें ताकि गांव में सभी जरूरतमंद लाभुकों को कंबल प्राप्त हो सके। आपूर्ति विभाग अंतर्गत वर्ष 2023-24 में धान अधिप्राप्ति, जिला में लैम्पस व पैक्स की संख्या, निबंधित किसानों की संख्या की समीक्षा की गई। निर्देश दिया गया कि प्रति पंचायत या दो पंचायत पर एक लैम्पस की संख्या सुनिश्चित हो। धान अधिप्राप्ति के लिए किसानों से आवेदन मांगा जाए। जिला में मार्केटिंग अफसरों की संख्या की कमी की समस्या का हल के लिए आवश्यक प्रयास किये जाने का निदेश दिया गया। उद्योग विभाग अंतर्गत महाप्रबंधक, उद्योग को निदेश दिया गया कि बैंक के साथ समन्वय बनाकर आवेदकों का आवेदन निष्पादित करायें। एक ओरिएंटेशन का कार्यक्रम भी रखें। कृषि विभाग अंतर्गत वर्ष 2023-24 में रबी फसल हेतु बीज वितरण के स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। सभी एफपीओ को क्रियाशील किये जाने का निदेश जिला कृषि पदाधिकारी को दिया गया। शिक्षा विभाग की समीक्षा में अनुसूचित जनजाति के आवासीय विद्यालयों के स्थिति की समीक्षा की गई। विद्यालयों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित किये जाने का निदेश दिया गया। सभी विद्यालयों के बच्चों के लिए संकुल स्तर और जिला स्तर पर क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित किये जाने का निदेश दिया गया। जिला में कार्यरत सहायक आचार्यों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किये जाने का निदेश दिया गया। समाज कल्याण विभाग अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों के स्थिति की समीक्षा की गई। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी द्वारा जिला में कुल 749 आंगनवाड़ी केंद्रों में से स्वयं के भवन और अन्य दूसरे भवन में संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों की जानकारी दी। आइटीडीए की समीक्षा में जिला में संचालित छात्रावासों की समीक्षा की गई। छात्रावासों में पेयजल की समुचित व्यवस्था, अध्ययन कक्ष, बीएस कॉलेज की छात्राओं के लिए सही स्थान पर भूमि का चयन कर छात्रावास के लिए प्रस्ताव भेजने, महिला कॉलेज, कस्तूरबा आवासीय विद्यालय व नये छात्रावास के लिए एक पुलिस पिकेट की स्थापना करने का निदेश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत जिला अस्पताल और प्रखण्ड स्तरीय अस्पतालों में चिकित्सकों के विजिट का रोस्टर तैयार कर उसका अनुपालन कराये जाने का निदेश दिया गया। साथ ही, सभी टीकाकरण का प्रशिक्षण दिये जाने का भी निदेश दिया गया।

नया घाटशिला जिला बनाने को लेकर विधायक रामदास ने मुख्यमंत्री को सौंपा मांग पत्र

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ा: घाटशिला अनुमंडल क्षेत्र को मिलाकर एक नया घाटशिला जिला इकाई निर्माण की स्वीकृति की मांग पर शुक्रवार को झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को लोकप्रिय विधायक रामदास सोरेन ने एक मांग पत्र सोंपा।लोकप्रिय विधायक रामदास सोरेन के ज्ञापन के अनुसार पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत घाटशिला अनुमंडल में वर्तमान में सात प्रखंड सह अंचल क्षेत्र है।घाटशिला अनुमंडल क्षेत्र में राज्य विधानसभा की दो विधानसभा क्षेत्र अवस्थित है एवं अन्य विधानसभा क्षेत्र की एक प्रखंड सह अंचल क्षेत्र शामिल है।यह आदिवासी बाहुल्य आबादी वाला क्षेत्र है।यह संपूर्ण क्षेत्र आबादी से लेकर अन्य सभी वांछित अर्हताएं जिला बनने के लिए आवश्यक है को पूर्ण करती है।

इस पर विधायक रामदास से दुरभाष में पूछे जाने पर विधायक ने कहा कि रामगढ़ में तीन प्रखंड है छोटा है वो जिला बन सकता है तो घाटशिला में सात प्रखंड है उसे बड़ा है ये क्यों नही बन सकता। मैं पहले भी विधानसभा में घाटशिला को जिला बनाने को लेकर मामला उठा चुका हूँ ।जो आज हमने घाटशिला को जिला का स्वीकृति मिले जो मांग पत्र मुख्यमंत्री को सौपे है ।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

लोहरदगा(बिभा): सदर थाना क्षेत्र के शंख नदी पुलिस पिकेट के समीप शुक्रवार शाम हुई सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई है। जानकारी अनुसार बाइक सवार युवक असुंतलित होकर ट्रक के नीचे आ गया जिससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार की पहचान बोकारो के दुर्गा कालोनी एफ-385 दुग्दा,बोकारो निवासी आंनद महतो के पुत्र विनोद कुमार महतो के रूप में हुई है।

बरही के समीप हुए सड़क दुर्घटना में एक युवती गंभीर, रिम्स रेफर

लोहरदगा(बिभा): जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के बरही के समीप हुए सड़क दुर्घटना में एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए युवती को सदर अस्पताल लाया गया। युवती की बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया है। घायल युवती की पहचान सेरेंगहातु निवासी इशाक अंसारी की 24 वर्षीय पुत्री रुकसाना खातून के रूप में हुई है। बताया जाता है कि हर रोज की तरह आज भी भंडरा बीआरसी में डाटा ऑपरेटर के पद पर कार्यरत रुखसाना खातून अपने सहयोगी के साथ मोटरसाइकिल से भंडरा बीआरसी से सेरेंगहातु अपने घर आ रही थी। इसी दौरान बरही के समीप सामने से मवेशी के आ जाने से अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े जिसके बाद एक ऑटो ने इन्हें अपनी चपेट में ले लिया जिससे रुकसाना गम्भीर रूप से घायल हो गई। जिसके बाद रुकसाना को सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाजबके लिए रिम्स रेफर कर दिया गया है। युवती के शरीर पर गम्भीर चोटें आई है।

जीवन में योग अपनाएं, निरोग रहें : डॉ वाघमारे

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला प्रशासन लोहरदगा की ओर से बैडमिंटन कोर्ट हॉल (बहुद्देश्यीय भवन) में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि योग ऐसी क्रिया है जिससे तन और मन दोनों स्वस्थ रहता है। योग को हम सभी को अपनाना चाहिए। योग अपनाएं और निरोग रहें। कार्यक्रम में वन प्रमण्डल पदाधिकारी अरविंद कुमार, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

ट्रक मालिकों की बैठक आयोजित

लोहरदगा। पतराटोली बिजली ऑफिस के समीप लोहरदगा गुमला ट्रक एसोसिएशन एवं झारखंड ट्रक आनर एशोसिएशन , बिमरला की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। बैठक में 22 जून को इंटक यूनियन की वार्षिक बैठक राजेंद्र भवन लोहरदगा में आयोजित है, जिसमें एशोसिएशन के संरक्षक सह पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू के नेतृत्व में हिंडाल्को कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन भी किया जाएगा।

यूसील समेत स्कूलों में मना योग दिवस

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ा : पूर्वी सिंहभूम जिले की तरह जादूगोड़ा व उसके आस आस -पास के इलाकों में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस यूसील समेत विभिन्न स्कूलों में योग दिवस मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम कंपनी की ओर से जादूगोड़ा, नरवा पहाड़, तुराम डीह समेत तुम्मापल्ली यूरेनियम प्रोजेक्ट के अधिकारियों व कर्मचारियों ने योग दिवस मनाया व योग के विभिन्न क्रियाओं के महत्व से लोग अवगत हुए। इसके अलावे शेफर्ड इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल धर्मडीह, डेटन इंटरनेशनल स्कूल, तेतला परिसर समेत डिवाइन मिशन स्कूल, हितकु, नरवा में योग दिवस पूरे जोश के साथ मनाया गया। जिसमे स्कूल के प्रबंधन, प्राचार्य, सभी शिक्षक और नर्सरी से लेकर बारहवी कक्षा के बच्चो ने स्कूल प्रांगण में योग करके उसका आनंद उठाया और योग के अनेकों प्रकार के महत्व से प्राचार्य विवेक विशाल के द्वारा बच्चो को अवगत कराया गया।इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा की योग की परंपरा अपने आने वाली पीढ़ी तक चलते रहनी चाहिए। योग के माध्यम से हम अपने शारीरिक, मानसिक आध्यात्मिक ज्ञान को तेज कर सकते है और ऐसे ही भारत विश्व गुरु बन सकता है। स्कूल की शिक्षक सुशीला मैडम द्वारा बच्चो को योग के अनेक प्रकार के आसन सिखाई जबकि शिक्षक भवानी महतो के द्वारा बच्चो को अनेक प्रकार के योग आसन कर समझाया गया। इस दौरान दया शंकर दास कक्षा नौवीं का छात्र जिसने अपने भाषण में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और योग गुरु बाबा रामदेव को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया जिसने योग को भारत से पूरे विश्व में प्रचार प्रसार किया और इसे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में 21 जून को स्थापित किया। योग दिवस को सफल बनाने में मोनिका पांडे, कंचन महता, मुकेश कुमार, पूजा कुमारी, खुशबू कुमारी, मोसूमी मैटी, नीतीश तिवारी, प्रियांशु, सुमन हेंब्रम, हेमलता भक्त, पिंकी दास, सावित्री दास का योगदान सराहनीय रहा।

यूसील के तकनीकी निर्देशक को किया गया सम्मनित

जादूगोड़ा: यूसील के तकनीकी निर्देशक राजेश कुमार इन दिनों तुम्मपल्ली यूरेनियम प्रोजेक्ट के दौरे पर है इधर उनके सेवानिवृत्ति से पूर्व तुम्मपल्ली यूरेनियम प्रोजेक्ट में देर संध्या एक समारोह आयोजित की गई जहा उन्हे कंपनी के महाप्रबंधक एम एस राव ने साल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया.कंपनी के तकनीक निर्देशक राजेश कुमार इसी माह जून महीने में सेवानिवृत्ति होने वाले है।जिसके सम्मान में तुम्मा पल्ली यूरेनियम प्रोजेक्ट में एक समारोह आयोजित कर भाव भीनी विदाई दी गई व उनके कार्यकाल में यूसील की तरक्की में उनके अहम योगदान को याद किया गया।

तिलामुड़ा गांव के लगभग तेईस एकड़ सरकारी जमीन पर है भू-माफियाओं की नजर

प्रशासन नहीं चेता तो अंजाम होगी भयंकर : करुणा मय मंडल

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ा: ज्ञात रहे पोटका प्रखंड के आसनबनी पंचायत स्थित - मौजा - तिलामुड़ा,थाना नं.- 1263,खाता नं.- 298, प्लॉट नं.- 1331, रकवा - 22.75 एकड़ जमीन झारखंड सरकार की है। जंहा एक ओर चारों तरफ भू माफियाओं की बोलबाला चला हुआ है - क्या रैयती क्या सरकारी मानो झारखंड की मिट्टी को बेच के खत्म करने की होड़ लगी हुई है - ऐसे में इतनी बड़ी भूखंड इन भू माफियाओं की गिद्ध नजर से बच पाए ये तो असंभव है।

बीते दिनों ठीक लोस चुनाव के पूर्व में 26 अप्रैल 2024 को जमशेदपुर, खासमोहल, थाना - परसुडीह के रहने वाले मधु घोष के द्वारा गांव के ही कुछ सहोयोगिओं को लेकर उक्त जमीन पर जंहा वर्षों से निकटस्थ जमीन वाले ग्रामीण कृषि योग्य जमीन बनाकर खेती कर रहे हैं उसमें से कुछ भले भाले लोगों को खिला पीला कर पैसों की लालच देकर उसकी जमीन (यानी की दखल कि हुई सरकारी जमीन) को लेते हुए पूरी जमीन पर अपना आधिपत्य जमाने हेतु जे.सी.वी. चलवा कर समतली करण किया जा रहा था। जिसे गांव के ही कुछ अन्य लोगों द्वारा पुरोजोर विरोध किया गया। साथ ही अंचल अधिकारी, पोटका, थाना प्रभारी, जादूगोड़ा, अनुमंडल अधिकारी, धालभूम,वरीय पुलिस अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम, उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम आदि के समक्ष बीते दिनांक - 07/05/2024 को लिखित आवेदन के माध्यम से उक्त सरकारी जमीन को अवैध रूप से जबरदस्ती हथियाने में संलिप्त लोगों को नामजद शिकायत कि गई है तथा त्वरित कार्रवाई के माध्यम से उक्त सरकारी भूखंड को समुचित सुरक्षित करने की अनुरोध कि गई थी। ये अलग बात है की तत्कालीन ग्रामीणों की बुलंद विरोध के कारण भू माफियाओं की हौसले पोस्त हुआ तथा जेसीवी वापस हुआ पर इतनी जगह लिखित शिकायत किए जाने के बाद भी अब तक कुछ कार्रवाई नहीं होना घोर संदेह को जन्म देती है।

अंततः कल पुनः उक्त विषय को लेकर तिलामुड़ा के ग्रामीणों के एक प्रतिनिधि मंडल अपने पूर्व जिला पार्षद करुणा मय मंडल के नेतृत्व में अंचलाधिकारी पोटका सुश्री निकिता वाला से मिले। ग्रामीणों ने उन्हे सारी बस्तुस्थिती से अवगत करवाते हुए उक्त सरकारी जमीन की सुरक्षा की गुहार लगाए। पूर्व पार्षद मंडल ने बोले पोटका सीओ त्वरित कार्रवाई की भरोसा दिए।

अंचलाधिकारी से मिलने वालों में विष्णु पद सिंह, अजीत सिंह, कार्तिक सिंह, रतन गोप, समाजसेवी मुनीराम बास्के आदि मौजूद थे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com